रांची, शनिवार
28.11.2026
वर्ष : 11, अंक : 353, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा समापन

एवं सरकार के द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह

28 नवम्बर, 2026 | अपराह्न 12:30 बजे | खेलगांव, रांची





स्थापना दिवस पखवाड़ा
15 से 28 नवम्बर, 2026





मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सम्मानित अतिथि

श्री संजय सेठ
माननीय केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री

श्री राधा कृष्ण किशोर
माननीय मंत्री, झारखण्ड

श्री संजय प्रसाद यादव
माननीय मंत्री, झारखण्ड

श्रीमती महुआ माजी
माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा

श्री आदित्य प्रसाद साहु
माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा

श्री प्रदीप कुमार वर्मा
माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा

श्री परिमल नाथवानी
माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा

श्री राजेश कच्छप
माननीय सदस्य, झारखण्ड विधान सभा

आयोजित समारोह में
आप सभी की उपस्थिति सादर प्रार्थित है

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पत्नी कल्पना सोरेन संग घोड़ाबांधा पहुंच पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की मां को श्रद्धांजलि दी

बिभा संवाददाता



जमशेदपुर। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को जमशेदपुर के घोड़ाबांधा स्थित पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के आवास पहुंचे। यहां उन्होंने अर्जुन मुंडा की दिवंगत माताजी स्वर्गीय सायरा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री के साथ उनकी पत्नी कल्पना सोरेन एवं विधायक सविता महतो ने भी दिवंगत सायरा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और उनके परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इस कठिन समय में उन्हें धैर्य और हिम्मत बनाए रखने का संबल दिया। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

मुख्यमंत्री के जमशेदपुर आगमन को लेकर घोड़ाबांधा स्थित हेलीपैड पर प्रशासन की ओर से आवश्यक सुरक्षा एवं स्वागत की व्यवस्था की गई थी। हेलीपैड पहुंचने पर स्थानीय प्रशासन की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस मौके पर पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक सहित जिला एवं पुलिस प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री का स्वागत करने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने उनके कार्यक्रम से संबंधित व्यवस्थाओं का संचालन किया।

लोटस रेज़िडेंसी का गंदा पानी पड़ोसी के घर घुस रहा, कार्रवाई हो: सरयू राय

बिभा संवाददाता



जमशेदपुर: जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने मानगो की परमेश्वर कॉलोनी स्थित बहुमंजिली इमारत लोटस रेज़िडेंसी से निकलने वाले दूषित सीवरेज के पड़ोसी के घर में घुसने की समस्या को लेकर पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उचित सीवरेज और ड्रेनेज व्यवस्था न होने से मलयुक्त पानी सड़क पर बहता है और पड़ोसी चंद्रशेखर प्रसाद सिंह के घर में प्रवेश करता है, जिससे सालभर और खासकर बरसात में परिवार को गंभीर परेशानी झेलनी पड़ती है। सरयू राय के अनुसार, यह समस्या इमारत के निर्माण के समय से ही बनी हुई है और आरोप है कि भवन का निर्माण बिना स्वीकृत नक्शे व नियमों की अनदेखी कर किया गया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग पूर्ववर्ती मानगो नोटिफाइड एरिया कमिटी के समय से विरोध कर रहे हैं, लेकिन निर्माण से जुड़े लोगों के प्रभाव के चलते ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।

विधायक ने उपायुक्त से भवन निर्माण, नक्शा स्वीकृति और सीवरेज-ड्रेनेज व्यवस्था की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ विधिसम्मत तथा आपराधिक कार्रवाई करने की मांग की है। इस पत्र की प्रतिलिपि मानगो नगर निगम के अपर नगर आयुक्त को भी भेजी गई है।

वीर बुली महतो की वीरगाथा को जन-जन तक पहुंचाना और उन्हें इतिहास में उनका उचित सम्मान दिलाना हमारा संकल्प : सुदेश

बिभा संवाददाता



सिल्ली: झारखंड के महान क्रांतिकारी एवं कोल विद्रोह के अग्रणी सेनानी वीर बुली महतो की 241वीं जयंती शुक्रवार को सिल्ली स्थित आजसू पार्टी के प्रधान कार्यालय में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने वीर बुली महतो के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनके वंशज प्रदीप कुमार महतो, गांव के युवाओं तथा उनके जीवन पर शोध कर रहे सिल्ली कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर श्रीकांत महतो को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि वीर बुली महतो जैसे क्रांतिकारियों का इतिहास किसी एक परिवार या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे झारखंड की साझा ऐतिहासिक विरासत है। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत, शोषण और जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ जिस साहस से संघर्ष किया, वह आज भी अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि झारखंड की अस्मिता के लिए संघर्ष करने वाले अनेक वीर नायकों को इतिहास में वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे। वीर बुली महतो का योगदान भी लंबे समय तक अपेक्षित पहचान से वंचित रहा। सुदेश महतो ने कहा कि नई पीढ़ी को अपने पुरखों के संघर्ष और बलिदान से परिचित कराना बेहद जरूरी है। महापुरुषों की जयंती मनाना ही पर्याप्त नहीं है, उनके विचारों को सामाजिक चेतना का हिस्सा बनाना होगा।

उन्होंने घोषणा की कि आजसू पार्टी वीर बुली महतो की विरासत को उचित पहचान दिलाने के लिए ठोस पहल करेगी। उनकी जन्मस्थली सोनाहातु प्रखंड के लांदुपडीह पंचायत स्थित कोड़ाडीह गांव में जमीन चिह्नित कर संस्था स्थापित करने तथा प्रतिमा लगाने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। साथ ही उनके जीवन, संघर्ष और बलिदान से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों का संकलन कर जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व प्रोफेसर श्रीकांत महतो ने शोध के आधार पर बताया कि वीर बुली महतो ने भूमिज विद्रोह में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कार्यक्रम में जयपाल सिंह, चित्तरंजन महतो, सुशील महतो सहित बड़ी संख्या में नेता, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार मारुति वैन की चपेट में आने से पांचवीं की छात्रा की मौत, गांव में पसरा मातम



बेड़ो(बिभा)। बेड़ो थाना क्षेत्र के लोहरदगा रोड पर तेज रफ्तार मारुति वैन की चपेट में आने से पांचवीं कक्षा की छात्रा सुचिता कुमारी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के समय वह अपनी दो सहेलियों के साथ ट्यूशन पढ़ने के लिए पैदल घर से निकली थी। हादसे में दोनों सहेलियां बाल-बाल बच गईं। जानकारी के अनुसार, तीनों छात्राएं ट्यूशन पढ़ने जा रही थीं। इसी दौरान तेज गति से आ रही एक मारुति वैन ने सुचिता को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुचिता की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। बताया जाता है कि सुचिता नवोदय विद्यालय में नामांकन की तैयारी कर रही थी। आगामी 28 नवंबर को उसकी परीक्षा निर्धारित थी। परीक्षा की तैयारी में जुटी छात्रा की असमय मौत से परिवार का सपना अधूरा रह गया। घटना की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद वैन चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर बेड़ो पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त मारुति वैन को जब्त कर लिया है। फरार चालक की तलाश की जा रही है।

मां दिऊड़ी मंदिर के विकास को लेकर ट्रस्ट की बैठक, बनी रणनीति



तमाड़(बिभा)। मां दिऊड़ी मंदिर ट्रस्ट की आवश्यक बैठक शुक्रवार को ट्रस्ट के अध्यक्ष सह एसडीएम मोहन लाल मरांडी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मंदिर परिसर के विकास एवं सौंदर्यीकरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें मंदिर के तोरण द्वार के निर्माण, दुकान कॉम्प्लेक्स बनाने तथा मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही इन कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए आगे की रणनीति तय की गई। बैठक में मंदिर के विकास कार्यों को लेकर आवश्यक सुझाव भी दिए गए। मौके पर ट्रस्ट के सचिव सह सीओ समरेश प्रसाद भंडारी, बीडीओ अनिल कुमार मिंज, ट्रस्ट के अधिवक्ता रितेश जायसवाल, जिला परिषद सदस्य दिलीप सेठ, मुख्य पुजारी नरसिंह पंडा, मनोज पंडा, पाहन सुखराम मुंडा, एसआई निमाई सोरेन, विधायक प्रतिनिधि ऋषिकेश महतो, अमित सिन्हा, लेखपाल अरुण शांडिल्य सहित अन्य उपस्थित थे।

एआईडब्ल्यूसी अकादमी ऑफ एक्सीलेंस में वार्षिक खेल दिवस पर दिखी विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा



जमशेदपुर(बिभा): एआईडब्ल्यूसी अकादमी ऑफ एक्सीलेंस में शैक्षणिक सत्र 2026-27 का 22वां वार्षिक खेल दिवस शुक्रवार को उत्साह के साथ आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिताओं, मार्च पास्ट और ड्रिल के जरिए अनुशासन, टीम भावना और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित शतरंज खिलाड़ी व पूर्व छात्रा नेहा सिंह थीं, जो राष्ट्रीय जूनियर बालिका शतरंज पदक विजेता रही हैं और नेशनल ह्यएह्ल चैंपियनशिप व राष्ट्रीय सीनियर पुरुष शतरंज टूनार्मेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली बिहार की पहली महिला हैं। इस अवसर पर प्रधानाचार्या जसबीर कौर गिल ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। समारोह के दौरान मार्च पास्ट विजेता, ओवरऑल चैंपियन, प्रथम व द्वितीय उपविजेता, सर्वश्रेष्ठ ड्रिल और सबसे अनुशासित प्लाटून की घोषणा की गई। कार्यक्रम में एआईडब्ल्यूसी जमशेदपुर कॉन्स्टिट्यूएंट ब्रांच की अध्यक्ष पारुल मंगल, उपाध्यक्ष विनीता शाह, सदस्य रवीण दुग्गल, मानद सचिव डॉ. केट्टी भाटेना, मानद कोषाध्यक्ष मिताली चोपड़ा, शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भरनो में किसान महापड़ाव, एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत कई मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता



सिल्ली : संयुक्त किसान मोर्चा के देशव्यापी आह्वान पर झारखंड राज्य किसान सभा गुमला जिला कमेटी के तत्वावधान में भरनो प्रखंड कार्यालय के समक्ष किसान महापड़ाव आयोजित किया गया। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं गुमला उपायुक्त के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में किसानों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी देने, पंचायत स्तर पर धान क्रय केंद्र खोलकर घोषित एमएसपी 25 रुपये 50 पैसा प्रति किलो की दर पर खरीद सुनिश्चित करने, 17-19 रुपये प्रति किलो धान खरीद पर रोक लगाने, किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करने, सभी किसानों को पीएम सम्मान निधि का लाभ देने, जल-जंगल-जमीन एवं सीएनटी एक्ट की रक्षा करने, जमीन ऑनलाइन में गड़बड़ी सुधारने, दाखिल-खारिज में घूसखोरी रोकने, डाईर जतरा स्थल विवाद सुलझाने, रतिया उरांव व साथियों पर फर्जी मुकदमे की न्यायिक जांच करने, सभी जरूरतमंदों को आवास, पेंशन, राशन, सिंचाई कूप, क्रेडिट कार्ड देने, पारस डैम का दरवाजा मरम्मत करने, महंगाई, बेरोजगारी, पलायन व विस्थापन पर रोक लगाने, किसान विरोधी व्यापार समझौता, बीज-बिजली विधेयक, खनिज विधेयक व 4 लेबर कोड रद्द करने, मनरेगा में 200 दिन काम व 600 रुपये मजदूरी, सभी महिलाओं को मईयां योजना स्वीकृत करने एवं हाथियों के आतंक से निजात दिलाने की मांगें शामिल थीं। मुख्य वक्ता झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो ने कहा, 13 माह चले किसान आंदोलन में 736 किसानों की शहादत के बाद तीन कृषि कानून रद्द हुए और 10 दिसंबर 2021 को लिखित समझौता हुआ, जो 6 साल बाद भी लागू नहीं हुआ। यह मोदी सरकार के किसान विरोधी चरित्र को उजागर करता है। एमएसपी नहीं मिलने से साढ़े 4 लाख किसानों की आत्महत्या चिंता का विषय है। संयुक्त सचिव मदुवा कच्छप ने कहा, मांगें पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। शंकर उरांव, रतिया उरांव, अनिल उरांव समेत अन्य ने भी संबोधित किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी के कार्यालय में अनुपस्थित रहने पर नाराज प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर दिया। बाद में दोनों अधिकारी मौके पर पहुंचे, ज्ञापन लिया और मांगपत्र को आगे भेजने व आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

विद्या भारती इंग्लिश स्कूल में संविधान दिवस पर गूंजा लोकतांत्रिक मूल्यों का संदेश

बिभा संवाददाता



जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड अंतर्गत हाता स्थित विद्या भारती इंग्लिश स्कूल में संविधान दिवस सम्मान, उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के महत्व और उसमें निहित लोकतांत्रिक मूल्यों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम की शुरूआत संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन करने के साथ हुई। इसके बाद विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया। विद्यालय के प्राचार्य सलीम आजाद ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। संविधान हमें अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से संविधान में निहित आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने और जिम्मेदार नागरिक बनकर देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को संविधान के मूल्यों को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, मौके पर प्राचार्य सलीम आजाद के अलावा शिक्षक एसएस गोप, अमल कुमार दास, आलोक पाल, विद्यासागर पति, उदित लोचन महतो, शाहिन आजाद समेत विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी उपस्थित थे।

पंचायत विकास में बेहतर प्रदर्शन पर मुखिया अंजना देवी को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित



बुंडू। झारखंड राज्य स्थापना दिवस 2026 के अवसर पर आयोजित राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत बुंडू प्रखंड में सुमानडीह पंचायत की मुखिया अंजना देवी को उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पंचायत राज विभाग, झारखंड सरकार की ओर से जारी प्रशस्ति पत्र में उनके कार्यों की सराहना की गई है। बीडीओ सावित्री कुमारी ने प्रशस्ति पत्र मुखिया को प्रदान किया। मुखिया अंजना देवी को यह सम्मान पंचायत क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन एवं पंचायत के विकास कार्यों में योगदान के लिए प्रदान किया गया। सम्मान मिलने पर मुखिया अंजना देवी ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणास्रोत है। पंचायत के सर्वांगीण विकास और ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए वह आगे भी पूरी निष्ठा से कार्य करती रहेंगी।

झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़े पर बेड़ो में सम्मान समारोह, 101 लाभुकों व कर्मियों को मिला सम्मान

बिभा संवाददाता



बेड़ो।बेड़ो: झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़े और राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुक्रवार को बेड़ो प्रखंड सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राहुल उरांव की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 101 लाभुकों, मेठ, कर्मियों और पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र व उपहार देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना, वीबी-जी राम जी योजना और 15वें वित्त आयोग के तहत बेहतर कार्य करने वाले लाभुकों, रोजगार सेवकों, पंचायत सेवकों, आवास मित्रों, ऑपरेटरों, अभियंताओं, महिला मेठ व मजदूरों को सम्मानित किया गया। इस दौरान वीबी-जी राम जी परिवार की ओर से प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संजय तिर्की और प्रखंड परिवार की ओर से बीडीओ राहुल उरांव को भी विशेष सम्मान मिला।

बीडीओ राहुल उरांव ने कहा कि स्थापना दिवस पखवाड़ा सामूहिक प्रयासों से सफल हुआ है और विकास कार्यों में जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने लोगों से रांची के खेलगांव में होने वाले मुख्य समारोह में शामिल होने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन सहाब हमजा ने किया तथा इसमें सहायक अभियंता पुरुषोत्तम भाई पटेल, मुखिया अंजू कश्यप समेत बड़ी संख्या में कर्मी, लाभुक व ग्रामीण मौजूद रहे।

बेड़ो में बढ़ी ठंड, सुबह-शाम कनकनी से लोग परेशान, तापमान 12 से 23 डिग्री के बीच

बिभा संवाददाता



बेड़ो: राजधानी रांची समेत ग्रामीण इलाकों में ठंड का असर अब तेजी से बढ़ने लगा है। बेड़ो प्रखंड के करौंजी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह और शाम कनकनी बढ़ गई है। ठंडी हवाओं के कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है। लोग ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों का सहारा लेने लगे हैं।

मौसम के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, बेड़ो क्षेत्र में न्यूनतम तापमान करीब 12 डिग्री और अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया है। वहीं राजधानी रांची में भी ठंड का असर बढ़ रहा है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार शुक्रवार को रांची का अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, 27 नवंबर को झारखंड के किसी भी जिले में शीतलहर चलने की चेतावनी जारी नहीं की गई है। हालांकि आने वाले दिनों में रात के तापमान में और गिरावट होने की संभावना है। शुक्रवार को राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

इधर, ठंड के साथ वायु प्रदूषण भी लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, बेड़ो का वायु गुणवत्ता सूचकांक 141 और रांची का 105 रहा। इससे लोगों को सांस संबंधी परेशानी हो सकती है। सुबह और शाम ग्रामीण एवं ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है। मौसम में बदलाव को देखते हुए बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। वहीं सुबह के समय कोहरे की स्थिति में वाहन चालकों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

जमशेदपुर में 28 नवंबर आज से 19वां शॉर्ट्स फिल्म महोत्सव, दो दिनों में दिखेंगी 16 लघु फिल्में

बिभा संवाददाता



जमशेदपुर: दो दिवसीय वार्षिक लघु फिल्म महोत्सव शॉर्ट्स 2026 शनिवार (28 नवंबर) से सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सीएफई) में शुरू होगा, जिसमें दोनों दिन शाम पांच बजे से 16 लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में तथागत भट्टाचार्य, सिद्धार्थ सेन और गौतम शंकर दास ने बताया कि वर्ष 2008 में शुरू हुए इस आयोजन का यह 19वां संस्करण है, जिसे द सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ प्रोफेशनल एक्सीलेंस (एसपीपीई), टेक फाइव कम्युनिकेशंस और टाटा स्टील के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

इस बार 3 से 27 मिनट अवधि की फिक्शन व डॉक्यूमेंट्री फिल्में हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला और संथाली भाषाओं के साथ दो मूक फिल्मों के रूप में दिखाई जाएंगी, जिनमें जमशेदपुर, मुंबई, कोलकाता और पुणे के फिल्मकारों की रचनाएं शामिल हैं। महोत्सव की शुरूआत अशोक विश्वनाथन निर्देशित व ऋतुपर्णा सेनगुप्ता अभिनीत भारत-फ्रांस संयुक्त निर्माण की 27 मिनट की अंग्रेजी फिल्म ह्यडिस्टेंसेजह्ल से होगी।

चयनित फिल्मों में वीबीडीए झारखंड, माटी, संथाली फिल्म व्हेयर डू द ट्रीज गो, नूपुर, अंतर्कथा, गाछ बाबा, सेक्कोर, मूक फिल्म फोमो, आफ्टर आवर्स, शुगर डैडी, दृष्टि, ईजी मनी, मूक फिल्म एक और, मायापुर-प्रभु मिलन का द्वार और नशा से नाश तक शामिल हैं। आयोजकों के अनुसार यह मंच स्थापित, नए और विद्यार्थी फिल्मकारों को समान अवसर देता है और सार्थक सिनेमा को बढ़ावा देने में मददगार होगा।

बुद्धा पब्लिक स्कूल, सिल्ली के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण शुरू; काशी, अयोध्या और प्रयागराज की करेंगे यात्रा



बिभा संवाददाता

सिल्ली: बुद्धा पब्लिक स्कूल, सिल्ली के कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्र-छात्राओं का एक दल वर्ष 2026 के वार्षिक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण के लिए रवाना हो गया है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की समृद्ध धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से प्रत्यक्ष रूप से अवगत कराना है।

इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थी उत्तर प्रदेश के प्रमुख तीर्थ एवं ऐतिहासिक स्थलों का दौरा करेंगे, जिनमें काशी विश्वनाथ मंदिर (वाराणसी), अयोध्या धाम, भव्य सरयू आरती, विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती, प्रयागराज और पवित्र त्रिवेणी संगम शामिल हैं। छात्रों के उचित मार्गदर्शन, सुरक्षा और देखरेख के लिए विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक राहुल भद्र, प्रिया दुबे और अंजलि साहू भी इस दल के साथ गए हैं। भ्रमण पूरा करने के पश्चात यह दल आगामी 2 दिसंबर को वापस सिल्ली लौटेगा। यात्रा की रवानगी के अवसर पर विद्यालय के निदेशक रणधीर कौशिक एवं प्राचार्य वी. सुधीर कुमार ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को सुरक्षित एवं ज्ञानवर्धक यात्रा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ इस तरह के शैक्षणिक भ्रमण बच्चों के सर्वांगीण विकास और भारतीय संस्कृति को करीब से समझने में अत्यंत सहायक होते हैं।

रांची, शनिवार
28.11.2026
वर्ष : 11, अंक : 353, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

जेपीएससी की परीक्षाओं को रद्द करने के मामले में उच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी, आदेश सुरक्षित

रांची। जेपीएससी की ओर से आयोजित चार परीक्षाओं को रद्द करने के राज्य सरकार के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई शुक्रवार को संयुक्त रूप से झारखंड उच्च न्यायालय में हुई। इस मामले में उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। जिन चार नियुक्ति परीक्षाओं को रद्द करने के मामले में आज सुनवाई हुई, उनमें 14वीं जेपीएससी, एपीओ, एफआरओ और एसीएफ की परीक्षा शामिल है। राज्य सरकार ने 18 अगस्त को अधिसूचना जारी कर इन परीक्षाओं को रद्द कर दिया था। एफआरओ और एसीएफ परीक्षा नियुक्ति रद्द करने मामले में प्रार्थियों की ओर से अदालत को बताया गया कि उनकी लिखित परीक्षा हो चुकी है, फिजिकल परीक्षा आयोजित की जानी थी। परीक्षा की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई थी। ऐसे में उनकी परीक्षाओं को रद्द करना अनुचित है।

मुंबई में 12.20 करोड़ की चरस जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल की वरली यूनिट ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) इलाके से दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 12.200 किलो चरस बरामद की है। जब्त चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 12.20 करोड़ बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, 25 नवंबर को एंटी नारकोटिक्स सेल की वरली यूनिट की टीम एलटीटी परिसर में मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री और तस्करी में संलिप्त लोगों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान पुलिस को दो संदिग्ध व्यक्तियों के मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों संदिग्धों को हिरासत में लिया और उनकी तलाशी ली। तलाशी में उनके पास से 12 किलो 200 ग्राम चरस बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ 25 नवंबर को मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में तिलक नगर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट, 1985 की धारा 8(क), 20(ब)(ii)(क) और 29 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) अनिल कुंभारे और अपर पुलिस आयुक्त (अपराध) कृष्णकांत उपाध्याय के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस उपायुक्त पूर्णिमा चौगुले-श्रृंगी की निगरानी में एंटी नारकोटिक्स सेल की वरली यूनिट के प्रभारी पुलिस निरीक्षक संतोष सालुंखे के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक दिगंबर पाटील, पुलिस उपनिरीक्षक मुकुंद जाधव और उनकी टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

दादा सोबरन मांझी के 69वें शहादत दिवस पर लुकैयाटांड़ पहुंचे मुख्यमंत्री - 111 करोड़ की योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

पहले झारखंडियों को मिलेगा उनका हक-अधिकार, फिर दूसरे राज्यों पर होगा विचार : हेमंत सोरेन

बिभा संवाददाता

रामगढ़। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को अपने दादा और झारखंड आंदोलन के प्रेरणास्रोत सोबरन मांझी के 69वें शहादत दिवस पर उनके पैतृक गांव रामगढ़ जिले के नेमरा पहुंचे। यहां लुकैयाटांड़ स्थित ऐतिहासिक शहादत स्थल पर उन्होंने सोबरन मांझी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गांडेय विधायक एवं मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन भी मौजूद थीं।

श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री ने रामगढ़ जिले को करीब 111 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया तथा लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष शोक का समय है, इसलिए इस बार आयोजन बेहद सादगी के साथ किया जा रहा है। अगले वर्ष इसे बड़े पैमाने पर मनाया जाएगा। उन्होंने अपने संबोधन में झारखंड के अधिकार, आदिवासी-मूलवासी अस्मिता और अलग राज्य के लिए हुए संघर्ष को प्रमुखता से उठाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लुकैयाटांड़ की यह ऐतिहासिक धरती ऐसे बलिदान की साक्षी है, जिसकी गूंज ने झारखंड के सामाजिक और राजनीतिक संघर्ष को नई दिशा दी। 69 वर्ष पहले इसी दिन घने जंगलों में सामंती सोच रखने वाले लोगों ने शिक्षक सोबरन मांझी की हत्या कर दी थी। उस समय घटना को दबाने



का प्रयास किया गया, लेकिन धीरे-धीरे उनकी शहादत की गूंज पूरे क्षेत्र में फैल गई। यही चिंगारी आगे चलकर बड़े आंदोलन की प्रेरणा बनी।

उन्होंने कहा कि सोबरन मांझी की शहादत ने आदिवासी-मूलवासी समाज को अन्याय और शोषण के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा दी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने भी इस संघर्ष की अलख लंबे समय तक जीवित रखी। अलग झारखंड राज्य के निर्माण का सफर आसान नहीं था। गिरिडीह, धनबाद, टुंडी, कोल्हान, छोटानागपुर और संथाल परगना सहित राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों ने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया और बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस अलग राज्य की मांग को कभी असंभव बताकर खारिज किया जाता था, उसका निर्माण आदिवासी-मूलवासी और गरीब-गुरबों के संघर्ष से संभव हुआ। आज उसी संघर्ष और शहीदों के परिवारों से निकली नई पीढ़ी राज्य का नेतृत्व कर रही है। भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव के साथ सोबरन मांझी और अन्य आंदोलनकारियों के योगदान को भी नई पीढ़ी को याद रखना चाहिए।

राज्य की विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में 18 से 50 वर्ष तक की 50 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये की सहायता दी जा रही है। सरकार का प्रयास है कि गरीबी से जूझ रहे परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जाए और महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर राज्य के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के राजस्व स्रोतों को बाधित किया जा रहा है। राज्य सरकार अपने संसाधनों से खजाना मजबूत कर जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाना चाहती है, लेकिन इसमें कई चुनौतियां सामने आ रही हैं। इसके बावजूद झारखंड अपने अधिकारों की लड़ाई जारी रखेगा।

उन्होंने कहा, ₹अब वह झारखंड नहीं है, जहां दूसरे राज्यों से लोग आकर यहां के लोगों का शोषण करें। पहले झारखंडियों को उनका पूरा हक और अधिकार मिलेगा, उसके बाद ही दूसरे राज्यों के लोगों के बारे में विचार किया जाएगा।₹

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की आंतरिक परिस्थितियों और यहां के लोगों की समस्याओं को राज्य के लोग बेहतर ढंग से समझते हैं। गांव, देहात, सुदूरवर्ती इलाकों और शहरों में रहने वाले सभी लोगों को राज्य के विकास में अपनी भागीदारी निभानी होगी। उन्होंने नई पीढ़ी से सोबरन मांझी और झारखंड आंदोलन के तमाम शहीदों के संघर्ष को याद रखने तथा आदिवासी-मूलवासी अस्मिता, अधिकार और स्वाभिमान की रक्षा का संकल्प लेने की अपील की।

लोकसभा सीटों में 50% बढ़ोतरी का प्रस्ताव, परिसीमन के बाद 850 होंगी कुल सीटें

एजेंसी

नई दिल्ली। महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में एक-तिहाई आरक्षण देने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा प्रस्ताव रखा है। इसके तहत हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में लोकसभा सीटों के साथ ही विधानसभा की सदस्य संख्या में भी 50 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी। सीटों का नया बंटवारा और निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं वर्ष 2051 तक लागू रहेंगी।



सोमवार को लोकसभा में पेश होगा संविधान संशोधन विधेयक

संविधान (132वां संशोधन) विधेयक, 2026 सोमवार को लोकसभा में पेश किया जाना प्रस्तावित है। विधेयक में लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 850 करने का प्रावधान किया गया है। इसमें राज्यों से अधिकतम 815 और केंद्र शासित प्रदेशों से 35 सदस्य हो सकेंगे।

इसके अलावा किसी राज्य की विधानसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 500 से बढ़ाकर 650 करने का प्रस्ताव है। इसके तहत परिसीमन प्रक्रिया के जरिए लोकसभा और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में मौजूदा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।

महिलाओं को तत्काल एक-तिहाई आरक्षण देने का लक्ष्य

विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के विवरण में कहा गया है कि इसका मकसद परिसीमन प्रक्रिया के माध्यम से लोकसभा और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण तत्काल प्रभाव से लागू करना है। इसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाएं भी शामिल होंगी। प्रस्ताव के मुताबिक, सीटों की संख्या बढ़ाने के बाद नए परिसीमन के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था लागू की जाएगी। सीटों का नया बंटवारा और निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं 2051 तक प्रभावी रहेंगी।

झारखंड में ठंड का प्रकोप बढ़ा, 72 घंटे में न्यूनतम तापमान 5 से 6 डिग्री तक गिरा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले 72 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में पांच से छह डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। तापमान में लगातार गिरावट से राज्यभर में कनकनी और ठिठुरन बढ़ गई है। सुबह और शाम के समय ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है।

मंगलवार को रांची का न्यूनतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस था, जो शुक्रवार को घटकर 9.8 डिग्री पर पहुंच गया। इसी तरह जमशेदपुर में न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री से गिरकर 15.1 डिग्री, डाल्टनगंज में 18.3 डिग्री से घटकर 11.6 डिग्री और बोकारो में 17.2 डिग्री से गिरकर 12.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चाईबासा में भी न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री से घटकर 12.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

हालांकि, मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना से इनकार किया है। विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में रांची और आसपास के इलाकों में सुबह के समय हल्का कुहासा छा सकता है। इसके बाद आसमान साफ रहने की संभावना है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान पूर्वी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर में 29.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान लातेहार में 7.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शुक्रवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह हल्का कुहासा छाया रहा। हालांकि, बाद में मौसम साफ हो गया, लेकिन दिनभर ठंड का असर बना रहा।

हिंद महासागर में शांति, सुरक्षा व विकास सुनिश्चित करना सामूहिक जिम्मेदारी : जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता, सुरक्षा और विकास सुनिश्चित करना सभी सदस्य देशों की सामूहिक जिम्मेदारी है। बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) को अपनी सामूहिक आवाज मजबूत करने और एक समावेशी क्षेत्रीय मंच के रूप में अपनी भूमिका को और प्रभावी बनाने की जरूरत है।

जयशंकर ने यहां आईओआरए की 25वीं मंत्रिपरिषद बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि हिंद महासागर वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, संपर्क और आर्थिक समृद्धि के लिहाज से केंद्रीय महत्व रखता है। यह क्षेत्र अपार विविधता, अवसरों और साझा चुनौतियों से भरा है। ऐसे में सभी देशों की जिम्मेदारी है कि इसे शांतिपूर्ण, स्थिर और सुरक्षित बनाए रखने के साथ विकास के अनुकूल बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि आईओआरए के प्रति भारत का दृष्टिकोण और संगठन की अध्यक्षता विजन महासागर (महासागर) से निर्देशित है। इसका आशय विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र प्रगति सुनिश्चित करना है। यह भारत के पहले के सागर यानी क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत की अध्यक्षता का विषय हिंद महासागर क्षेत्र में ह्यनवाचार, खुलापन, लचीलापन और अनुकूलन क्षमताह्ल है। ये सिद्धांत इस विश्वास को दर्शाते हैं कि आईओआरए को बदलते क्षेत्रीय और वैश्विक वातावरण के प्रति संवेदनशील और अनुकूल बने रहना चाहिए तथा अपने सदस्य देशों को ठोस लाभ पहुंचाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत अपनी अध्यक्षता के दौरान आईओआरए के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों और उनसे जुड़े अन्य मुद्दों पर सहयोग मजबूत करने, संवाद साझेदारों के साथ भागीदारी गहरी करने, व्यावहारिक क्षेत्रीय पहलों को बढ़ावा देने तथा संगठन की वित्तीय एवं संस्थागत क्षमता मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है।

जयशंकर ने कहा कि क्षेत्र में आईओआरए की व्यापक भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए उसकी संस्थागत नींव मजबूत करना आवश्यक है। इस संदर्भ में बैठक का विषय मजबूत क्षेत्रीय आवाज : बदलती वैश्विक व्यवस्था में आईओआरए की स्थिति विशेष रूप से प्रासंगिक है।

बिहार के बालू घोटाले में झारखंड तक पहुंची जांच, चतरा में तीन ठिकानों पर ईओयू की छापेमारी

बिभा संवाददाता

चतरा। बिहार में हुए चर्चित बालू घोटाले की जांच का दायरा झारखंड तक पहुंच गया है। बिहार की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम ने शुक्रवार को झारखंड के चतरा जिले में तीन लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दायरे में अरुण सिंह, प्रेम सिंह और ठेकेदार शक्ति सिंह शामिल हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बिहार ईओयू की टीम बालू घोटाले की जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर चतरा पहुंची। टीम सिंह बंधुओं से जुड़े ठिकानों पर तलाशी अभियान चला रही है। गोसाईडीह में प्रेम सिंह के ठिकाने के अलावा नागर में अरुण सिंह और शक्ति सिंह के कार्यालयों एवं आवासों पर छापेमारी जारी है। अरुण सिंह, प्रेम सिंह और शक्ति सिंह आपस में करीबी रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। जांच एजेंसी इन ठिकानों से बालू कारोबार और कथित घोटाले से संबंधित दस्तावेज एवं अन्य साक्ष्य जुटा रही है।

उल्लेखनीय है कि बिहार में बालू के अवैध कारोबार और उससे जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं के मामले की जांच आर्थिक अपराध इकाई कर रही है। जांच के दौरान झारखंड के कुछ लोगों की कथित संलिप्तता से जुड़े तथ्य सामने आने के बाद बिहार ईओयू ने चतरा में यह कार्रवाई की है।

इस मामले में बिहार ईओयू की ओर से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है। ईडी इस मामले में वित्तीय लेन-देन और कथित अवैध कमाई से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है।

इससे पहले बिहार ईडी ने बालू घोटाले से जुड़े मामले में पिछले वर्ष झारखंड के धनबाद जिले में भी कुछ ठिकानों पर छापेमारी की थी। चतरा में बिहार ईओयू की ताजा कार्रवाई को इसी जांच की अगली कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

बाल विवाह रोकना सिर्फ कानून का पालन नहीं, समाज की जिम्मेदारी : अन्नपूर्णा देवी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि बाल विवाह रोकना केवल कानून का पालन करना नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने दिल्ली सरकार की उस पहल की तारीफ की, जिसमें बाल विवाह करने वाले परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं देने की बात कही गई है। उन्होंने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से भी इस पहल को लागू करने की अपील की। इससे वर्ष 2030 तक बाल विवाह खत्म करने के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी।

शुक्रवार को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के दो साल पूरे होने पर



आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मौजूद रहे।

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि सभी लोगों ने शपथ ली है कि वे अपने घर, पड़ोस और देश के किसी भी हिस्से में बाल विवाह नहीं होने देंगे। अगर कहीं बाल विवाह की जानकारी मिलती है तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के सपने को पूरा करने में महिलाओं की बड़ी भूमिका है। आज बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और देश के विकास में योगदान दे रही हैं। महिलाओं को मौका मिलने पर वे अपनी प्रतिभा साबित कर रही हैं।

मंत्री ने कहा कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अब एक जन आंदोलन बन चुका है। दो साल पहले शुरू हुए इस अभियान में देशभर के लोग जुड़ रहे हैं। अब तक सभी राज्यों में 72 हजार से ज्यादा बाल विवाह निषेध अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इस काम में सामाजिक संस्थाएं, पंचायत प्रतिनिधि और शिक्षक भी सहयोग कर रहे हैं।

उन्होंने असम और उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि इन राज्यों में बाल विवाह रोकने के लिए अच्छे प्रयास किए जा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई भी हो रही है।

बेटियों की शिक्षा से रुकेगा बाल विवाह : सावित्री ठाकुर

राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि कम उम्र में शादी होने से बेटियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कम उम्र में गर्भधारण से उनकी सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। इससे उनकी पढ़ाई और आगे बढ़ने के अवसर खत्म हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाल विवाह रोकने का सबसे अच्छा तरीका बेटियों को शिक्षित करना है। पढ़ाई से बेटियां आत्मनिर्भर बनती हैं और अपने जीवन के फैसले खुद ले सकती हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी सोच के साथ वर्ष 2015 में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया था। इससे परिवारों और समाज की सोच में बदलाव आया है।

बाल विवाह करने वाले परिवारों को नहीं मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ : रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी में बाल विवाह करने वाले परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं दिया जाएगा। उन्होंने बाल विवाह रोकने के लिए काम कर रहे अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के मामलों में कमी आई है, लेकिन अभी भी इसे पूरी तरह खत्म करने की जरूरत है। इसके लिए तेजी से काम करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की पहल से महिलाओं के जीवन में कई बदलाव आए हैं। शौचालय निर्माण और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों से महिलाओं को आगे बढ़ने का मौका मिला है।

ट्राई ने दूरसंचार अंत:संयोजन नियमों में किया संशोधन, 1 जनवरी से होंगे लागू

बिभा संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार कंपनियों के बीच नेटवर्क अंत:संयोजन से जुड़े नियमों में संशोधन किया है। नए प्रावधानों के तहत बाजार में पर्याप्त शक्ति रखने वाली कंपनियों के लिए संदर्भ अंत:संयोजन प्रस्ताव (आरआईओ) जमा करने और प्रकाशित करने की समय-सीमा तय की गई है। साथ ही, नेटवर्क रूटिंग व्यवस्था को आधुनिक बनाने और नियमों के उल्लंघन पर वित्तीय निरुत्साहन का प्रावधान किया गया है। संशोधित नियम 1 जनवरी 2027 से लागू होंगे।

ट्राई ने शुक्रवार को ह्यदूरसंचार अंत:संयोजन (संदर्भ अंत:संयोजन प्रस्ताव) (संशोधन) विनियम, 2026ह्ल जारी किए। इनका उद्देश्य मौजूदा लाइसेंस और प्राधिकरण व्यवस्था के अनुरूप अंत:संयोजन ढांचे को आधुनिक बनाना तथा सेवा प्रदाताओं के बीच पारदर्शिता, गैर-भेदभाव और प्रभावी नेटवर्क संपर्क सुनिश्चित करना है।

नए नियमों के अनुसार, किसी लाइसेंस प्राप्त या प्राधिकृत दूरसंचार सेवा क्षेत्र में यदि किसी सेवा प्रदाता की निर्धारित मानदंडों में हिस्सेदारी 30 प्रतिशत या उससे अधिक है तो उसे बाजार में पर्याप्त शक्ति (एसएमपी) वाला माना जाएगा। इसके लिए समायोजित सकल राजस्व, उपभोक्ता आधार, नेटवर्क की ध्वनि कॉल प्रबंधन क्षमता और ट्रैफिक का परिमाण आधार होंगे। ट्राई प्रत्येक सेवा क्षेत्र में इन मानदंडों के आधार पर एसएमपी की स्थिति का निर्धारण करेगा।

अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह विरोधी दिवस पर बोकारो को बाल विवाह मुक्त बनाने का लिया गया संकल्प

बिभा संवाददाता

बोकारो : भारत को वर्ष 2030 तक बाल विवाह मुक्त बनाने के संकल्प के साथ देशभर में चल रही मुहिम बाल, कम उम्र और जबरन विवाह के उन्मूलन को लेकर बोकारो सभागार, न्याय सदन सहित जिले भर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।



बोकारो समाहरणालय स्थित सभागार में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ जाने बाल विवाह मुक्त भारत के संकल्प को दोहराया तथा बोकारो जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सभी स्टेकहोल्डर को एक साथ आने की बात कही।

न्याय सदन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के सचिव अनुज कुमार के साथ वरिष्ठ अधिवक्ता, न्यायिक पदाधिकारी और समाज के प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए। अपने संबोधन में सचिव अनुज कुमार ने बाल विवाह को गंभीर कानूनी व सामाजिक अपराध बताते हुए कहा कि न्यायपालिका, प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयासों से ही इसे जड़ से मिटाया जा सकता है। उन्होंने अधिवक्ताओं और आम नागरिकों से अपील की कि बाल विवाह की किसी भी सूचना पर तत्काल प्रशासन व विधिक सेवा तंत्र को अवगत कराएं ताकि पीड़ित बच्चों को समय पर संरक्षण मिल सके। समारोह में बाल विवाह से बचाई गई लड़कियों, इसे रुकवाने में अहम भूमिका निभाने वाली महिलाओं, महिला शामिल होकर अपनी जानकारी साझा की। कार्यक्रम में महिलाओं, बच्चों और युवाओं के साथ-साथ विवाह समारोहों से जुड़े सभी हितधारको ने शपथ ली कि वे किसी भी बाल विवाह में भागीदार नहीं बनेंगे और सूचना मिलते ही अधिकारियों को सूचित करेंगे। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने कहा कि सहयोगिनी बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए काम करने वाले देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी संगठन है।

बाल विवाह केवल कानून के भरोसे समाप्त नहीं हो सकता, इसके लिए पुरोहित से लेकर हलवाई, बैंड-बाजा संचालक और प्रिंटिंग प्रेस तक हर किसी को जिम्मेदारी लेनी होगी। जब पूरा समाज एक साथ खड़ा होगा, तभी हमारी बेटियों को उनका बचपन, शिक्षा और भविष्य चुनने का अधिकार मिलेगा तथा विकसित भारत का सपना साकार होगा।

बताया गया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 27 नवंबर को इस अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में घोषित करना जेआरसी और संस्थापक भुवन ऋभु के वर्षों के प्रयासों की बड़ी वैश्विक उपलब्धि है। यह प्रमाण है कि भारत में जमीनी स्तर से शुरू हुआ सामाजिक बदलाव आज पूरी दुनिया का आंदोलन बन गया है। उल्लेखनीय है कि जेआरसी के 300 से अधिक सहयोगी संगठन देश के 782 जिलों में कार्यरत हैं और पिछले तीन वर्षों में साढ़े छह से अधिक बाल विवाह रुकवाए जा चुके हैं। बोकारो में भी ह्यसहयोगिनीह्व प्रशासन और डालसा के सहयोग से इस अभियान को निरंतर गति दे रहा है।

आज अंतर्राष्ट्रीय बाल विवाह निषेध दिवस के अवसर पर बोकारो जिला के विभिन्न पंचायत में कैंडल मार्च ,बैठक ,गोष्ठी का भी आयोजन किया गया है । आज के कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता प्रीति, पूनम कुमारी ,भावना सुमन, निर्मला राज, कुमारी किरण, रवि कुमार राय, प्रकाश महतो, मंजू देवी, बिनीता देवी, रेखा देवी, पायल कुमारी, सोनी कुमारी, अंजली कुमारी, संगीता देवी , अजीत कुमार, अनिल कुमार, विकाश कुमार आदि उपस्थित थी।

रोटरी क्लब चास के कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर की तैयारियां अंतिम चरण में, जरूरतमंदों में उत्साह



बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। रोटरी क्लब चास की ओर से आयोजित होने वाले निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शिविर को सफल बनाने को लेकर क्लब की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई।

चास स्थित मारवाड़ी पंचायत धर्मशाला में आयोजित होने वाले इस शिविर को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। अब तक कई जरूरतमंद दिव्यांगजनों ने शिविर के लिए अपना पंजीयन कराया है। शिविर में दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण की सुविधा पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

रोटरी क्लब चास ने आम लोगों से अपील की है कि वे अपने आसपास रहने वाले जरूरतमंद दिव्यांगजनों तक शिविर की जानकारी पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। क्लब का उद्देश्य कृत्रिम अंगों के माध्यम से जरूरतमंदों को आत्मनिर्भर बनाना और उनके जीवन में नई उम्मीद जगाना है।

क्लब की ओर से कहा गया कि सेवा के इस प्रयास से दिव्यांगजनों को बेहतर जीवन जीने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। रोटरी क्लब चास ने सेवा ही हमारा संकल्प के संदेश के साथ लोगों से इस अभियान में सहयोग की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

बीएसएल में तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



बोकारो(बिभा): बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के सभागार में 60 दिवसीय तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के तहत जागरूकता कार्यक्रम हुआ। मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ने तंबाकू से होने वाली गंभीर बीमारियों की जानकारी दी और सभी को तंबाकू से दूर रहने की शपथ दिलाई गई, जबकि मुख्य महाप्रबंधक (टेक्निकल सेल) ने स्वस्थ जीवनशैली पर जोर दिया। विशेषज्ञों ने फेफड़ों और मुख के गंभीर रोगों के प्रति आगाह किया तथा स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने जागरूकता नाटक प्रस्तुत किया। साथ ही बताया गया कि तंबाकू छोड़ने के इच्छुक लोगों के लिए बोकारो जनरल अस्पताल के कक्ष संख्या-9 में निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी और परामर्श की सुविधा उपलब्ध है।

राष्ट्रीय मानव पार्टी ने जहान साह को बनाया बोकारो जिला अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष



बोकारो(बिभा)। राष्ट्रीय मानव पार्टी की ओर से गुरुवार को बोकारो जिला संगठन का विस्तार करते हुए जहान साह को जिला अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमित कुमार व झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष सत्येन्द्र नारायण सिंह और झारखण्ड उपाध्यक्ष दीपक कुमार और बोकारो जिला अध्यक्ष उत्तम कुमार की उपस्थिति में उन्हें संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी की ओर से जारी मनोनयन पत्र में जहान साह के सामाजिक, राजनीतिक और जनसेवा के क्षेत्र में योगदान तथा संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण को देखते हुए यह जिम्मेदारी देने की बात कही गई है। उनसे जिले में पार्टी संगठन को मजबूत करने, सदस्यता अभियान चलाने, पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा का प्रचार-प्रसार करने तथा समाज के सभी वर्गों को संगठन से जोड़ने की अपेक्षा जताई गई। इस दौरान उपस्थित लोगों के बीच पार्टी के गमछे का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने पर जोर दिया गया। मौके पर जहान साह, उमलतम महतो, अब्दुल रहीम, दाऊद साह, लालू सिंह, परवेज आलम, तौफिक आलम, उमर गोप, तोसीफ आलम, शहिना, जमील अख्तर, मुमताज शाह, मुरशीद शाह, एहसान, क्रिस शाह, आमिर, फैय्याज अहमद, दीपक सिंह, अनुज कुमार, राहुल कुमार, प्रेम मुर्मू, राजू अंसारी, आदिल खान, सुमित कुमार, मनीष कुमार, प्रभात कुमार एवं मुकेश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

आधी रात ड्यूटी चेक करने सड़कों पर उतरे डीएसपी



बोकारो(बिभा)। शहर में चोरी, गृहभेदन और संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने रात्रि गश्ती व्यवस्था की निगरानी तेज कर दी है। इसी क्रम में 26 और 27 नवंबर की मध्य रात्रि नगर पुलिस उपाधीक्षक ने पांच थाना क्षेत्रों में रातभर चल रही पुलिस गश्ती का औचक निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर डीएसपी ने बीएस सिटी, सेक्टर-4, सेक्टर-12, सेक्टर-6 और हरला थाना क्षेत्रों में रात्रि गश्ती, रात्रि ओडी ड्यूटी तथा रक्षक राइडर की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारियों और जवानों की तत्परता एवं सतर्कता की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को रात के समय संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन जांच करने का निर्देश दिया गया। संवेदनशील और सुनसान इलाकों में नियमित गश्ती बढ़ाने तथा चोरी, घरों में सेंधमारी और अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया। नगर डीएसपी ने सभी पदाधिकारियों एवं जवानों को अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया। पुलिस की इस औचक जांच का उद्देश्य रात्रि गश्ती को अधिक प्रभावी बनाना और शहर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करना है।

बैदकारो मंत्री मोड़ के पास बड़ा हादसा टला, हाईवा की टक्कर के बाद स्कूल बस में मचा हड़कंप

बिभा संवाददाता

बोकारो. गांधीनगर थाना क्षेत्र के बैदकारो मंत्री मोड़ के समीप हीरक रोड पर शुक्रवार को कोयला लदे हाईवा ने एक स्कूल बस को पीछे से टक्कर मार दी. हादसे में बस का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि बस में सवार बच्चे बाल-बाल बच गये. घटना के बाद हाईवा चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया.

मिली जानकारी के अनुसार, कोयला लदा हाईवा फुसरो की ओर जा रहा था. इसी दौरान उसके आगे एक स्कूल बस चल रही थी. बस बैदकारो-



चलकरी कॉलोनी की ओर मुड़ने वाली थी, तभी पीछे से आ रहे हाईवा ने उसे जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर के बाद हाईवा चालक ने आगे निकलने का प्रयास किया. इस दौरान वाहन बस के अगले हिस्से से भी रगड़ खा गया. अचानक हुई घटना से बस में सवार बच्चे घबरा गये और शोर मचाने लगे. बच्चों की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना गांधीनगर थाना पुलिस को दी. सूचना मिलते ही एएसआई राजेश छतरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने हाईवा को कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया. वहीं, चालक मौके से फरार हो गया.

हीरक रोड पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं से स्थानीय लोगों में चिंता और नाराजगी है. करीब दस दिन पहले भी हाईवा की टक्कर से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गयी थी, जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गयी थी. स्थानीय लोगों का आरोप है कि कोयला लदे हाईवा तेज रफ्तार और लापरवाही से चलते हैं. इससे इस मार्ग पर हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है. लोगों ने परिवहन एवं यातायात विभाग से हाईवा चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस और वाहनों के आवश्यक कागजात की जांच कराने, ओवरलोडिंग पर रोक लगाने तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने की मांग की है. लोगों का कहना है कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाये गये, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है.

कर्माटांड़ पुल के पास सड़क हादसे में साइकिल सवार परमेश्वर बेसरा की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

बिभा संवाददाता

गोमिया (बोकारो) : बोकारो जिला के आईईएल थाना अंतर्गत कमार्टांड़ पुल के समीप शुक्रवार की शाम करीब 4:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार परमेश्वर बेसरा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, एक बाइक सवार अपनी नई बाइक की पूजा करके लौट रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक और साइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि बाइक सवार नशे की हालत में था।

मृतक की पहचान थाना बस्ती निवासी परमेश्वर बेसरा उर्फ परमेश्वर मांझी के रूप में की गई है। वे पेशे से पेंटर थे और घर-घर जाकर पेंटिंग का काम किया करते थे। घटना के समय वे अपने काम से साइकिल पर घर वापस लौट रहे थे। इस संबंध में पंचायत के मुखिया बंटी उरांव ने कहा कि मृतक व्यक्ति उनके पंचायत का है। मृतक के दो बेटी एवं एक बेटा है। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने विष्णुगढ़-गोमिया मुख्य पथ को जाम कर दिया। हादसे के कारण कमार्टांड़ मुख्य मार्ग पर कुछ समय तक आवागमन प्रभावित रहा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना प्रभारी श्यामल मंडल, गोमिया सीओ आफताब आलम एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव महतो घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिजनों को ढांढस बंधाया और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया।

हादसे के बाद मृतक की पत्नी, बच्चों एवं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना से पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

एससी एसटी अधिकारीयो का प्रमोशन में भेद भाव बंद हो : राष्ट्रीय आयोग



बिभा संवाददाता

बोकारो । शुक्रवार को सेल एससी-एसटी इम्प्लाईज फेडरेशन केंद्रीय कमिटी की बैठक केंद्रीय अध्यक्ष गौरांग मंडल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के माननीय अध्यक्ष कीशोर मकवाना एवं माननीय सदस्यगण वेडुपल्ली रामचन्द्रन, लव कुश कुमार, पार्था विश्वास, सचिव विवेक देवांगन, अनुप कुमार उपसचिव के साथ नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग कार्यालय में संपन्न हुआ। बोकारो स्टील प्लांट का प्रतिनिधित्व बोकारो यूनिट अध्यक्ष -सह- केंद्रीय कमिटी सदस्य शम्भु कुमार, ललित उरांव संयुक्त महासचिव और राकेश कुमार कार्यकारी अध्यक्ष ने किया। बैठक में एससी-एसटी वर्ग के अधिकारियों को निम्नतर ग्रेडिंग दिए जाने के कारण पदोन्नति के अवसरों से वंचित होने का गंभीर मुद्दा उठाया गया। साथ ही सेल की सभी यूनिट में सीएसआर गतिविधियों के क्रियान्वयन में एससी-एसटी फेडरेशन को सहभागी बनाने, सेल की सभी यूनिट में विद्यार्थियों एवं प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डॉ. बी.आर. अंबेडकर के नाम पर छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार योजना शुरू करने, सेवानिवृत्त एससी-एसटी कर्मचारियों को लीज एवं लाइसेंस शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान करने एवं आरक्षण संबंधी राष्ट्रपति के निदेशों पर नियमित कार्यशाला पर चर्चा कीया गया। फेडरेशन की बैठक के बाद सेल प्रबंधन के साथ राष्ट्रीय आयोग ने रिव्यू बैठक किया और फेडरेशन द्वारा उठाए गए मुद्दो पर गंभीरता से विचार कर पूरा करने का निर्देश दिया।

बैठक में भद्रावती, सेलम स्टील प्लांट, दुगार्पुर स्टील प्लांट, चासनाला कोलियरी, राउरकेला स्टील प्लांट, भिलाई स्टील प्लांट, बर्नपुर, एलोय स्टील प्लांट, कॉर्पोरेट ऑफिस, सीएमओ सहित सेल के कुल 16 यूनिट के फेडरेशन प्रतिनिधी उपस्थित रहे।

खबर का असर: बालीडीह औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं पर जिडको ने शुरू की पहल

सड़क, नाली और स्ट्रीट लाइट के सुधार का प्रस्ताव स्वीकार, जिडको अधिकारियों ने उद्यमियों के साथ किया स्थल निरीक्षण

बिभा संवाददाता



बोकारो। बालीडीह औद्योगिक क्षेत्र में बड़े उद्योगों द्वारा सरकारी आधारभूत संरचनाओं को क्षति पहुंचाने और जर्जर सड़कों, नालियों व अन्य समस्याओं को लेकर उठाई गई आवाज का असर दिखने लगा है। एससी-एसटी उद्यमी विकास संघ की मांग और बिहान भारत में 19 नवंबर को प्रकाशित खबर को संज्ञान में लेते हुए झारखंड औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (जिडको) ने पहल शुरू कर दी है। इसको लेकर जिडको के अधिकारियों और उद्यमियों के बीच बैठक हुई, जिसमें औद्योगिक क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं के विकास एवं सुदृढ़ीकरण से जुड़े प्रस्तावों पर सहमति बनी।

संघ के अध्यक्ष एसके भारती ने बताया कि बैठक में जिडको के मुख्य अभियंता अमरेंद्र मोहन प्रसाद, कनीय अभियंता अमित कुमार, अखिलेश कुमार एवं प्रवीण कुमार के अलावा संघ के प्रतिनिधि और लघु उद्योग प्रतिनिधि राजीव कुमार सिंह शामिल हुए। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों, नालियों और स्ट्रीट लाइट की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिडको की ओर से पीक्यूसी (ढदउ ट40) सड़क निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, नालियों के पुनर्निर्माण एवं सफाई तथा स्ट्रीट लाइट की मरम्मत से संबंधित प्रस्तावों को स्वीकार करते हुए जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

इसके अलावा धूल और प्रदूषण नियंत्रण के लिए नियमित जल छिड़काव तथा कचरा उठाव की व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को संबंधित विभाग तक पहुंचाने की बात कही गई। कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निविदा की जानकारी और भुगतान से पूर्व अधिकृत औद्योगिक संगठनों से अनुशंसा लेने पर भी सहमति बनी। बैठक के बाद जिडको अधिकारियों और उद्यमियों की टीम ने औद्योगिक क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान कई स्थानों पर अतिक्रमण और आधारभूत संरचनाओं की जर्जर स्थिति सामने आई। अधिकारियों ने नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया।

गौरतलब है कि इससे पहले एससी-एसटी उद्यमी विकास संघ ने बड़े उद्योगों द्वारा सड़कों, नालों, जल पाइपलाइन और विद्युत व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने पर कड़ा ऐतराज जताया था। संघ अध्यक्ष एसके भारती ने संबंधित उद्योगों को


बिहान भारत
औद्योगिक क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने पर बड़े उद्योगों से नाराज संघ, 15 दिनों में मरम्मत की मांग

15 दिनों के भीतर क्षतिग्रस्त संरचनाओं की मरम्मत कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी थी कि ऐसा नहीं होने पर बालिडीह औद्योगिक क्षेत्र में भारी वाहनों का आवागमन बंद करने का निर्णय लिया जाएगा।

संघ ने अब जिडको की पहल का स्वागत करते हुए सरकार और निगम के प्रति आभार जताया है। साथ ही बड़े उद्योगों की जवाबदेही तय करने, भारी वाहनों की पार्किंग पर रोक, सुरक्षा व्यवस्था, नियमित जल छिड़काव और खुदरा दुकानदारों के लिए उचित व्यवस्था सहित सात प्रमुख मांगों को कार्ययोजना में शामिल करने का आग्रह किया है। संघ ने उम्मीद जताई कि इस पहल से छोटे एवं मध्यम उद्यमियों को राहत मिलेगी और बालीडीह औद्योगिक क्षेत्र की आधारभूत सुविधाएं बेहतर होंगी।

गुरुद्वारा साहिब पहुंचे जीजीपीएस चास के विद्यार्थी, सीखी प्रेम, सेवा और समानता की सीख

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान सिख धर्म के दस गुरुओं और गुरु ग्रंथ साहिब की शिक्षाओं से हुए परिचित

बिभा संवाददाता



बोकारो। विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल (जीजीपीएस), चास की ओर से शुक्रवार को कक्षा तीन और चार के विद्यार्थियों के लिए सेक्टर-2 स्थित गुरुद्वारा साहिब का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। शिक्षक-शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में विद्यालय की बस से पहुंचे विद्यार्थियों ने गुरुद्वारा साहिब के शांत एवं आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया और श्रद्धापूर्वक गुरुवाणी का श्रवण किया।

इस दौरान गुरुद्वारा साहिब के बाबा जी ने बच्चों को सिख धर्म के दस गुरुओं के जीवन, आदर्शों और उनकी शिक्षाओं की जानकारी दी। साथ ही श्री गुरु ग्रंथ साहिब के महत्व से परिचित कराते हुए सत्य, प्रेम, समानता, विनम्रता, सेवा और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि गुरुद्वारा केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे और समानता का प्रतीक है, जहां सभी धर्मों और समुदायों के लोगों का बिना किसी भेदभाव के स्वागत किया जाता है। बच्चों को स्वर्ण मंदिर, अमृतसर के धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

विद्यालय की प्राचार्या सुमन नांगिया ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास करना भी है। ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, सहिष्णुता और सभी धर्मों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं।

विद्यालय के अध्यक्ष तरसेम सिंह ने कहा कि विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के भ्रमण से बच्चों में सामाजिक एकता और सर्वधर्म सद्भाव की भावना मजबूत होती है। वहीं सचिव एसपी सिंह ने कहा कि कक्षा से बाहर मिलने वाले व्यावहारिक अनुभव बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करते हैं।

प्राथमिक विभाग की प्रभारी किरण मैम ने भ्रमण को बच्चों के लिए सार्थक अनुभव बताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को प्रेम, सेवा, समानता और विनम्रता जैसे जीवन-मूल्यों को समझने का अवसर मिला। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने अनुशासन और उत्साह का परिचय दिया। इस यात्रा के माध्यम से बच्चों ने यह संदेश ग्रहण किया कि सभी धर्मों की मूल भावना प्रेम, शांति, सेवा और मानवता है।

अवैध बालू परिवहन करते एक ट्रैक्टर जब्त, दुग्दा थाना को सौंपा

बोकारो। उपायुक्त बोकारो के निर्देश पर अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दुग्दा थाना क्षेत्र में छापेमारी कर बालू लदा एक ट्रैक्टर जब्त किया गया। कार्रवाई सिद्धू-कान्हू चौक से टी-मोड़ जाने वाली हीरक रोड पर की गई, जहां ट्रैक्टर से अवैध रूप से बालू का परिवहन किया जा रहा था। छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने ट्रैक्टर को पकड़कर विधिवत जब्त कर लिया और आगे की कार्रवाई के लिए दुग्दा थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया। अभियान में खान निरीक्षक अजय कुमार महतो, खान निरीक्षक सीताराम टुडू सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे। जिला प्रशासन की ओर से अवैध खनन एवं खनिजों के परिवहन के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

झारखंड स्थापना दिवस समारोह की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीसी ने दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य स्थापना दिवस-2026 और वर्तमान सरकार की द्वितीय वर्षगांठ पर खेलगांव में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं पर जिला प्रशासन की टीम ने शुक्रवार को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

कार्यक्रम स्थल पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों के साथ प्रेस वार्ता कर आयोजन के सुरक्षा, यातायात, पार्किंग और आम लोगों की सुविधाओं को लेकर कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

इस अवसर पर जिला दंडाधिकारी



सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने अधिकारियों को निर्धारित जिम्मेदारियों का गंभीरता से पालन करने और आपसी समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि इतने बड़े राजकीय समारोह का सफल आयोजन सभी पदाधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर मोबाइल टॉयलेट, स्पष्ट साइनेज, भोजन सहित अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने और फ्लेकार्ड के माध्यम से आवश्यक सूचनाएं प्रदर्शित करने का निर्देश दिया।

एसएसपी ने पुलिसकर्मियों को निर्धारित समय पर ड्यूटी स्थल पर पहुंचने और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने को कहा। उन्होंने पार्किंग स्थलों पर वाहनों का व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने एवं प्रवेश द्वारों पर सघन जांच के निर्देश दिया। प्रतिबंधित और आपत्तिजनक वस्तुओं को समारोह स्थल में ले जाने पर रोक रहेगी।

अधिकारियों ने अतिथियों और आम नागरिकों के साथ शालीन एवं सहयोगात्मक व्यवहार करने पर भी जोर दिया। एडीएम (विधि-व्यवस्था) धनंजय ने संयुक्तादेश के तहत प्रतिनियुक्त अधिकारियों के दायित्वों की जानकारी दी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से सुरक्षा निदेशों का पालन कर समारोह को शांतिपूर्ण बनाने में सहयोग की अपील की। प्रेसवार्ता में नगर एवं ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

राजस्व वसूली में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई : मेयर

बिभा संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम ने आंतरिक राजस्व संग्रहण बढ़ाने और बकाया वसूली में तेजी लाने की बात पर मेयर रोशनी खलखो की अध्यक्षता में शुक्रवार को निगम परिषद की आपात बैठक हुई।

बैठक में होल्डिंग टैक्स, ट्रेड लाइसेंस, विज्ञापन शुल्क, दुकान एवं बाजार किराया, जल कर, पार्किंग शुल्क और यूजर चार्ज समेत निगम के सभी राजस्व स्रोतों की समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न शाखाओं के आय-व्यय का मदवार आकलन करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष के राजस्व संग्रहण की तुलना पिछले वित्तीय वर्षों से की गई।

निर्धारित लक्ष्य और वास्तविक वसूली के बीच अंतर और राजस्व संग्रहण में पिछड़ने के कारणों पर भी चर्चा हुई।

इस अवसर पर महापौर ने कहा कि नगर निगम को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए आंतरिक राजस्व में वृद्धि जरूरी है।

इसके लिए सभी संबंधित शाखाएं ठोस और समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करें।

उन्होंने चेतावनी दी कि बार-बार नोटिस देने के बावजूद बकाया राशि जमा नहीं करने वाले बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महापौर ने स्पष्ट तौर पर कहा कि राजस्व वसूली में किसी भी तरह की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। जिम्मेदारी निभाने में विफल अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में उप महापौर नीरज कुमार, वार्ड पार्षदों, नगर आयुक्त, उप नगर आयुक्त और विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री से पत्रकार व लेखक ने की मुलाकात, दो पुस्तकें की भेंट



रांची(बिभा)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पत्रकार व लेखक डॉ. सोमनाथ आर्य और प्रकाशक संस्था और एक प्रयास की अध्यक्ष लक्ष्मी कुमारी ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री को उनके राजनीतिक जीवन पर लिखी दो पुस्तकें भेंट की। इन पुस्तकों में एक हिन्दी और दूसरी अंग्रेजी भाषा में लिखी गई है। हिंदी पुस्तक हूल से हेमंत तक – आदिवासी अस्मिता, सत्ता और संघर्ष की अनकही दास्तान और अंग्रेजी पुस्तक द इनविजिबल कोप हेमंत सोरेन झारखंड एंड द पॉलिटिक्स ऑफ पावर शामिल है। इसका प्रकाशन और एक प्रयास की ओर से किया गया है।

21वीं झारखण्ड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट-2026 का आगाज, डीजीपी तदाशा मिश्रा ने किया उद्घाटन



रांची(बिभा) : झारखण्ड पुलिस की कार्यक्षमता को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और अपराध अनुसंधान को अधिक सटीक एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार, 27 नवंबर से 21वीं झारखण्ड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट-2026 का शुभारंभ हुआ। चार दिवसीय इस आयोजन का उद्घाटन डोरंडा स्थित जैप-1 के परेड ग्राउंड में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन झारखण्ड की डीजीपी तदाशा मिश्रा ने किया। इस मौके पर एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी, एसपी समेत पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। यह पुलिस ड्यूटी मीट 27 से 30 नवंबर तक चलेगी। इस आयोजन के माध्यम से पुलिसकर्मियों की तकनीकी दक्षता, अपराध अनुसंधान की क्षमता और आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से जांच करने के कौशल को परखा और निखारा जाएगा। इसमें पुलिस की पेशेवर दक्षता और अनुसंधान क्षमता को बेहतर बनाने पर विशेष जोर रहेगा।

खेलगांव में राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित तीन दिवसीय समारोह के दूसरे दिन सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों ने बांधा समां



बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य स्थापना दिवस एवं वर्तमान सरकार की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर रांची के खेलगांव में आयोजित तीन दिवसीय समारोह के दूसरे दिन 27 नवंबर को सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जाने-माने कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। संगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजी इस संध्या ने दर्शकों को झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया।

सांस्कृतिक संध्या का विशेष आकर्षण सुनिधि लाइव की प्रस्तुति रही। वहीं, इंडियन आइडल फेम शगुन पाठक ने अपनी सुरीली आवाज और शानदार गायन से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शक झूमते नजर आए।

कार्यक्रम में देवप्रिय ठाकुर (रांची) ने सितार वादन की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं, पारोमिता चौधरी एवं गृहिणी समूह के अद्वितीय बैंड





ने समूह गायन के माध्यम से संगीत की खूबसूरत छटा बिखेरी।

झारखंड की लोक संस्कृति को समर्पित प्रस्तुतियों में किशोर नायक के कुंजबन समूह द्वारा नागपुरी नृत्य एवं गायन की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। विनोद महतो एवं उनके दल ने पारंपरिक घोड़ा नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं, अशोक कश्यप द्वारा प्रस्तुत पैका नृत्य ने झारखंड की पारंपरिक लोककला, वीरता और सांस्कृतिक गौरव की जीवंत झलक प्रस्तुत की।

पूरी सांस्कृतिक संध्या संगीत, कला और लोक परंपराओं के अनूठे संगम के रूप में यादगार रही। कलाकारों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने समारोह को विशेष आकर्षण प्रदान किया।

देवेन्द्रनाथ महतो ने वीर बुली महतो की 241वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

रांची। कोल विद्रोह के अग्रणी नेता और स्वतंत्रता सेनानी वीर बुली महतो की 241वीं जयंती शुक्रवार को सोनाहातू प्रखंड स्थित बुली महतो चौक पर मनाई गई।

इस अवसर पर सिल्ली विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो ने वीर बुली महतो के वंशज परिवार के सदस्यों के साथ उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि झारखंड वीरों और शहीदों की धरती है, लेकिन वीर बुली महतो के गौरवशाली इतिहास को सरकार ने अपेक्षित सम्मान और पहचान नहीं दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। लोगों ने उनके अदम्य साहस, संघर्ष और ऐतिहासिक



योगदान को याद किया।

उन्होंने बताया कि एक दिसंबर को सोनाहातू की ऐतिहासिक धरती पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की उपस्थिति में राष्ट्रीय एकता दिवस महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस दौरान सोनाहातू मैदान से आयोजन स्थल तक भव्य झांकी निकाली जाएगी।

आयोजन में डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो, झारखंड के शहीद आंदोलनकारियों के वंशज, विभिन्न जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद शामिल होंगे।

सीसीएल और आईआईएम रांची के बीच ऐतिहासिक एमओयू, 240 अधिकारियों को मिलेगा नेतृत्व विकास का प्रशिक्षण



बिभा संवाददाता

रांची: सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने शुक्रवार को अपने अधिकारियों को व्यवस्थित प्रबंधकीय एवं नेतृत्व विकास प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। किसी प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान के साथ संस्थागत साझेदारी के माध्यम से अधिकारियों की क्षमता बढ़ाने की दिशा में यह सीसीएल की पहली पहल है।

इस एमओयू के तहत सीसीएल के विभिन्न विभागों एवं ग्रेड के कुल 240 अधिकारियों को प्रबंधकीय विकास कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। बदलते कोयला बाजार की चुनौतियों को देखते हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों में रणनीतिक सोच, निर्णय लेने की दक्षता, नेतृत्व क्षमता और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की कला विकसित करना है।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, महाप्रबंधक (एचआरडी) एम.एफ. हक, महाप्रबंधक (विधि) जोबी वी.पी., कविता गुप्ता, महाप्रबंधक पल्लब चक्रवर्ती, संजय सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी और आईआईएम रांची की ओर से ईईसी के अमित सचान अपनी टीम के साथ उपस्थित थे। पूरी प्रक्रिया का समन्वय मुख्य प्रबंधक (एचआरडी) विकास कुमार सिंह ने किया।

सीएमपीडीआई में सतर्कता जागरूकता अभियान का समापन, सीएमडी ने सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता पर दिया जोर



बिभा संवाददाता

रांची : सीएमपीडीआई के रांची मुख्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह के साथ तीन महीने तक चले सतर्कता जागरूकता अभियान-2026 का समापन हुआ। यह अभियान 17 अगस्त से 16 नवंबर, 2026 तक ह्यसत्यनिष्ठा से समृद्धिह्न (ढ१ङ्ख३८ ाङ्ख१ ढ१ङ्ख२स्त्री१३८) थीम के तहत चलाया गया, जिसके अंतर्गत 26 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह भी मनाया गया।

कार्यक्रम में सीएमडी चौधरी शिवराज सिंह ने सतर्कता टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था की प्रतिष्ठा और जनविश्वास बनाए रखने के लिए सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक हैं। उन्होंने कर्मचारियों से इन मूल्यों को कार्य व्यवहार में अपनाने की अपील की और बताया कि संस्थान में सतर्कता से जुड़ा कोई मामला लंबित नहीं है तथा कोई भी शिकायत एक महीने से अधिक समय से अनसुलझी नहीं है। साथ ही उन्होंने युवाओं में ईमानदारी व नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने में स्कूली बच्चों की भागीदारी की भी प्रशंसा की।

मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार ने भ्रष्टाचार रोकथाम, तकनीक आधारित प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने और कार्यस्थल पर पारदर्शिता मजबूत करने की पहलों की जानकारी दी। समारोह में निदेशक (तकनीकी/प्लानिंग एंड डिजाइन) अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/इंजीनियरिंग सर्विसेज) राजीव कुमार सिन्हा, महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

तीन दिवसीय अरण्यक-26 फिल्म महोत्सव आज से

रांची: पर्यावरण, वन, वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता से जुड़े मुद्दों पर जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 28 से 30 नवंबर, 2026 तक तीन दिवसीय ह्यअरण्यक-26ह्न (झारखंड वन फिल्म महोत्सव) का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव डोरंडा स्थित वन परिसर के पलाश ऑडिटोरियम और जैप (खअढ) के शौर्य ऑडिटोरियम में होगा, जिसमें प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) संजीव कुमार ने बताया कि महोत्सव के पहले संस्करण में 700 से अधिक प्रविष्टियों में से लगभग 75 चुनिंदा फिल्मों का प्रदर्शन होगा। फिल्मों को ह्यभारतीय प्रतियोगिताह्न, ह्यभारतीय चयनित फिल्म प्रदर्शनह्न और ह्यअंतरराष्ट्रीय फिल्म प्रदर्शनह्न श्रेणियों में रखा गया है, जिसमें भारत के अलावा पोलैंड, तुर्की, ग्रीस, ताइवान, अजरबैजान, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और ब्रिटेन सहित कई देशों की फिल्में शामिल हैं। साथ ही फिल्मकारों व विषय विशेषज्ञों के साथ संवाद सत्र भी होंगे। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) रवि रंजन, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक राजकुमार बाजपेयी, मुख्य वन संरक्षक एस. आर. नटेश और वन प्रमंडल पदाधिकारी (वन्य प्राणी) अवनीश चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल से 20 ग्रामीणों को मिला वाहन चलाने का प्रशिक्षण

डिजिटल तकनीक के सही उपयोग से ग्रामीण विकास संभव : प्रो. सी. जेगनाथन

बिभा संवाददाता

रांची/टाटीसिलवे। उषा मार्टिन फाउंडेशन की ओर से ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 20 लोगों को चारपहिया वाहन चलाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को रबी मौसम के बीज भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) सी. जेगनाथन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (डक्कछ) के ग्रामीण विकास विभाग के प्रोफेसर प्रो. सुकुमार दास उपस्थित थे। इनके साथ



सिलवाई पंचायत समिति सदस्य अरविंद लोहरा, हरातू पंचायत की मुखिया नूतन पाहन, आसपास के गांवों के किसान एवं प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थी शामिल हुए।

मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) सी. जेगनाथन ने कहा कि आज के समय में लगभग सभी क्षेत्रों में डिजिटल तकनीक का उपयोग बढ़ रहा है। हमें इसका सही एवं सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग से कौशल क्षेत्र में मानव संसाधन की आवश्यकता प्रभावित हो सकती है, लेकिन कृषि क्षेत्र में इसकी संभावनाएं अलग हैं। कृषि में तकनीक का उपयोग किसानों की उत्पादकता एवं कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कृषि में रासायनिक पदार्थों के अत्यधिक उपयोग से बचने और प्राकृतिक तरीकों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा कि ड्राइविंग हो या कोई अन्य कौशल, उसमें दक्षता हासिल करने के लिए निरंतर अभ्यास आवश्यक है। वर्तमान समय में ड्राइविंग के क्षेत्र में भी रोजगार एवं स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं। उन्होंने लाभार्थियों को प्रशिक्षण का उपयोग अपने रोजगार एवं आत्मनिर्भरता के लिए करने की प्रेरणा दी। उनके हाथों लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किया गया।

आज डिजिटल युग में अक एवं तकनीक का सही उपयोग जरूरी है, लेकिन किसी भी कौशल में दक्षता हासिल करने के लिए निरंतर अभ्यास सबसे महत्वपूर्ण है। ड्राइविंग के क्षेत्र में भी रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं ह्न

प्रो. सुकुमार दास ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग महत्वपूर्ण होता जा रहा है। किसानों को अकेले कार्य करने के बजाय समूह में जुड़कर काम करना चाहिए। इसके लिए किसान उत्पादक संगठन का गठन एवं उससे जुड़ना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि सामूहिक रूप से उत्पादन, उत्पादों की बिक्री एवं विपणन करने से किसानों को बेहतर लाभ मिल सकता है। सरकार भी समूह आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करती है। मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए जैविक खाद, विशेषकर वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग बढ़ाना आवश्यक है। उनके हाथों किसानों के बीच रबी मौसम के बीज वितरित किए गए।

हरातू पंचायत की मुखिया नूतन पाहन ने उषा मार्टिन फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को ड्राइविंग प्रशिक्षण और लाइसेंस उपलब्ध कराना रोजगार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस तरह के कार्यक्रम ग्रामीण लोगों को आत्मनिर्भर बनने और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मददगार साबित होंगे।

कुल 20 लोगों को चारपहिया वाहन चलाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उन्हें प्रमाण-पत्र एवं ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किया गया। लाभार्थियों के नाम इस प्रकार हैं– नूतन पाहन, रेशमी पाहन, आकाश कुमार, अभिषेक वर्मा, जॉन तिर्की, आशीष मुंडा, राम तिर्की, पूनम कुमारी, डेमियन बलमुचू, सुरेंद्र कुमार महतो, रंजय टोप्पो, मनोज मुंडा, राहुल महतो, राजकुमार महतो, अजय बलमुचू, अनिल भुटकुमार, संगीता कुमारी, अर्चना सिंह, जितेंद्र शर्मा एवं अनमोल सिकंदर। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं एवं महिलाओं को कौशल विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

महिलाओं को पुरुषों के समान अवसर मिला : डॉ मयंक मुरारी

उषा मार्टिन फाउंडेशन के सचिव डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि आज के दौर में महिलाओं को पुरुषों के समान अवसर एवं सम्मान मिलना चाहिए। कृषि, कौशल विकास, रोजगार एवं अन्य कार्यों में महिलाएं भी पुरुषों के समान सक्षम हैं। यदि उन्हें उचित प्रशिक्षण, संसाधन एवं अवसर उपलब्ध कराए जाएं, तो वे आत्मनिर्भर बनकर परिवार एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि उषा मार्टिन फाउंडेशन ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को कौशल प्रशिक्षण, कृषि एवं विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

पूर्व मध्य रेल
ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता/पीटीआरयू, पूर्व मध्य रेलवे, पतरातू, भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–टेंडर संख्या DLSP_AUX_MOTOR-2 हेतु पात्र एवं अनुभवी एजेंसियों/ठेकेदारों से "ओपन" ई–टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं। विवरण निम्नानुसार है।

कार्य का नाम एवं स्थान : डीएलएस/पीटीआरयू में टीओएच/आईओएच के दौरान विद्युत लोकोमोटिव के सहायक मोटरों का ओवरहॉलिंग कार्य (02) दो वर्षों की अवधि के लिए। कार्य का अनुमानित लागत : ₹1,44,92,245.55, अर्नेस्ट मनी (ईएमडी) : ₹2,89,900/–, बोली जमा करने एवं बोली होने की तिथि एवं समय : From 10.12.2026 upto Bid End Date 24.12.2026 15:00, वेबसाईट का विवरण जहाँ से निविदा दस्तावेज उपलब्ध है: IREPS पोर्टल www.ireps.gov.in बोलीदाता केवल इसी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बोली प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल बोली स्वीकार नहीं की जाएगी तथा यदि कोई मैनुअल बोली प्राप्त होती है तो उसे अनदेखा किया जाएगा। सूचना पट्ट का स्थान जहाँ (नोटिस बोर्ड) निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है : लोको शेड, पतरातू का सूचना पट्ट।

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता / लोको शेड/पूमरे/पतरातू

पीआर/1402/लोको शेड/पीटीआरयू/एलएस/टी/26–27/32

भोजन पैकेट पर चेतावनी : स्वास्थ्य अधिकार की बड़ी जीत



कुमार कृष्णन

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सार्वजनिक स्वास्थ्य को बाजार के व्यावसायिक हितों से ऊपर रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। चेतावनी लेबल किसी उत्पाद पर प्रतिबंध नहीं है और न ही उपभोक्ता की पसंद पर नियंत्रण। यह उसे सही जानकारी देकर स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाने का माध्यम है। अब असली परीक्षा केंद्र सरकार और एफएसएसएआई की है। क्या वे समयबद्ध तरीके से वैज्ञानिक और प्रभावी नियम लागू कर पाएंगे? क्या खाद्य कंपनियों को बिना किसी भेदभाव के उनका पालन करना होगा? क्या बच्चों को स्वस्थ खानपान की व्यावहारिक शिक्षा मिलेगी?



क्या किसी खाद्य पदार्थ का आकर्षक पैकेट उसकी गुणवत्ता और स्वास्थ्य के लिए उपयोगिता की गारंटी हो सकता है? क्या चमकदार विज्ञापनों, लुभावने दावों और स्वाद के पीछे छिपी चीनी, नमक तथा वसा की अधिक मात्रा के बारे में उपभोक्ता को पर्याप्त जानकारी मिलती है? बाजार में उपलब्ध पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की दुनिया में ये सवाल अब पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। भारत में खानपान की बदलती आदतों, तेजी से बढ़ते प्रसंस्कृत खाद्य बाजार और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बीच सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिहाज से महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है।

26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर सामने की ओर स्पष्ट चेतावनी लेबल लगाने की व्यवस्था प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि जिन खाद्य पदार्थों में चीनी, नमक या वसा की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक होगी, उनके पैकेट पर अलग-अलग षट्कोणीय चेतावनी चिह्न लगाने होंगे। प्रत्येक चिह्न में संबंधित पोषक तत्व का चित्र और 'हाई शुगर', 'हाई साल्ट' या 'हाई फैट' लिखा होना चाहिए। यदि किसी उत्पाद में एक से अधिक तत्वों की मात्रा अधिक है, तो प्रत्येक के लिए अलग चेतावनी देनी होगी। एक ही चिह्न में सभी चेतावनियों को समेट देना पर्याप्त नहीं होगा।

इस फैसले का महत्व केवल खाद्य पदार्थों के पैकेट पर कुछ शब्द छापने तक सीमित नहीं है। यह उपभोक्ता के जानने के अधिकार, स्वास्थ्य के अधिकार और खाद्य कंपनियों की जवाबदेही से जुड़ा प्रश्न है। बाजार में खरीदारी करते समय उपभोक्ता को यह जानने का अवसर मिलना चाहिए कि वह जिस खाद्य पदार्थ को खरीद रहा है, उसमें स्वास्थ्य के लिए चिंताजनक तत्व कितनी मात्रा में मौजूद हैं। यह जानकारी किसी कानूनी औपचारिकता के रूप में नहीं, बल्कि आसानी से समझ में आने वाली भाषा और संकेतों में उपलब्ध होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश '3एस एंड अवर हेल्थ सोसायटी' की ओर से दायर जनहित याचिका पर आया है। इस संगठन ने पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर सामने की ओर पोषण संबंधी चेतावनी लगाने की मांग की थी। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने एफएसएसएआई की प्रस्तावित व्यवस्था में कई कमियां रेखांकित की थीं। प्राधिकरण ने पहले सुझाव दिया था कि शुरुआती चरण में उन उत्पादों पर चेतावनी लगाई जाए जिनमें दो या अधिक चिंताजनक पोषक तत्व निर्धारित सीमा से ज्यादा हों। बाद में इस व्यवस्था का विस्तार करके किसी एक तत्व की अधिकता वाले उत्पादों को भी इसमें शामिल किया जाए। अदालत ने इस दो चरणों वाली व्यवस्था पर सवाल उठाया।

अदालत का तर्क था कि यदि किसी उत्पाद में चीनी की मात्रा अपने आप में अधिक है, तो उसे चेतावनी के दायरे में लाने के लिए नमक या वसा की अधिकता की प्रतीक्षा क्यों की जाए? नमक की अधिकता भी स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है और संतृप्त वसा की अधिकता भी। किसी एक तत्व की अधिकता को नजरअंदाज करना उपभोक्ता के हितों के विरुद्ध होगा। इसीलिए अदालत ने एकल चरण वाली व्यवस्था पर जोर दिया, जिसके तहत किसी एक चिंताजनक तत्व की निर्धारित सीमा पार होने पर भी संबंधित चेतावनी लगानी होगी।

फैसले का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि चीनी और वसा की मात्रा तय करने के लिए केवल बाहर से मिलाई गई चीनी या वसा को आधार नहीं बनाया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को निर्देश दिया कि चेतावनी के लिए चीनी के मामले में कुल शर्करा और वसा के मामले में संतृप्त वसा को ध्यान में रखा जाए। नमक भी चिंताजनक पोषक तत्वों में शामिल रहेगा। इसका अर्थ है कि किसी खाद्य पदार्थ में मौजूद कुल शर्करा और संतृप्त वसा की वास्तविक मात्रा के आधार पर वैज्ञानिक मानक तैयार किए जाएं। केवल यह बताना पर्याप्त नहीं होगा कि निर्माण के दौरान कितनी अतिरिक्त चीनी या वसा मिलाई गई है।

अदालत ने एफएसएसएआई को इन पोषक तत्वों की निर्धारित सीमाओं पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया है। सीमाएं इतनी कम नहीं होनी चाहिए कि लगभग हर उत्पाद पर चेतावनी लगने लगे और इतनी अधिक भी नहीं कि वास्तव में जोखिम वाले उत्पाद इसके दायरे से बाहर रह जाएं। यदि हर पैकेट पर चेतावनी होगी तो उपभोक्ता धीरे-धीरे उसके प्रति संवेदनहीन हो सकता है। दूसरी ओर, सीमा बहुत ऊंची रखने से चेतावनी व्यवस्था का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। इसलिए वैज्ञानिक साक्ष्यों और भारतीय आबादी की पोषण संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर संतुलित मानक तय करना जरूरी है।

इस निर्णय के पीछे सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चिंता है। भारत में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और हृदय संबंधी बीमारियां बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं। खानपान में अत्यधिक चीनी, नमक और संतृप्त वसा की मौजूदगी इन समस्याओं का जोखिम बढ़ा सकती है। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों की खाद्य आदतें चिंता का विषय हैं। बाजार में रंगीन पैकेटों में मिलने वाले चिप्स, बिस्कुट, मीठे पेय, चॉकलेट और तैयार नाश्ते बच्चों को आकर्षित करते हैं। विज्ञापन भी उनकी पसंद को प्रभावित करते हैं। कई बार माता-पिता उत्पाद के आकर्षक नाम और पैकेट पर लिखे स्वास्थ्य संबंधी दावों से प्रभावित होकर उन्हें बेहतर विकल्प समझ लेते हैं।

यहीं चेतावनी लेबल की उपयोगिता सामने आती है। पैकेट के पीछे छपी पोषण संबंधी तालिका में ऊर्जा, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, चीनी और वसा की जानकारी होती है, लेकिन सामान्य उपभोक्ता के लिए उसका अर्थ समझना आसान नहीं होता। खरीदारी के समय हर व्यक्ति के पास आंकड़ों का विश्लेषण करने का समय और तकनीकी ज्ञान भी नहीं होता। सामने की ओर स्पष्ट चेतावनी इस कठिनाई को कम कर सकती है। लाल षट्कोणीय चिह्न और उसके साथ संबंधित चित्र तथा शब्द उपभोक्ता को तुरंत सावधान कर सकते हैं। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी होगी जो पोषण संबंधी जानकारी पढ़ने या समझने में कठिनाई महसूस करते हैं।

भारत जैसे भाषाई और सामाजिक विविधता वाले देश में चित्रात्मक चेतावनियों का महत्व और बढ़ जाता है। केवल अंग्रेजी में लिखी जानकारी हर उपभोक्ता तक समान रूप से नहीं पहुंच सकती। चित्र और सरल शब्द मिलकर व्यापक आबादी तक संदेश पहुंचा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्येक चेतावनी चिह्न को अलग रखने और उसे स्पष्ट रूप से पढ़े जा सकने योग्य बनाने पर जोर दिया है। अदालत के निर्देश के अनुसार प्रत्येक षट्कोणीय चिह्न पैकेट के मुख्य प्रदर्शन क्षेत्र का लगभग चार से पांच प्रतिशत स्थान घेरेगा। अक्षरों का आकार भी ऐसा होना चाहिए कि सामान्य परिस्थितियों में खरीदारी के समय चेतावनी आसानी से पढ़ी जा सके।

इस फैसले का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष खाद्य उद्योग की जवाबदेही है। लंबे समय से खाद्य कंपनियां अपने उत्पादों को स्वाद, सुविधा और आकर्षक पैकेजिंग के आधार पर बेचती रही हैं। विज्ञापनों में कई बार उत्पादों को ऊर्जा, सक्रियता और खुशहाली से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन उपभोक्ता को उत्पाद की वास्तविक पोषण स्थिति बताने की जिम्मेदारी भी कंपनियों की है। किसी खाद्य पदार्थ को बाजार में बेचने की अनुमति मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं है कि उसका नियमित और अधिक मात्रा में सेवन स्वास्थ्य के लिए उचित है।

वैश्विक स्तर पर भी इस विषय पर बहस होती रही है। चिली और मेक्सिको जैसे देशों ने अधिक चीनी, नमक और वसा वाले खाद्य पदार्थों की पहचान आसान बनाने के लिए सामने की ओर चेतावनी लेबल की व्यवस्था अपनाई है। भारत में भी इस दिशा में लंबे समय से मांग उठती रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इस संदर्भ में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दोहरे मानदंडों पर भी चिंता जताई। यदि कंपनियां दूसरे देशों में उपभोक्ताओं को स्पष्ट चेतावनी देने वाली व्यवस्था स्वीकार करती हैं, तो भारत में वैसी ही व्यवस्था का विरोध क्यों होना चाहिए? भारतीय उपभोक्ताओं को भी उतनी ही सुरक्षा और जानकारी मिलनी चाहिए जितनी दूसरे देशों के नागरिकों को मिलती है।

हालांकि, केवल चेतावनी चिह्न लगा देना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए एफएसएसएआई को पोषक तत्वों की सीमा, चिह्नों के आकार, रंग, स्थान और अक्षरों की स्पष्टता के संबंध में वैज्ञानिक तथा व्यावहारिक मानक तय करने होंगे। कंपनियों को नियमों का पालन करने के लिए समय देना आवश्यक हो सकता है, लेकिन यह प्रक्रिया अनिश्चितकाल तक नहीं खिंचनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मसौदा नियमों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया के लिए लगभग चार महीने की समयसीमा स्वीकार की है। नियमों की अधिसूचना के बाद खाद्य कारोबार से जुड़ी कंपनियों को अनुपालन के लिए एक वर्ष का संक्रमणकालीन समय देने के प्रस्ताव पर भी विचार हुआ है। अदालत ने मामले को दस सप्ताह बाद फिर सूचीबद्ध करने और प्रगति की जानकारी देने को कहा है।

एक अन्य चिंता यह है कि यदि कंपनियां चीनी, नमक और वसा की मात्रा कम करने के लिए उनके स्थान पर कृत्रिम मिठास, परिरक्षक और अन्य रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक इस्तेमाल करने लगें तो समस्या का नया रूप सामने आ सकता है। इसलिए नियमन केवल तीन पोषक तत्वों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले विकल्पों और अतिरिक्त रासायनिक पदार्थों की सुरक्षा पर भी निगरानी जरूरी है। कंपनियों को केवल चेतावनी से बचने के लिए एक जोखिमपूर्ण तत्व की जगह दूसरा संदिग्ध तत्व इस्तेमाल करने की छूट नहीं मिलनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों में पोषण संबंधी साक्षरता बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया है। स्कूलों के पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव करने के साथ कार्यशालाओं, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से बच्चों को स्वस्थ खानपान की समझ देने की जरूरत बताई गई है। यह पहल दूरगामी महत्व रखती है। बच्चों को केवल यह बताना पर्याप्त नहीं है कि कौन-सा भोजन अच्छा है और कौन-सा खराब। उन्हें यह भी सिखाना होगा कि पैकेट पर लिखी जानकारी कैसे पढ़ें, पोषण संबंधी दावों का अर्थ कैसे समझें और विज्ञापन तथा वास्तविक खाद्य गुणवत्ता में अंतर कैसे पहचानें।

खाद्य सुरक्षा का सवाल केवल शहरी मध्यमवर्ग तक सीमित नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे कस्बों और निम्न आय वाले परिवारों में भी पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की पहुंच बढ़ रही है। कम कीमत और आसानी से उपलब्ध होने के कारण इनका इस्तेमाल बढ़ा है। दूसरी ओर, हर व्यक्ति के पास पौष्टिक भोजन खरीदने की समान आर्थिक क्षमता नहीं है। इसलिए चेतावनी लेबल के साथ सस्ती और पौष्टिक खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आंगनबाड़ी, मध्याह्न भोजन और विद्यालयी पोषण कार्यक्रमों को भी पोषण संबंधी वैज्ञानिक मानकों से जोड़ना होगा।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्वास्थ्य को केवल व्यक्ति की निजी जिम्मेदारी मानकर सरकार और बाजार अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। स्वस्थ भोजन चुनना उपभोक्ता का अधिकार है, लेकिन सही जानकारी उपलब्ध कराना सरकार और खाद्य उद्योग का दायित्व है। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन के अधिकार को व्यापक अर्थ देता है, जिसमें स्वास्थ्य का अधिकार भी शामिल है। वहीं अनुच्छेद 47 राज्य को पोषण स्तर और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुधारने की जिम्मेदारी सौंपता है। इसलिए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनके बारे में सही जानकारी सुनिश्चित करना महज प्रशासनिक काम नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व भी है।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सार्वजनिक स्वास्थ्य को बाजार के व्यावसायिक हितों से ऊपर रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। चेतावनी लेबल किसी उत्पाद पर प्रतिबंध नहीं है और न ही उपभोक्ता की पसंद पर नियंत्रण। यह उसे सही जानकारी देकर स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाने का माध्यम है। अब असली परीक्षा केंद्र सरकार और एफएसएसएआई की है। क्या वे समयबद्ध तरीके से वैज्ञानिक और प्रभावी नियम लागू कर पाएंगे? क्या खाद्य कंपनियों को बिना किसी भेदभाव के उनका पालन करना होगा? क्या बच्चों को स्वस्थ खानपान की व्यावहारिक शिक्षा मिलेगी?

खाद्य पदार्थों का बाजार नागरिकों के स्वास्थ्य की कीमत पर मुनाफा कमाने का माध्यम नहीं बन सकता। उपभोक्ता को यह जानने का अधिकार है कि उसके भोजन में क्या है। स्वस्थ समाज का निर्माण तभी संभव है, जब भोजन केवल स्वाद और व्यापार का विषय न रहकर पोषण, सुरक्षा और नागरिक अधिकार का प्रश्न भी बने। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की वास्तविक सफलता इसी में होगी कि पैकेट पर चेतावनी के चिह्न दिखाई देने के साथ-साथ देश की खाद्य संस्कृति और बाजार की जवाबदेही में भी बदलाव आए।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

अपने घर में डर

यह एक वैश्विक आंकड़ा है कि दुनिया में हर एक घंटे में पांच महिलाओं या लड़कियों की हत्या उनके जीवन साथी या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा कर दी जाती है। वर्ष 2025 की यूएन वूमेन- यूएनओडीसी रिपोर्ट का यह चौंकाने वाला खुलासा, हमारा सामना एक कठोर यथार्थ से कराता है। यह सत्य कि दुनिया में लाखों महिलाओं की जान के लिये सबसे बड़ा खतरा अनजान लोगों से नहीं, बल्कि उन लोगों से है, जिनके साथ वे पारिवारिक संस्था के भीतर रहती हैं। जिन पर अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा करती हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि बीते वर्ष दुनिया भर में इरादतन मारी गई करीब 78 हजार महिलाओं व लड़कियों में से 47 हजार की हत्या उनके पार्टनर या रिश्तेदारों ने की। यह दुखद ही है कि जो घर महिलाओं के लिये सबसे ज्यादा सुरक्षित स्थान माना जाता है, वही आज उसके लिये खतरनाक जगह बन रही है। हालांकि, भारत में ऐसी भयावह स्थिति नहीं है,लेकिन आंकड़े कुछ चिंताजनक संकेत जरूर दे रहे हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार देश में 18 से 49 आयुवर्ग वाली 29 फीसदी विवाहित महिलाओं ने अपने पति द्वारा की जाने वाली हिंसा का त्रास झेला। वहीं यूएन वुमेन के आंकड़े बताते हैं कि शारीरिक या यौन हिंसा की शिकार महिलाओं में सिर्फ 14 फीसदी ने ही मदद की गुहार लगायी। उससे ज्यादा चिंताजनक यह कि इसमें सिर्फ 5.6 फीसदी महिलाओं ने ही मदद हेतु पुलिस से संपर्क किया। दरअसल, परंपरागत भारतीय घरों में महिलाओं की प्राथमिकता परिवार बचाना होती है। सामाजिक बदनामी, आर्थिक असुरक्षा, बदले की कार्रवाई का डर और शादी को टूटने से बचाने के भय के चलते महिलाएं चुप रहने को बाध्य हो जाती हैं। इसके बावजूद हिंसा की रिपोर्ट न करने के पीछे की हिचकिचाहट को हिंसा न होने का संकेत नहीं मान लिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं है कि घरेलू हिंसा रोकने, पति और रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता और दहेज से जुड़े दुर्व्यवहार पर लगाम के लिये देश में पर्याप्त कानून हैं। लेकिन जब तक इन कानूनों को सख्ती से लागू नहीं किया जाता, तब तक ये कानून महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकते। इस तरह के मामलों में मायके वालों से भी संवेदनशील और सतर्क व्यवहार अपेक्षित है। वास्तव में पुलिस को बार-बार मिलने वाली शिकायतों व धमकियों और दबाव डालने वाले व्यवहार को केवल सामान्य पारिवारिक झगड़े के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। सही मायने में इसे गंभीर चेतावनी संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रोटेक्शन ऑर्डर को कायदे से लागू किया जाना जरूरी है। इसके अलावा परिवार की संस्था के भीतर सुरक्षित महसूस न करने वाली महिलाओं के लिये वैकल्पिक आश्रय स्थल की भी व्यवस्था होनी चाहिए। उनके लिये सहजता से कानूनी मदद का प्रावधान होना आवश्यक है। किसी मानसिक आघात से उबरने के लिये काउंसलिंग और तात्कालिक आर्थिक सहायता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जिससे वे बिना किसी आर्थिक तंगी के या बेसहारा हुए, हिंसक रिश्तों से बाहर निकल सकें। यानी सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। वास्तव में प्राथमिकता होनी चाहिए कि किसी महिला के जीवन का अंत न हो। वहीं परिवारों, समुदायों और संस्थाओं को हिंसा को सामान्य बात मानना बंद करना होगा। दूसरी ओर महिलाओं पर चुप रहने के लिये दबाव डालना भी बंद करना होगा। निस्संदेह, पुलिस, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सहायता प्रदान करने वाली एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल से किसी भी महिला के जीवन पर आसन्न संकट को जानलेवा बनने से पहले ही पहचाना जा सकता है।

संतुलित मस्तिष्क के लिये आवश्यक है आवेगों पर नियन्त्रण



कांतिलाल मांडोत

व्यवस्थित एवं समुन्नत शील जीवन का निर्माण संतुलित मस्तिष्क से ही संभव है। संतुलित मस्तिष्क आवेगों पर नियंत्रण कर के प्राप्त किया जा सकता है। व्यक्ति स्वभावतः अपराधी नहीं होता किन्तु आवेग उसे अपराध में झोंक देते हैं। आवेग एक मानसिक आंधी है, वह मानव के मस्तिष्क को असंतुलित ही नहीं करती कई बार तो उसे विचार शून्य तक बना देती है। आवेग की आंधी में मस्तिष्क का अस्तित्व ही विलुप्त सा हो जाता है ।अनेक दुष्कर्म व्यक्ति के द्वारा उसी अवस्था में होते है।मस्तिष्क व्यक्ति के जीवन और चरित्र को संतुलित करता है। वही जब असंतुलित हो जाता है तो उस समय मानव क्या कर बैठे कुछ भी नहीं कहा जा सकता।अपने आवेगों को नियन्त्रित करना सबसे बड़ी साधना है, सबसे बड़ा तप है।आवेगों का जन्म बाह्य परिस्थितियो से जुड़ कर होता है। अतः बहुत उचित होगा कि हम अपने बाह्य वातावरण को इतना सुलझा हुआ रखे कि आवेग पैदा होने जैसा कुछ हो ही नहीं किन्तु इतना सब कुछ कर लेने पर भी इतना तो होगा ही कि सारे व्यक्ति जो अपने से जुड़े है वे अपनी तरह ही सोचेंगे, यह अवश्यक नहीं। अतःपरिस्थितियों में प्रतिकूलता तो बनी ही रहने वाली है। परिस्थिति की प्रतिकूलताओं को सहर्ष स्वीकार कर अपने आवेगों को दबाए रखना और मस्तिष्क के संतुलन को सुरक्षित रखना सच्चा और अच्छा जीवन जीने की कला है। पड़ौसी देश ने युद्ध भारत को महा युद्ध के लिये उकसाने में कोई कमी नहीं रखी किन्तु भारतीय सेना और संचालकों ने आवेगों से बचकर अपने संतुलन को बनाये रखा और देशको व्यापक युद्ध से बचा लिया जिसकी सारे विश्व में प्रशंसा हुई है। शक्ति शाली होकर भी संतुलित रहना एक महान कार्य है। भारत निश्चित ही अपनी महानता के अनुरुप सहनशीलता और विवेक पूर्वक आगे बढ़ा । धैर्य और संतुलन ने उसे सफलता के शिखर पर समारुढ़ कर दिया । आज विश्व में चारों तरफ आवेग पूर्ण वातावरण व्याप्त हो रहा है। व्यक्ति असंतुलित जी रहा है। किसका कब क्या हो जाए और कब कौन क्या कर बैठे, कुछ कहा नहीं जा सकता ।ऐसे विषम वातावरण में धर्म ही है जो समता और संतुलन की दिशा प्रदान करता है। कहने को आज व्यक्ति स्वतन्त्र है, यदि बहुत गहरे अर्थों में देखा जाए तो मानव में स्वतन्त्रता का कहीं कोई अंश आपको नहीं मिलेगा। विचार और व्यवहार दोनों स्तर पर आज भी व्यक्ति बहुत कुछ परतन्त्र है ।जहां तक भाव जगत का प्रश्न है व्यक्ति वहां आवेगों के अधीन चलता है।

बल्ले से निकला वैभव, क्रिकेट के आकाश में नया सूर्य



ललित गर्ग

क्रिकेट के इतिहास में कुछ दिन केवल कैलेंडर की तारीख बनकर नहीं आते, वे इतिहास के पन्नों पर अमिट हस्ताक्षर कर जाते हैं। मंगलवार का दिन भारतीय क्रिकेट के लिए ऐसा ही एक मंगलमय दिवस बनकर सामने आया, जब महज पंद्रह वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने दोहा में अपने बल्ले से ऐसा सूर्य उदय किया, जिसकी रोशनी ने पूरी क्रिकेट दुनिया को चकाचौंध कर दिया। जिस उम्र में किशोर सपनों की उड़ान भरना शुरू करते हैं, उस उम्र में वैभव ने क्रिकेट के आकाश में अपने नाम का ऐसा ध्वज फहरा दिया, जिसे आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा। वैभव ने केवल 52 गेंदों में दोहरा शतक जड़कर क्रिकेट जगत को स्तब्ध कर दिया। 28 गेंदों में शतक, महज 40 गेंदों में 150 रन और एक पारी में 28 छक्के-ये आंकड़े किसी वीडियो गेम की काल्पनिक स्कोरशीट जैसे लगते हैं, लेकिन वैभव ने इन्हें हकीकत की पिच पर उतार दिया। सूर्यवंशी की इस आतिशी पारी से दुनिया में खलबली मच गयी है, देश और दुनिया में बड़ी-बड़ी खबरों को दबा दिया है इस खबर ने। आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हर जबान पर है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी? 204 रनों की उनकी तूफानी पारी में 168 रन केवल छक्कों से आए। बल्ले से निकली हर गेंद मानो सीमा रेखा के पार जाकर एक नया इतिहास लिख रही थी। यह केवल रन बनाने की पारी नहीं थी, बल्कि क्रिकेट की सीमाओं को चुनौती देने वाली एक अद्भुत बल्लेबाजी थी।

भारतीय क्रिकेट ने समय-समय पर ऐसी प्रतिभाओं को जन्म दिया है, जिन्होंने दुनिया को भारतीय क्रिकेट का लोहा मनवाया। सुनील गावस्कर की तकनीक, कपिल देव का साहस, सचिन तेंदुलकर की विलक्षणता, सौरव गांगुली का आत्मविश्वास, महेंद्र सिंह धोनी की निर्णायक क्षमता और विराट कोहली की आक्रामक निरंतरता-इन सबने भारतीय क्रिकेट को गौरव दिया। लेकिन वैभव सूर्यवंशी की कहानी इसलिए अलग है क्योंकि यह कहानी अभी किशोरावस्था में ही असाधारण उपलब्धियों का शंखनाद कर रही है। वैभव का बल्ला इस समय केवल गेंद को नहीं पीट रहा, बल्कि क्रिकेट की पुरानी धारणाओं को भी चुनौती दे रहा है और अपने कीर्तिमान से नया इतिहास बना रहा है। उनकी बल्लेबाजी में आत्मविश्वास है, निर्भीकता है, आक्रामकता है और सबसे बढ़कर एक स्वाभाविक लय है। वे गेंदबाज के नाम, प्रतिष्ठा या अनुभव से भयभीत होते दिखाई नहीं देते। उनकी बल्लेबाजी देखकर लगता है कि गेंद उनके लिए चुनौती नहीं, अवसर है और सीमा रेखा उनके लिए कोई दीवार नहीं, बल्कि एक आमंत्रण है।

वैभव सूर्यवंशी की उपलब्धियों की फेहरिस्त भी कम चमत्कारी नहीं है। अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में दस मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन और आईपीएल की 23 पारियों में 228 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 1028 रन उनकी असाधारण क्षमता का प्रमाण हैं। आईपीएल के 2026 सत्र में 72 छक्के लगाकर उन्होंने एक सीजन में सर्वाधिक छक्कों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा और ऑरेंज कैप हासिल की। इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी उपलब्धियां निश्चित रूप से सामान्य प्रतिभा की निशानी नहीं हैं। दोहा की इस पारी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि वैभव को भारतीय वनडे और टी-20 टीम में अवसर कब मिलेगा। यह स्वाभाविक मांग है कि ऐसी विलक्षण प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर आजमाया जाए, लेकिन इसके साथ धैर्य और विवेक भी जरूरी है। प्रतिभा को अवसर चाहिए, पर अवसर के साथ संरक्षण, मार्गदर्शन और मानसिक तैयारी भी उतनी ही आवश्यक है। क्रिकेट केवल बल्ले की ताकत का खेल नहीं, बल्कि परिस्थितियों, दबाव, रणनीति और मानसिक दृढ़ता की भी परीक्षा है।

सोलह वर्ष की उम्र में सचिन तेंदुलकर को पाकिस्तान के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतारने का उदाहरण आज भी प्रेरणा देता है। सचिन ने उस अवसर को इतिहास में बदल दिया। वैभव के सामने भी संभावनाओं का विराट आकाश है। उन्हें अवसर अवश्य मिलने चाहिए, लेकिन उनके क्रिकेटीय विकास की गति और दिशा को समझते हुए। भारतीय क्रिकेट प्रशासन के लिए यह एक ऐसी प्रतिभा है, जिसे जल्दबाजी में दबाव के हवाले करने के बजाय सही ढंग से तराशने की जरूरत है। आज दुनिया के गेंदबाज भी वैभव की बल्लेबाजी को ध्यान से पढ़ रहे होंगे। उनकी कमजोरियां तलाशने, उनकी हिटिंग पावर को रोकने और उनके आक्रामक तेवरों पर अंकुश लगाने की रणनीतियां बन रही होंगी। यही चुनौती वैभव के लिए अगला पड़ाव है। उन्हें अपनी तकनीक में विविधता, शॉट चयन में परिपक्वता और परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करने की क्षमता विकसित करनी होगी। क्योंकि क्रिकेट में असली महानता केवल रिकॉर्ड बनाने में नहीं, बल्कि रिकॉर्ड बनने के बाद भी निरंतर ऊंचाई पर टिके रहने में है। साथ ही कुछ लोगों का मानना है कि मौलिक व आक्रामक खेल वाले खिलाड़ी विरले ही पैदा होते हैं, लेकिन समय पर बड़े अवसर न मिलने का नकारात्मक प्रभाव उनके खेल में पड़ सकता है। साथ ही जरूरी है कि वैभव अपने आक्रामक खेल को बनाये रखें, उसमें निरंतरता रहे और वे क्रिकेट की आधुनिक तकनीकों से रूबरू होते रहें। हर दिन वे अपने खेल के लिये जागरूक रहे एवं आने वाली चुनौतियां के लिये स्वयं को सक्षम बनाये। निश्चित रूप से अधिक इंटरनेशनल मैच खेलना, उनके खेल में निखार लाएगा। जाहिर है उनकी हालिया आतिशी पारी के बाद दुनिया के तमाम गेंदबाज उन पर हावी होने के रास्ते तलाश रहे होंगे। वे उनकी असाधारण प्रतिभा को काबू करने के नुस्खे तलाश रहे होंगे। उनकी हिटिंग पावर को रोकने की व्यूह रचना की जा रही होगी। फिर भी मंगलवार की वह पारी अपने आप में एक युगांतकारी चमत्कृत करने वाली घटना है। जिस उम्र में अधिकांश खिलाड़ी बड़े मंच का सपना देखते हैं, उस उम्र में वैभव ने मंच को ही अपने नाम कर लिया। उनके बल्ले से निकले छक्के केवल गेंदों को सीमा के पार नहीं ले गए, उन्होंने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी के सपनों को भी आसमान दे दिया। सूर्यवंशी का यह सूर्य अभी अस्त होने के लिए नहीं, निरंतर उदित होने के लिए आया है। उनके बल्ले से निकलती रनों की रोशनी भारतीय क्रिकेट के भविष्य को आलोकित करने की क्षमता रखती है। निस्संदेह, यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, भारतीय क्रिकेट के इतिहास में लिखा गया एक स्वर्णिम पृष्ठ है। आज पूरे क्रिकेट जगत को इस किशोर प्रतिभा को सलाम करना चाहिए और कहना चाहिए-वैभव, तुम्हारे बल्ले का यह सूर्य जितना चमक रहा है, उतनी ही उज्ज्वल तुम्हारी क्रिकेट यात्रा की संभावनाएं हैं। आने वाला समय तय करेगा कि यह पारी केवल एक रिकॉर्ड बनकर रह जाती है या एक ऐसे स्वर्णिम क्रिकेट-ग्रंथ की पहली पंक्ति बनती है, जिसकी गाथा आने वाली पीढ़ियां गर्व से पढ़ेंगी।



टमाटर की खेती

भारत में मटर 7.9 लाख हेक्टेयर भूमि में उगाई जाती है। इसका वार्षिक उत्पादन 8.3 लाख टन एवं उत्पादकता 1029 किग्रा./हेक्टेयर है। मटर उगाने वाले प्रदेशों में उत्तर प्रदेश प्रमुख हैं। उत्तरप्रदेश में 4.34 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मटर उगाई जाती है, जो कुल राष्ट्रीय क्षेत्र का 53.7% है। इसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश में 2.7 लाख हे., उड़ीसा में 0.48 लाख., बिहार में 0.28 लाख हे. क्षेत्र में मटर उगाई जाती है।



उत्पादन तकनीक

भूमि की तैयारी – मटर की खेती विभिन्न प्रकार की मृदाओं में की जा सकती है, फिर भी गंगा के मैदानी भागों की गहरी दोमट मिट्टी इसके लिए सबसे अच्छी रहती है। मटर के लिए भूमि को अच्छी तरह तैयार करना चाहिए। खरीफ की फसल की कटाई के बाद भूमि की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल करके 2–3 बार हैरो चलाकर अथवा जुताई करके पाटा लगाकर भूमि तैयार करनी चाहिए। धान के खेतों में मिट्टी के ढेलों को तोड़ने का प्रयास करना चाहिए। अच्छे अंकुरण के लिए मिट्टी में नमी होना जरुरी है।

फसल पद्धति– सामान्यतः मटर की फसल, खरीफ ज्वार, बाजरा, मक्का, धान और कपास के बाद उगाई जाती है। मटर, गेंहूँ और जौ के साथ अंतः पसल के रूप में भी बोई जाती है। हरे चारे के रूप में जई और सरसों के साथ इसे बोया जाता है। बिहार एवं पश्चिम बंगाल में इसकी उतेरा विधि से बुआई की जाती है।

बीजोपचार – उचित राजोबियम संवर्धक (कल्चर) से बीजों को उपचारित करना उत्पादन बढ़ाने का सबसे सरल साधन है। दलहनी फसलों में वातावरणीय नाइट्रोजन के स्थिरीकरण करने की क्षमता जड़ों में स्थित ग्रंथिकाओं की संख्या पर निर्भर करती है और यह भी राइजोबियम की संख्या पर भी निर्भर करता है। इसलिए इन जीवाणुओं का मिट्टी में होना जरुरी है। क्योंकि मिट्टी में जीवाणुओं की संख्या पर्याप्त नहीं होती है, इसलिए राईजोबियम संवर्धक से बीजों को उपचारित करना जरूरी है।



राईजोबियम से बीजों को उपचारित करने के लिए उपयुक्त कल्चर का एक पैकेट (250 ग्राम) 10 किग्रा. बीज के लिए पर्याप्त होता ही। बीजों को उपचारित करने के लिए 50 ग्राम गुड़ और 2 ग्राम गोंद को एक लीटर पानी में घोल कर गर्म करके मिश्रण तैयार करना चाहिए। सामान्य तापमान पर उसे ठंडा होने दें और ठंडा होने के बाद उसमें एक पैकेट कल्चर डालें और अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण में बीजों को डालकर अच्छी तरह से मिलाएं, जिससे बीज के चारों तरफ इसकी लेप लग जाए। बीजों को छाया में सुखाएं और फिर बोयें। क्योंकि राइजोबियम फसल विशेष के लिए ही होता है, इसलिए मटर के लिए संस्तुत राईजोबियम का ही प्रयोग करना चाहिए। कवकनाशी जैसे केप्टान, थीरम आदि भी राईजोबियम कल्चर के अनुकूल होते हैं। राइजोबियम से उपचारित करने के 4–5 दिन पहले कवकनाशियों से बीजों का शोधन कर लेना चाहिए।

बुआई के समय– मटर की बुआई मध्य अक्तूबर से नवम्बर तक की जाती है जो खरीफ की फसल की कटाई पर निर्भर करती है। फिर भी बुआई का उपयुक्त समय अक्तूबर के आखिरी सप्ताह से नवम्बर का प्रथम सप्ताह है।

बीज–दर, दूरी और बुआई– बीजों के आकार और बुआई के समय के अनुसार बीज दर अलग–अलग हो सकती है। समय पर बुआई के लिए 70–80 किग्रा. बीज/हे. पर्याप्त होता है। पछेती बुआई में 90 किग्रा./हे. बीज होना चाहिए। देशी हल जिसमें पोरा लगा हो या सीड ड्रिल से 30 सेंमी. की दूरी पर बुआई करनी चाहिए। बीज की गहराई 5–7 सेंमी. रखनी चाहिये जो मिट्टी की नमी पर निर्भर करती है। बौनी मटर के लिए बीज दर 100 किलोग्राम/हे. उपयुक्त है।

उर्वरक – मटर में सामान्यतः 20 किग्रा, नाइट्रोजन एवं 60 किग्रा. फास्फोरस बुआई के समय देना पर्याप्त होता है। इसके लिए 100–125 किग्रा. डाईअमोनियम फास्फेट (डी, ए,पी) प्रति हेक्टेयर दिया जा सकता है। पोटेशियम की कमी वाले क्षेत्रों में 20 कि.ग्रा. पोटाश (म्यूरेट ऑफ़ पोटाश के माध्यम से) दिया जा सकता है। जिन क्षेत्रों में गंधक की कमी हो वहाँ बुआई के समय गंधक भी देना चाहिए। यह उचित होगा कि उर्वरक देने से पहले मिट्टी की जांच करा लें और कमी होने पर उपयुक्त पोषक तत्वों को खेत में दें।

सिंचाई– प्रारंभ में मिट्टी में नमी और शीत ऋतु की वर्षा के आधार पर 1–2 सिंचाइयों की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई फूल आने के समय और दूसरी सिंचाई फलियाँ बनने के समय करनी चाहिए। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हल्की सिंचाई करें और फसल में पानी ठहरा न रहे।

खतपतवार नियंत्रण – खरपतवार फसल के निमित्त पोषक तत्वों व जल को ग्रहण का फसल को कमजोर करते हैं और उपज के भारी हानि पहुंचाते हैं। फसल को बढ़वार की शुरू की अवस्था में खरपतवारों से अधिक हानि होती है। अगर इस दौरान खरपतवार खेत से नहीं निकाले गये तो फसल की उत्पादकता बुरी तरह से प्रभावित होती है। यदि खेत में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार, जैसे–बथुआ, सेंजी, कृष्णनील, सतपती अधिक हों तो 4–5 लीटर स्टाम्प–30 (पैंडीमिथेलिन) 600–800 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर की दर से घोलकर बुआई के तुरंत बाद छिड़काव कर देना चाहिए। इससे काफी हद तक खरपतवारों को नियंत्रित किया जा सकता है।

रोग एवं कीट प्रबन्धन

रोग

रतुआ – इस रोग के कारण जमीन के ऊपर के पौधे के सभी अंगों पर हल्के से चमकदार पीले (हल्दी के रंग के) फफोले नजर आते हैं। पत्तियों की निचली सतह पर ये ज्यादा होते हैं। कई रोगी पत्तियाँ मुरझा कर गिर जाती है। अंत में पौधा सुखकर मर जाता है। रोग के प्रकोप से सें संकुचित व छोटे हो जाते हैं। अगेती फसल बोने से रोग का असर कम होता है। अवरोधी प्रजाति मालवीय मटर 15 प्रयोग करें।

आर्द्रजड़ गलन– इस रोग से प्रकोपित पौधों की निचली पत्तियाँ हल्के पीले रंग की हो जाती है। पत्तियाँ नीचे की ओर मुड़कर सुखी और पीली पड़ जाती है। तनों और जड़ों पर खुरदरे खुरंट से पड़ जाते हैं। यह रोग जड़–तंत्र सड़ा डालता है। यह रोग मृदा जनित है। रोग की बीजाणु वर्षों तक मिट्टी में जमे रहते हैं। हवा में 25 से 50% की अपेक्षित आर्द्रता और 22 से 32 डिग्री में सेल्सियस दिन का तापमान रोग पनपने में सहायक होता है। रोगग्राही फसल को उसी खेत में हर साल न उगाएँ। बीज का उपचार करने के लिए कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम + थीरम 2 ग्राम मात्रा एक किग्रा. बीज में मिलाएं। फसल की अगेती बुआई से बचें तथा सिंचाई हल्की करें।

चांदनी रोग– इस रोग से पौधों पर एक से.मी. व्यास के बड़े–बड़े गोल बादामी और गड्ढे वाले दाग पीजे जाते हैं। इन दागों के चारों ओर गहरे रंग की किनारों भी होती है। तने पर घेरा बनाकर यह रोग पौधे के मार देता है। रोग मुक्त बीज ही बोयें 3 ग्राम थीरम दवा प्रति किग्रा. बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार करें।

तुलासिता/रोमिल फफूंद– इस रोग के कारण पत्तियों की ऊपरी सतह एप पीले और ठीक उनके नीचे की सतह पर रुई जैसी फफूंद छा जाती है और रोगग्रस्त पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पत्तियाँ समय से पहले ही झड़ जाती है। संक्रमण अधिक होने पर 0.2% मौन्कोजेब अथवा जिनेब का छिड़काव 400–800 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर की दर से करनी चाहिए।

पौध/मूल विगलन– जमीन के पास के हिस्से से नये फूटे क्षेत्रों पर इस रोग का प्रकोप होता है। तना बादामी रंग का होकर सिकुड़ जाता है, जिसकी वजह से पौधे मर जाते हैं। 3 ग्रा. थीरम+1 ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति किग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें खेत का जल निकास ठीक रखें। संक्रमित खेती में अगेती बुआई न करें।

कीट



तना मक्खी – ये पूरे देश में पाई जाती है। पत्तियों, डंठलों अरु कोमल तनों में गांठें बनाकर मक्खी उनमें अंडे देती है। अंडों देती है। अंडों से निकली सड़ी पत्ती के डंठल या कोमल तनों मने सुरंग बनाकर अंदर–अंदर खाती है, जिससे नये पौधे कमजोर होकर झुक जाते हैं और पत्तियों पीली पड़ जाती है। पौधों की बढ़वार रुक जाती है। अंततः पौधे मर जाते हैं।

मांहू (एफिड) – कभी–कभी मांहू भी मटर की फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। इनके बच्चे और वयस्क दोनों ही पौधे का रस चूसने में सक्षम होते हैं। यह रस ही नहीं चूसते, बल्कि जहरीले तत्व भी छोड़ देते हैं। इसका भारी प्रकोप होने पर फलियाँ मुरझा जाती हैं। अधिक प्रकोप होने पर फलियाँ सुख जाती है। मांहू मटर एक वायरस (विषाणु) को फैलाने में भी उसके वाहक बनकर सहायता करती है।

मटर का अधफंदा (सेमीलूपर) – यह मटर का साधारण कीट है। इसकी गिड़ारें पत्तियाँ खाती है। पर कभी–कभी फूल और कोमल फलियों को भी खा जाती हैं। चलते समय यह शरीर के बीचोबीच फंदा सा बनाती है, इसलिए इसका नाम अधफंदा या सेमिलुपर पड़ा। जहाँ पर तना मक्खी या पटसुरंगा या मांहू का प्रकोप हो, वहाँ 2% फोरेट से बीज उपचार करें या 1 किग्रा. फोरेट प्रति हेक्टेयर की दर से खेत की मिट्टी में बुआई के समय मिला दें। आवश्यकता होने पर पहली निकलने की अवस्था में फसल पर 0.03% डामेथोएट 400 से 500 लीटर पानी में मिलाकर घोल कर प्रति हेक्टेयर छिड़कें। जहाँ बुआई के समय मिट्टी में दवा न मिला पाए हों, वहाँ कीट के प्रकोप के अनुसार कीटनाशी दवा का छिड़काव करें। कटीला फली भेदक (एटीपेला) – यह फली भेदक उत्तर भारत में अधिक पाया जाता है। अगेती किस्म के अपेक्षा पछेती प्रजातियों पर इसका अधिक प्रकोप होता है। इसी तरह देर से बोई गयी फसल में जल्दी बोई गयी फसल की तुलना में अधिक हानि होती है। फली और अंखुबड़ी के जोड़ वाली जगह पर या फली की सतह पर यह पंतगा अंडे देता है। अंडे से निकलते ही इसके नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाना चाहिए। कटाई और मड़ाई – मटर की फसल सामन्यत: 130–150 दिनों में पकती है। इसकी कटाई दरांती से करनी चाहिए 5–7 दिन धुप में सुखाने के बाद बैलों से मड़ाई करनी चाहिए। साफ दानों को 3–4 दिन धूप में सुखाकर उनको भंडारण पात्रों (बिन) में करना चाहिये। भंडारण के दौरान कीटों से सुरक्षा के लिए एल्युमिनियम फोस्फाइड का उपयोग करें।

सर्दियों के टमाटर के लिए अभी से करें बिजाई



टमाटर विश्व में सबसे ज्यादा प्रयोग होने वाली सब्जी है। भारतीय पाक–पकवानों में टमाटर का विशेष महत्व है। इसे सब्जी बनाने से लेकर, सलाद में, सूप के तौर पर, चटनी के रूप में और यहां तक की ब्यूटी प्रोडक्ट के रूप में भी इसे इस्तेमाल किया जाता है। टमाटर में विटामिन सी, लाइकोपीन, विटामिन, पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है. साथ ही इसमें कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाले तत्व भी पर्याप्त मात्रा में होते हैं। टमाटर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि टमाटर को पका देने के बाद भी उसके पोषक तत्व बने रहते हैं। टमाटर की अधिक पैदावार के लिए किसान निम्नलिखित उन्नत तकनीकें अपनाएं।

उन्नत किस्में : हिसार अरुण, हिसार ललित, हिसार लालिमा

बिजाई : टमाटर की मुख्य उपयुक्त किस्में सर्दी के लिए जून से मध्य जुलाई तक बोई जा सकती हैं और वसंत के लिए नवंबर से दिसम्बर तक बोई जा सकती हैं।

बीज की मात्र व बिजाई का तरीका : यदि फसल जून में बो रहे है तो 400–500 ग्राम बीज प्रति एकड़ के हिसाब से बोये। नवंबर में 200 ग्राम बीज प्रति एकड़ बोयें।

बीज उपचार : बीज जनित रोगों से बचाने के लिए थायिरम या कैप्टान 2.5 ग्राम/किलोग्राम बीज के दर से उपचार करना लाभदायक है।

नर्सरी स्थापना : सर्दी में तैयार होने वाले टमाटर के लिए 3म1 मीटर के 40 बेड प्रति एकड़ और वसंत में होने वाले टमाटर के लिए 15 बेड प्रति एकड़ तैयार करें। गर्मी में लगने वाली पोध 4 हफ्ते और सर्दी में लगने वाली 8–10 हफ्ते में तैयार हो जाती है।

रोपाई : रोपाई का सही समय तब होता है जब पौध में 5–6 पत्तियां निकल आये।

खाद एवं उर्वरक : टमाटर की अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए खाद एवं उर्वरक का सही मात्रा में प्रयोग अनिवार्य है। बीज की तैयारी करते समय खेत में अंतिम जुताई के बाद 20–25 टन खाद प्रति एकड़ के हिसाब से मिलायें। टमाटर की अच्छी पैदावार के लिए अंतिम जुताई के समय उसमे 20 किलो पोटाश और 25 किलो फोस्फोरस मिलाए और 40 किलो नाइट्रोजन का तीसरा भाग प्रति एकड़ के हिसाब से मिलायें। बचा हुआ नाइट्रोजन बराबर मात्र में एक चार हफ्ते बाद और एक उसके एक महीने बाद मिलायें।

सिंचाई : पहली सिंचाई रोपाई के बाद दें और उसके बाद हर 8–10 के भीतर सिंचाई करें जब तक टमाटर की फसल तैयार न हो जाये।

निराई गुडाई : टमाटर में खरपतवार का नियंत्रण करना अनिवार्य है यदि आप अच्छी पैदावार चाहते हैं तो नियंत्रण के लिए एक बार 20 से 25 दिन में निराई गुडाई करे और दूसरी 40 से 45 दिन में आवश्यक है।

कटाई का समय : जब टमाटर पर लाल पीली धारियां सी पड़ने लगे तो समझ लीजिये क आपकी फसल तैयार है। यदि टमाटर कही दूर बाज़ार में बेचने हो तो जब वो थोड़े हरे हो तभी उन्हें तोड़ लें।

फल फटने की समस्या और कारण

ठंड के मौसम में टमाटर के फल फटने की समस्या अक्सर होती है, जो उत्पादन में कमी का कारण बनती है। जिला उद्यान अधिकारी डॉ. पुनीत कुमार पाठक के अनुसार, यह समस्या सूखा पड़ने या बोरान की कमी के कारण होती है। इसके अलावा, ऊसर भूमि पर टमाटर की खेती करने से भी यह समस्या बढ़ सकती है।

सर्दी और बारिश से टमाटर की फसल पर असर

खराब मौसम, खासकर सूखा पड़ने के बाद अचानक बारिश होने से टमाटर में फल फटने की समस्या उत्पन्न होती है। इसके लिए किसानों को सूखा पड़ने पर भी नियमित सिंचाई करनी चाहिए, ताकि बारिश के बाद फल फटने की समस्या कम हो सके।

बोरान की कमी और समाधान

टमाटर में फल फटने की समस्या बोरान की कमी के कारण होती है। इसे रोकने के लिए किसान मिट्टी में 20–25 किलोग्राम बोरान मिला सकते हैं और 0.25% बोरेक्स का घोल टमाटर के पौधों पर छिड़क सकते हैं। इसे 2–3 बार छिड़कने से फल फटने की समस्या रोकी जा सकती है।

ऊसर भूमि पर टमाटर की खेती से बचें

ऊसर भूमि पर टमाटर की खेती से फल फटने की समस्या ज्यादा होती है। इसलिए, किसानों को ऊसर भूमि पर टमाटर की खेती से बचना चाहिए, ताकि वे इस समस्या से बच सकें और बेहतर उत्पादन पा सकें।

वडोदरा वायुसेना स्टेशन पर हमले की साजिश नाकाम, जैश का संदिग्ध गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने वडोदरा स्थित वायुसेना स्टेशन पर हमले की बड़ी साजिश को नाकाम कर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक संदिग्ध सदस्य को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने बताया कि असम के करीमगंज निवासी मोहम्मद सहरुल इस्लाम कबीरुद्दीन को हलोल-वडोदरा रोड पर एक होटल के पास से पकड़ा गया। एटीएस के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सुनील जोशी ने बताया कि विभिन्न खुफिया माध्यमों से मिली जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई। गिरफ्तार संदिग्ध के पास से एक असॉल्ट राइफल (जिसके एके-47 होने का संदेह है), 23 कारतूस, जैश-ए-मोहम्मद का एक झंडा, मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी को वडोदरा स्थित वायुसेना स्टेशन के गेट पर हमला करने का जिम्मा सौंपा गया था। उसके मोबाइल फोन से स्टेशन की तस्वीरें भी मिली हैं, जो इस साजिश की पुष्टि करती हैं। आरोपी के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बगड़टोली ने रचा इतिहास : 2027 जनगणना के लिए 100 प्रतिशत स्व-गणना पूरी

पिथौरागढ़, एजेंसी। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के राजस्व गांव बगड़टोली ने जनगणना-2027 के लिए स्व-गणना प्रक्रिया पूरी कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह जिला का पहला गांव बन गया है जिसने 100 प्रतिशत स्व-गणना पूरी कर राष्ट्रीय अभियान के लिए मिसाल कायम की है। राज्य सरकार ने इस उपलब्धि की जानकारी दी।
पिथौरागढ़ के तहसीलदार विजय गोस्वामी ने बताया कि गांव को स्व-गणना के लिए 30 नवंबर तक का समय दिया गया था, लेकिन प्रगणक कलावती धरियाल ने कार्य मात्र 10 दिनों में ही संपन्न किया। गांव के कुल 18 परिवारों के 77 सदस्यों ने जनगणना के लिंक का उपयोग कर सभी 100 प्रश्नों के उत्तर सफलतापूर्वक दिए। बगड़टोली के ग्राम प्रधान राहुल कुमार ने प्रगणक धरियाल के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कलावती ने उन्हें साथ लेकर ग्रामीणों को स्व-गणना के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप गांव के सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को पूरा किया। बगड़टोली की यह उपलब्धि आगामी जनगणना अभियान के लिए अन्य गांवों को भी प्रेरणा देगी।

मकोका मामले में आप के पूर्व विधायक बाल्यान को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज मामले में जमानत दे दी है। बाल्यान पर कुख्यात बदमाश कपिल सांगवान द्वारा कथित तौर पर संचालित गिरोह की गतिविधियों में मदद करने का आरोप है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली बाल्यान की याचिका पर सुनवाई कर यह आदेश पारित किया, जिसमें उन्हें जमानत देने से इंकार किया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने तीन अगस्त को बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, बाल्यान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल आप के पूर्व विधायक हैं और करीब दो साल से जेल में बंद राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से पेश वकील ने इन दलीलों का विरोध कर कहा कि बाल्यान एक संगठित अपराध गिरोह का हिस्सा थे, जिसके खिलाफ 15 से अधिक मामले दर्ज हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि बाल्यान और कुख्यात बदमाश सांगवान के बीच हुई बातचीत दोनों के बीच सक्रिय आपराधिक सांठगांठ दिखाती है। अदालत ने राजनीतिक प्रतिशोध के उनके दावे को महज हवाई बातें और पूरी तरह अप्रमाणित बताया था। उच्च न्यायालय ने पुलिस द्वारा जुटाई गई सामग्री के व्यापक आकलन का हवाला देकर बाल्यान और अपराध गिरोह के अन्य सदस्यों के बीच स्पष्ट संबंध का उल्लेख किया था।

राष्ट्र से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य को लेकर केंद्र सरकार ने बुलाया चार दिवसीय विशेष सत्र

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, संसदीय कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग दें

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने चार दिवसीय संसद सत्र बुलाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को इसकी घोषणा कर बताया कि इस सत्र में महत्वपूर्ण सरकारी कार्य और विधेयक प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे इन महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा करें और संसदीय कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग दें।
आगामी सत्र 30 नवंबर और 1 दिसंबर को लोकसभा में शुरू होगा, जहां आवश्यक सरकारी कामकाज निपटाया जाएगा। इसके उपरांत, वहीं महत्वपूर्ण कार्य 2 और 3 दिसंबर को राज्यसभा में प्रस्तुत किए जाएंगे। इस संबंध में केंद्र सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को विधिवत पत्र भेज दिया है।
कुछ सांसदों और मीडिया आउटलेट्स द्वारा की गई आलोचनाओं को संबोधित कर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि इसतरह के हल्के बयान नहीं दिए जाने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब भी कोई महत्वपूर्ण विधेयक या देशहित का कार्य होता है, केंद्र सरकार संसद का सत्र बुला सकती है, और यह एक स्थापित संसदीय परंपरा है। उन्होंने अतीत के उदाहरणों का हवाला दिया, जहाँ पिछले सत्र को स्थगित किए बिना भी विशेष सत्र बुलाए गए हैं, यह दिखाता है कि यह संसदीय लोकतंत्र में कोई नई या असामान्य बात नहीं है।
उनका मानना है कि जब केंद्र सरकार एक विशेष सत्र बुलाती है, तब इसका अर्थ ही कुछ विशेष, राष्ट्र से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य को संपन्न करना होता है। केंद्रीय मंत्री ने सभी दलों के नेताओं और सांसदों से पूरे दिल से अनुरोध किया कि वे लाए जाने वाले सभी विधेयकों पर अच्छी और गहन चर्चा करें। उन्होंने कहा कि सहमति या असहमति लोकतंत्र का अभिन्न अंग है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि विशेष सत्र चलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने याद दिलाया कि देश के लोग संसद में होने वाली बहसों को सुनते हैं और भविष्य में उन्हें याद रखने वाले है। उन्होंने कहा कि संसद को सुचारु रूप से चलाना हम सभी सांसदों की सामूहिक जिम्मेदारी है, जो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की छवि को मजबूत करती है।
हालांकि, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने सत्र में पेश होने वाले विशिष्ट विधेयकों का विवरण अभी साझा नहीं किया, उन्होंने आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार बहुत महत्वपूर्ण कार्य लेकर आ रही है। उन्होंने सभी सांसदों से आग्रह किया कि वे जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ इसमें अच्छी भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि भारतीय लोकतंत्र की स्वस्थ और प्रभावी तस्वीर विश्व के सामने प्रस्तुत हो सके। रिजिजू ने साफ कहा कि सरकार नियमों के तहत ही सत्र बुला रही है और इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है

ऋतब्रत बनर्जी की नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति रद्द

● कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्पीकर का आदेश किया खारिज, 10 दिन में नए सिरे से निर्णय लेने का निर्देश

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष और अखरुज्जमां को मुख्य सचेतक नियुक्त किए जाने के विधानसभा अध्यक्ष के आदेश को शुक्रवार को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि 3 जून को जारी किया गया स्पीकर का आदेश कानून के प्रावधानों के अनुरूप नहीं था। हाईकोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया कि आदेश की प्रति प्राप्त होने के



10 दिनों के भीतर दोनों नियुक्तियों पर कानून के मुताबिक नए सिरे से विचार किया जाए। अदालत के फैसले के बाद अब ऋतब्रत बनर्जी और अखरुज्जमां की नियुक्तियों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष को दोबारा निर्णय लेना होगा। हाईकोर्ट ने यह फैसला तृणमूल कांग्रेस के नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय की ओर से दायर याचिका पर सुनाया। यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्षी खेमे के गठन और उसके बाद की गई नियुक्तियों से जुड़ा है। ऋतब्रत बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर बगावती रुख अपनाते हुए 58 विधायकों के साथ अलग गुट बनाए जाने का दावा किया था। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने 3 जून को उन्हें नेता प्रतिपक्ष और अखरुज्जमां को मुख्य सचेतक नियुक्त किया था। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद इन नियुक्तियों की वैधानिक स्थिति पर विधानसभा अध्यक्ष को फिर से निर्णय लेना होगा।

ताजमहल से निकाली गई नक्काशीदार संगमरमर की पट्टिका ब्रिटेन में होगी नीलाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विश्व प्रसिद्ध ताजमहल से ब्रिटिश शासन के दौरान ईस्ट इंडिया कंपनी के एक अधिकारी द्वारा निकाली गई एक नक्काशीदार संगमरमर की पट्टिका अगले माह ब्रिटेन में नीलाम होने जा रही है। यह आयताकार पट्टिका उन दो पट्टिकाओं में से एक है, जिन्हें कर्नल पाउनोल फिप्स ने 1816 में आगरा और उसके आसपास की इमारतों की मरम्मत के अधीक्षक के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर एकत्र किया था। इस ऐतिहासिक कलाकृति की अनुमानित कीमत 20,000 से 30,000 पाउंड (करीब 24-36 लाख भारतीय रुपये) आंकी गई है। नीलामी लायन एंड टर्नबुल नीलामीकर्ता द्वारा 9 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। यह विशेष नीलामी इस्लामिक और भारतीय कला से जुड़ी वस्तुओं को समर्पित होगी। नीलामीकर्ता की ओर से जारी विवरण के मुताबिक, इस संगमरमर की पट्टिका के साथ ताजमहल की एक पुरानी श्वेत-श्याम तस्वीर और दो महत्वपूर्ण पत्र भी संलग्न हैं। इन पत्रों में से एक कर्नल पाउनोल के पोते द्वारा छपवाया गया है, जबकि दूसरा मार्क्वेस ऑफ बाथ द्वारा हाथ से लिखा गया है, जो इसके ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हैं। कर्नल के बेटे के संस्मरणों के मुताबिक, उनके पिता को ये वस्तुएं ताजमहल के भूमिगत हिस्से में मिली थीं, और उन्हें लगा था कि इनका इस्तेमाल मुगलकालीन स्मारक की मरम्मत के लिए किया जाना था। कर्नल फिप्स का जन्म 1780 में इंग्लैंड के डेवोन में हुआ था। 17वीं सदी की शुरुआत से ही सैनिकों के परिवार से ताल्लुक रखने वाले फिप्स 1799 में ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल सेना में कैडेट के तौर पर शामिल हुए थे। भारत में अपने औपनिवेशिक शासन के दौरान, वह अन्य कार्यों के अलावा, ताजमहल और अन्य ऐतिहासिक इमारतों की देखभाल की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे, जो उनकी इस खोज की पृष्ठभूमि बनती है। भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल ने 1816 में कर्नल को लोअर प्रोविंसेस में इमारतों का अधीक्षक नियुक्त किया और उन्हें आगरा छोड़कर तत्कालीन कलकत्ता जाना पड़ा। वह और उनका परिवार 1823 में ब्रिटेन लौटा और फिप्स की मृत्यु 1858 में हुई। यह पट्टिका 200 से अधिक वर्षों तक उनके परिवार के संग्रह का हिस्सा बनी रही, जो अब नीलामी के लिए प्रस्तुत की गई है और एक बार फिर इसके मूल स्थान से लिए जाने के इतिहास को उजागर करेगी।

खड़गे ने बुलाई विपक्षी दलों की बैठक, गठबंधन से इतर विपक्षी दलों को भी भेजा न्यौता

-परिसीमन विधेयक को मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद कांग्रेस का आखिरी दांव

नई दिल्ली , एजेंसी । परिसीमन विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने के बाद कांग्रेस ने सरकार के संभावित कदम के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद तेज कर दी है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को विपक्षी दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक बुलाई है। बैठक सुबह 11:30 बजे नई दिल्ली स्थित खड़गे के आवास 10, राजाजी मार्ग पर होगी।
प्रस्तावित बैठक में सरकार की ओर से परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को दोबारा संसद में पेश किए जाने की स्थिति में संयुक्त रणनीति पर चर्चा की जाएगी। कांग्रेस का प्रयास है कि इस मुद्दे पर विपक्षी दलों को एक



मंच पर लाकर सरकार के कदम का संसद के भीतर मजबूती से विरोध किया जाए।
बैठक के लिए 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के अलावा गठबंधन से बाहर के विपक्षी दलों को भी आमंत्रित किया गया है। इनमें द्रमुक (डीएमके), आम आदमी पार्टी (आप) और बीजू जनता दल (बीजेडी) प्रमुख हैं। इसके अलावा एनसीपी (शरद पवार) समेत अन्य विपक्षी दलों से भी समर्थन जुटाने की कोशिश की जा रही है।
कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन दलों को साथ लाने की है, जो 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। पार्टी का मानना है कि यदि डीएमके, बीजेडी, आप और एनसीपी (शरद पवार) समेत अन्य दल एक साझा रणनीति पर सहमत होते हैं तो सरकार के लिए विधेयक को आगे बढ़ाना राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वहीं, सरकार भी इस मुद्दे पर अपनी तैयारी के साथ आगे बढ़ती नजर आ रही है। बैठक में विपक्षी दलों के बीच इसी रणनीतिक स्थिति पर विचार-विमर्श होने की संभावना है।

बेंगलुरु: उपमुख्यमंत्री आवास और विधान सौध को उड़ाने की फर्जी धमकी, एक गिरफ्तार

बेंगलुरु,एजेंसी। । बेंगलुरु में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के आवास और प्रतिष्ठित विधान सौध को बम से उड़ाने की फर्जी धमकी देने के आरोप में 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कार्तिक आर. के रूप में हुई है, जो ब्यादरहल्ली इलाके के बालाजीनगर का निवासी है। यह धमकी पांच नवंबर को दी गई थी, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने बताया कि कार्तिक ने ऑटो-रिक्शा बुकिंग ऐप के माध्यम से यह धमकी दी थी। पांच नवंबर की शाम को एक ऑटो-रिक्शा चालक को एप पर पैलेस नगर से राजराजेश्वरी नगर तक की बुकिंग मिली थी। जब चालक ने ग्राहक को लेने के लिए फोन किया, तब कथित तौर पर कार्तिक ने खुद को मुख्यमंत्री के आवास के अंदर बताया। उसने चालक को गेट पर मौजूद पुलिसकर्मी को फोन देने को कहा और धमकी दी कि उसने उपमुख्यमंत्री के आवास और विधान सौध में बम लगाए हैं, जो मुख्यमंत्री के काफिले के गुजरने पर फट जाएंगे। पुलिसकर्मी ने तत्काल ऑटो की जांच की और मामले की गंभीरता को समझा। शुरुआत में बीमार रिश्तेदार की देखभाल में व्यस्त होने के कारण चालक तुरंत शिकायत दर्ज नहीं करा सका। हालांकि, बाद में चालक ने सात नवंबर को सदाशिवनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उसी दिन आरोपी कार्तिक आर. को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(4) (आपराधिक धमकी) और 353(1)(बी) (सार्वजनिक शरारत को बढ़ावा देने वाले बयान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

भारत पाकिस्तान सीमा पर तैनात करेगा पांचवां एस-400 सिस्टम, वायुसेना टीम रूस रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत अपनी पश्चिमी सीमा, खासकर जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती देने की तैयारी में जुटा है। इसी कड़ी में भारतीय वायुसेना (आईएएफ) पाकिस्तान से लगी 740 किलोमीटर लंबी एलओसी पर अपना पांचवां एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने जा रही है। अगले महीने, भारतीय वायुसेना की उच्च स्तरीय टीम सिस्टम के प्री-डिस्पैच इंस्पेक्शन के लिए रूस का दौरा करेगी, जिसकी तैनाती फरवरी 2027 तक पूरी होने की उम्मीद है।
यह महत्वपूर्ण कदम पाकिस्तान और चीन द्वारा अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने की पृष्ठभूमि में उठाया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, चीन 2027 तक पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के जे-35 लड़ाकू विमान दे सकता है। इसके जवाब में, भारत लंबी दूरी के हथियार और लोइटरिंग म्यूनिशन विकसित करने और खरीदने की योजना बना रहा है, ताकि चीन की पीएल-15 ईलंबी दूरी की मिसाइलों और एचक्यू-9बीई एयर डिफेंस सिस्टम का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी वायुसेना ने चीनी जे-10 लड़ाकू विमानों और स्वीडिश अवाक्स की मदद से करीब 200 किलोमीटर रेंज वाली पीएल-15 ई मिसाइलों का इस्तेमाल किया था, जो इस खतरे की गंभीरता को दिखाता है।
पाकिस्तान की सैन्य शक्ति को चीन और तुर्किये लगातार बढ़ा रहे हैं। चीन पाकिस्तान को 8 हैंगोर क्लास पनडुब्बियां बेच रहा है, जिसकी कीमत 5 अरब डॉलर से अधिक है, जिसमें से एक पनडुब्बी जून 2026 तक पाकिस्तानी नौसेना में शामिल हो चुकी है। तुर्किये पाकिस्तान की अगोस्टा-90बी पनडुब्बियों को अपग्रेड करने के साथ लंबी दूरी के कामिकेज ड्रोन भी उपलब्ध करा रहा है। इसके अतिरिक्त, चीन पाकिस्तान को मिसाइल दागने में सक्षम विंग लूंग-2 ड्रोन पहले ही दे चुका है। अमेरिका भी पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने में सहायता कर रहा है, जबकि सऊदी अरब पाकिस्तान को आर्थिक मदद प्रदान कर रहा है। एस-400 ट्रायम्फ, रूस द्वारा विकसित एक बेहद उन्नत मिसाइल सिस्टम है, जो कि 2007 में लांच किया गया था। यह फाइटर जेट, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल, ड्रोन और स्टेल्थ विमानों सहित हवा में कई तरह के खतरों को मार गिराने में सक्षम है, और दुनिया के सबसे आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम में से एक माना जाता है।
भारत के पास वर्तमान में एस-400 की तीन ऑपरेशनल स्क्वाड्रन तैनात हैं। पहली स्क्वाड्रन 2021 में पंजाब में, दूसरी जुलाई 2022 में सिक्किम (चीन सीमा पर) और तीसरी फरवरी 2023 में राजस्थान-गुजरात या पंजाब-राजस्थान सीमा पर तैनात की गई थी, जो पश्चिमी सीमा की सुरक्षा मजबूत करती है। चौथी स्क्वाड्रन, जिसकी पहली खेप जून 2026 में मिली, असम में तैनात है और अरुणाचल प्रदेश में चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की सुरक्षा करती है। प्रत्येक स्क्वाड्रन 256 मिसाइलों से लैस होती है।
एस-400 सिस्टम की क्षमता का प्रमाण ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिला था, जब भारतीय वायुसेना के एस-400 ने पाकिस्तान के अंदर 314 किलोमीटर की दूरी पर उड़ रहे एक पाकिस्तानी सैन्य विमान को सफलतापूर्वक मार गिराया था। रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी एयरस्पेस में सैन्य और नागरिक उड़ानों के एकसाथ होने के बावजूद, वायुसेना ने अपने विशेष सिस्टम से सैन्य विमान की सटीक पहचान की। एस-400 ने खतरे को ट्रैक किया और लंबी दूरी की जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल को निर्देशित करते हुए पाकिस्तानी विमान पर अचूक निशाना लगाया।

इंडिया गठबंधन ने कहा- अगर सीएम योगी नहीं तो यूपी नहीं

योगी की जमकर कर रहा तारीफ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गलियारों में एक दिलचस्प मोड़ आया है। इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेता और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए उन्हें काबिल व्यक्ति बताया है। उन्होंने यहाँ तक कहा, अगर योगी नहीं तो यूपी नहीं। यह बयान ऐसे समय आया है जब राज्य में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान अभी नहीं हुआ है और सभी दल अपनी चुनावी बिसात बिछाने में लगे हैं। गुरुवार को संजय राउत ने कहा, अगर योगी जी ने खुद के नाम का ऐलान किया है, तो वह तारीफ के काबिल हैं। वह काबिल आदमी हैं। हम भी योगी जी को बहुत प्यार करते हैं। योगी जी हिंदुत्व का एक ऐसा चेहरा हैं, जो सबसे ऊपर हैं। अगर योगी नहीं तो यूपी नहीं। योगी जी ही रहेंगे न यूपी में। उन्होंने मुख्यमंत्री के बहुमत पर विश्वास जताते हुए कहा कि विधायक दल का नेता ही मुख्यमंत्री चुनता है और जो विधायक आएंगे, वे योगी जी का ही समर्थन करेंगे।
एक तरफ गठबंधन के नेता सीएम योगी की तारीफ कर रहे हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर मुख्यमंत्री पद के चेहरे को



लेकर पहले से ही बयानबाजी जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को इस सवाल का जवाब देते हुए कहा था कि पार्टी में कौन मुख्यमंत्री पद का चेहरा है और कौन नहीं, यह सभी जानते हैं। उन्होंने जोर दिया कि हमारे लिए कमल ही सब कुछ है और सभी चुनाव कमल के निशान पर लड़ेंगे, जिसमें वे खुद भी शामिल हैं। इससे पहले राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी कमल को ही भाजपा का मुख्यमंत्री चेहरा बताया था। उन्होंने कहा था कि चुनाव कमल के निशान पर लड़ा जाता है और चुनाव के बाद केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री का फैसला होता है। मौर्य ने यह भी कहा कि फिलहाल योगी जी हमारे मुख्यमंत्री हैं और चुनाव के बाद वे ही रहेंगे या कोई और, इसका फैसला तब के विधायक करेंगे। भाजपा के दोनों शीर्ष नेताओं के बयानों ने आगामी चुनाव के बीच मुख्यमंत्री पद के चेहरे के मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया है। हालांकि, केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने गुरुवार को स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य में भाजपा बहुमत से सरकार बनाएगी और योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री के तौर पर फिर से मजबूत जनादेश के साथ सत्ता में लौटेंगे। उन्होंने प्रदेश में डबल इंजन की सरकार के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास कार्यों की सराहना की। यह राजनीतिक सरगर्मी ऐसे समय में हो रही है जब भाजपा उत्तर प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने की कोशिश में है, वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने गठबंधन किया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 376 सीटों पर लड़कर 255 पर शानदार जीत दर्ज की थी। समाजवादी पार्टी ने 347 सीटों पर उम्मीदवार उतारे और 111 पर जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस को 399 सीटों पर लड़ने के बावजूद महज 2 सीटें ही मिली थीं। बहुजन समाज पार्टी को 1 और राष्ट्रीय लोकदल को 8 सीटों पर जीत मिली थी। आगामी चुनाव में देखना होगा कि ये समीकरण क्या नया रंग लेते हैं।

प्रकाश पर्व जत्थे से पाकिस्तान में तीन भारतीय श्रद्धालु लापता

नई दिल्ली , एजेंसी । श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर पाकिस्तान गए भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे से 3 लोगों के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। पंजाब निवासी ये तीनों श्रद्धालु 25 नवंबर की सुबह ननकाना साहिब से पंजा साहिब रवाना होने से पहले अपने स्थान पर नहीं मिले। कुल 2,339 श्रद्धालुओं का जत्था 22 नवंबर को ननकाना साहिब पहुंचा था, जहां 23 और 24 नवंबर को सभी मौजूद थे। उनकी गुमशुदगी की खबर मिलते ही तलाश शुरू कर दी गई है और उनके बारे में कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है, जिससे चिंताएं बढ़ी हैं। लापता होने वालों में जालंधर के फिल्लौर स्थित खोखेवाल गांव के बिक्कर सिंह, तरनतारन की गुरु नानक कॉलोनी के विक्रमजीत सिंह और अमृतसर के सुल्तानविंड निवासी हरप्रीत सिंह शामिल हैं। इस घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, विशेषकर तब जब पहले भी ऐसी घटना सामने आ चुकी है।

यूपी में सपा कांग्रेस का गठबंधन अटका, गोवा में तैयारी पूरी

पणजी, एजेंसी । गोवा में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने भाजपा विरोधी वोटों को एकजुट करने की रणनीति अपनाई है। पार्टी छोटे और क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन में उतरने की तैयारी कर रही है, ताकि सत्ताधारी भाजपा को चुनौती दी जा सके और विपक्ष के वोटों को बंटने से रोका जा सके। गोवा फॉरवर्ड ब्लॉक (जीएफबी) और रिवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी (आरजीपी) सहित कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन की संभावनाओं पर मंथन चल रहा है। पिछले 15 वर्षों से गोवा में सत्ता से बाहर कांग्रेस के लिए यह चुनाव वापसी का बड़ा मौका है। 2012 के बाद के चुनावों में पार्टी का वोट प्रतिशत लगातार गिरता रहा है, जो 28-32 फीसदी के आसपास था। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 28.5 फीसदी से घटकर सिर्फ 23 फीसदी रह गया, जबकि भाजपा अपना 32 फीसदी वोट बरकरार रखने में सफल रही। इस तरह, दोनों प्रमुख दलों के बीच सीधे दस फीसदी का अंतर पैदा हो गया, जो 40 सीट वाली विधानसभा में बेहद महत्वपूर्ण है। कांग्रेस के सामने अपना वोट प्रतिशत बढ़ाने के साथ-साथ भाजपा विरोधी वोटों को एकजुट रखने की चुनौती है, और इसी वजह से वह गठबंधन को अहम मान रही है। इस बीच, गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) का आम आदमी पार्टी से दूर होना कांग्रेस के लिए एक सकारात्मक संकेत है। कुछ माह पहले आप और जीएफपी ने गोवा फर्स्ट गठबंधन का ऐलान किया था, लेकिन हाल ही में जीएफपी अध्यक्ष और विधायक विजय सरदेसाई ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी अब कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना तलाश रही है। उनके मुताबिक, आप के कांग्रेस विरोधी रुख के कारण गोवा फर्स्ट गठबंधन पर बातचीत आगे नहीं बढ़ पा रही है। चुनावी रणनीतिकारों का मानना है कि 2022 के चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) को मिले करीब सात फीसदी वोटों ने हार-जीत के समीकरणों को काफी हद तक प्रभावित किया था। इन चुनावों में आप के कारण कांग्रेस को पांच सीटों का नुकसान हुआ, क्योंकि इन सीटों पर आप को मिले वोट कांग्रेस और भाजपा के बीच जीत के अंतर से कहीं अधिक थे। हालांकि, कांग्रेस का आकलन है कि 2022 के मुकाबले आगामी चुनावों में आप का प्रभाव कम हुआ है। 2022 में आप दिल्ली में सत्ता में थी और मतदाता उसे एक मजबूत विकल्प के तौर पर देख रहे थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह उन्मूलन दिवस पर लातेहार में कैंडल मार्च, दिलाई गई शपथ

बिभा संवाददाता



लातेहारः अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह उन्मूलन दिवस के अवसर पर आज समाहरणालय परिसर, लातेहार से उपायुक्त संदीप कुमार की उपस्थिति में कैंडल मार्च निकाला गया। इस दौरान उपायुक्त ने उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को बाल विवाह उन्मूलन की शपथ दिलाई।कैंडल मार्च के माध्यम से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा इसके पूर्ण उन्मूलन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सभी ने बाल विवाह को रोकने, बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।इस दौरान उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक कुरीति है, जो बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य को प्रभावित करती है। इसके पूर्ण उन्मूलन के लिए प्रशासन के साथ-साथ समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करना और बच्चों को शिक्षा एवं विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।उपायुक्त ने सभी से अपील की कि बाल विवाह की किसी भी सूचना पर तत्परता से संबंधित अधिकारियों को अवगत कराएं तथा बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।कैंडल मार्च समाहरणालय परिसर से प्रारंभ होकर कचहरी तक निकाला गया। इसके माध्यम से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के विरुद्ध आमजनों को जागरूक करने तथा बाल विवाह जैसी कुप्रथा के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने और प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित एवं बेहतर भविष्य देने का संदेश दिया गया।बाल विवाह मुक्त लातेहार, सुरक्षित बचपन और उज्ज्वल भविष्य की ओर एक कदम।मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन,मुख्यालय डीएसपी प्रदीप कुमार अन्य संबंधित पदाधिकारी, सेविका, सहायिका उपस्थित थे।

सड़क हादसे में सीसीएल कर्मी नरेश रविदास की मौत, क्षेत्र में शोक

बोकारोः कथारा जूनियर डीएवी के पास शुक्रवार रात करीब आठ से नौ बजे के बीच हुए सड़क हादसे में सीसीएल कर्मी नरेश रविदास (45) की मौत हो गई। स्वांग कर्मटिया निवासी नरेश रविदास जरंगडीह कोलियरी की डीजल डिस्पेंसिंग यूनिट (डीडीयू) में कार्यरत थे। हादसे के बाद स्थानीय लोग उन्हें कथारा अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। नरेश रविदास परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे और उनके निधन से पत्नी व दो बच्चों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सहकर्मियों और स्थानीय लोगों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। सूचना मिलते ही बोकारो थर्मल थाना से पेट्रोलिंग कर रहे एसआई दीपक पासवान पुलिस टीम के साथ कथारा अस्पताल पहुंचे। पुलिस दुर्घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच कर रही है।

सफाई कर्मियों को मिला समानता और सामाजिक समावेशन का पाठ, दैनिक व्यवहार में अपनाने की अपील



बिभा संवाददाता

बरहरवा । समाज के सभी वर्गों को समान अवसर प्रदान करने और लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को नगर पंचायत बरहरवा के तत्वावधान में लैंगिक समानता एवं सामाजिक समावेशन(जीईएसआई) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इसमें नगर पंचायत के सफाई कर्मियों को समाज में समानता, आपसी सहयोग,सम्मान और समावेशिता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि समाज के विकास में महिला और पुरुष दोनों की समान भागीदारी जरूरी है। किसी भी व्यक्ति के साथ जाति, लिंग, सामाजिक स्थिति या आर्थिक परिस्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए।इस अवसर पर नगर प्रबंधक महफूज आलम ने कहा कि लैंगिक समानता और सामाजिक समावेशन केवल एक प्रशिक्षण का विषय नहीं,बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन और कार्य व्यवहार में भी अपनाने की जरूरत है। नगर पंचायत में कार्यरत प्रत्येक सफाई कर्मी की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी कर्मियों को बिना किसी भेदभाव के सम्मान और समान अवसर मिलना चाहिए। सफाई कर्मी नगर की स्वच्छता व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इस तरह के प्रशिक्षण से कर्मियों में जागरूकता बढ़ेगी और आपसी सहयोग की भावना मजबूत होगी। मौके पर नगर पुरुषोत्तम देव,मुकेश कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध लकड़ी लदा ट्रैक्टर जब्त



साहेबगंज (बिभा)। जिले में अवैध लकड़ी की कटाई और परिवहन के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मंडरो रेंज क्षेत्र में वन विभाग की टीम ने अवैध रूप से लकड़ी लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। ट्रैक्टर पर जलेबी लकड़ी के बोटा लदे हुए थे, जिन्हें दिहारी से मिजाचौकी स्थित एक आरा मिल ले जाया जा रहा था। जानकारी के अनुसार वन विभाग की टीम ने हाजीपुर मोड़ के आगे ट्रैक्टर को रोककर जांच की। जांच के दौरान ट्रैक्टर पर लदी लकड़ी के परिवहन से संबंधित अनियमितता सामने आने पर टीम ने लकड़ी सहित स्वराज 735 एफई ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। इसके बाद जब्त वाहन को वन प्रमंडल कार्यालय, साहेबगंज लाया गया। इस कार्रवाई का नेतृत्व मंडरो-मिजाचौकी क्षेत्र के उप वन परिसर पदाधिकारी अंकित कुमार झा ने किया। जब्त लकड़ी और वाहन के मामले में वन विभाग की ओर से नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं वन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध लकड़ी कारोबारियों में हड़कंप है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन संपदा की अवैध कटाई और तस्करी पर रोक लगाने के लिए निगरानी के साथ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

मोटरसाइकिल की चपेट में आने से 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत, शादी समारोह में शामिल होने आए थे मसकलैया

तालझारी(बिभा) । तालझारी थाना क्षेत्र के मसकलैया गांव में मोटरसाइकिल की चपेट में आने से बिहार निवासी 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान भागलपुर जिले के बुद्धूचक थाना क्षेत्र अंतर्गत एकचारी गांव निवासी किशोर कुमार शर्मा के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, किशोर कुमार शर्मा मसकलैया सोनार पट्टी निवासी विलास स्वर्णकार के घर शादी समारोह में शामिल होने आए थे। इसी दौरान रात के समय राजमहल थाना क्षेत्र के मसकलैया निवासी छोटू मंडल की मोटरसाइकिल की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। इधर घटना की सूचना मिलने पर तालझारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए साहेबगंज भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि किशोर कुमार शर्मा अपने समधी के घर शादी समारोह में शामिल होने मसकलैया आए थे। इसी दौरान सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

नर्सिंग कौशल कॉलेज मे एएनएम छात्रों के चौथे बैच का जश्न कार्यक्रम का शुभारंभ



लातेहार(बिभा): नर्सिंग कौशल कॉलेज में शुक्रवार को एएनएम छात्रों के चौथे बैच का जश्न कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त संदीप कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नर्सिंग सेवा का क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में नर्सिंग कर्मियों की भूमिका अत्यंत अहम है। उपायुक्त ने छात्राओं को लगन, मेहनत और समर्पण के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में बेहतर कार्य के लिए तकनीकी दक्षता के साथ-साथ संवेदनशीलता, अनुशासन और सेवाभाव भी जरूरी है, ताकि वे भविष्य में एक कुशल और जिम्मेदार स्वास्थ्यकर्मी बनकर समाज व जिले की सेवा कर सकें। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के प्रिंसिपल, शिक्षकगण, स्वास्थ्य विभाग के कर्मी और एएनएम की छात्राएं उपस्थित थीं।

चेक बाउंस मामले में अभियुक्त को एक साल की सजा, 35 लाख रुपये जुर्माना

तेनुघाट (बोकारो) (बिभा): तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी दिग्विजय नाथ शुक्ला ने चेक बाउंस के मामले में धनबाद के बरमसिया निवासी राजीव कुमार सिंह उर्फ अनंत कुमार उर्फ अनंत सिंह को एक साल की सजा और 35 लाख रुपये जुमार्ना सुनाया। शिकायतकर्ता तेनुघाट निवासी तेज नारायण तिवारी के अनुसार, उन्होंने ठेकेदारी के लिए वर्ष 2021 में अपने परिचित अभियुक्त को 53 लाख रुपये खाते में और 4 लाख रुपये नकद सहित कुल 57 लाख रुपये दिए थे। आरोप के मुताबिक, अभियुक्त ने 17 लाख 27 हजार रुपये लौटाए, लेकिन 39 लाख 73 हजार रुपये बकाया रहे। तकादा करने पर अभियुक्त ने 30 लाख रुपये का चेक दिया, जो खाते में राशि नहीं होने के कारण बाउंस हो गया, जिसके बाद मामला दर्ज कराया गया। गवाही और दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई। फैसले के बाद अभियुक्त के अधिवक्ता ने अपील के लिए आवेदन दिया, जिस पर उसे जमानत मिल गई। परिवादी की ओर से अधिवक्ता वीरेंद्र प्रसाद ने पैरवी की।

फुटबॉल प्रतियोगिता में घायल खिलाड़ी सोनू उरांव की मौत, पावरगंज चौक पर सड़क जाम

बिभा संवाददाता



लोहरदगाः झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत 20 नवंबर को नदिया मिनी स्टेडियम में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता के दौरान घायल हुए 17 वर्षीय खिलाड़ी सोनू उरांव की शुक्रवार को रांची के रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। कुडू क्षेत्र के कड़ाक फंगाटोली निवासी सोनू खेल के दौरान खिलाड़ियों की टक्कर में गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे पहले सदर अस्पताल और फिर रिम्स रेफर किया गया था। मौत की खबर मिलते ही आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शुक्रवार शाम करीब पांच बजे पावरगंज चौक पर लोहरदगा-रांची मुख्य मार्ग जाम कर दिया।
परिजनों ने प्रशासन, खेल और स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि आयोजन में मेडिकल टीम, एंबुलेंस और पेयजल की व्यवस्था नहीं थी, जिस कारण सोनू को ऑटो से अस्पताल ले जाना पड़ा और समय पर इलाज न मिलने से उसकी जान गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि घटना की सूचना घंटों बाद दी गई और रिम्स में इलाज के दौरान प्रशासन या सरकार का कोई प्रतिनिधि नहीं पहुंचा। मौके पर पहुंचे जेएलकेएम जिलाध्यक्ष किशोर उरांव ने भी व्यवस्था पर सवाल उठाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी की मांग की।
एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा और अंचलाधिकारी ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण उपायुक्त को बुलाने और मांगों पर ठोस पहल की जिद पर अड़े रहे। जाम के कारण लोहरदगा-रांची मार्ग पर आवागमन बाधित रहा, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। खबर लिखे जाने तक जाम जारी था और प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई थी।

जन शिकायत निवारण में उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्या

बिभा संवाददाता



लातेहारः उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया।जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एकझएक कर उनकी समस्याएँ सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा।आज के जन शिकायत निवारण में मुख्य रूप से जीविकापोर्जन हेतु कार्य के संबंध में , आंगनबाड़ी सेविका पद पर नियुक्ति संबंधित, दिव्यांग प्रमाण पत्र निर्गत करने संबंधित, अबुआ आवास का पैसा नहीं मिलने संबंधित, जमीन विवाद संबंधी जुड़े आवेदन आये। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित कर सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए , समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया। उपायुक्त के निदेर्शानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

बेड़ो के टिकराटोली में युवा सम्मेलन आयोजित, स्वामी भवेशानंद ने दिया नए भारत के निर्माण का संदेश

बिभा संवाददाता



बेड़ो। प्रखंड के घाघरा पंचायत अंतर्गत टिकराटोली गांव में शुक्रवार को रामकृष्ण मिशन आश्रम एवं दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र, मोराबादी की ओर से झारखंड सरकार के खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सहयोग से प्रखंड स्तरीय युवा सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। स्वागत भाषण जॉन टोप्पो ने दिया।
मौके पर आश्रम के सचिव स्वामी भवेशानंद जी ने सामूहिक ध्यान कराया। ह्यनया भारत गढ़ोह्ल विषय पर युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, बुद्धि और अच्छे भाव के समन्वय से ही सशक्त व्यक्तित्व एवं समृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की उक्ति ह्यबनो और बनाओह्ल का उल्लेख करते हुए युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।
योग शिक्षक प्रीतम बनिक ने योगाभ्यास कराया। वहीं स्वामी भक्तिशानंद जी ने चरित्र निर्माण और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। कार्यक्रम में मुखिया रमेश मुंडा, कृष्णा गोप, राजीव रंजन धान, अणिमा बासु, मंटू उरांव एवं कृष्णा उरांव ने भी विचार रखे। इस दौरान जरूरतमंद बुजुर्गों के बीच कंबल, धोती एवं साड़ियों का वितरण किया गया। अंत में रीना ठाकुर ने समापन गीत प्रस्तुत किया।

रेडक्रॉस भवन में आज हवाई हमले की मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट का होगा अभ्यास, सायरन बजाकर दी

बिभा संवाददाता



जमशेदपुर । हवाई हमले जैसी आपातकालीन स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखने और आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की ओर से 28 नवंबर 2026 को मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट अभ्यास आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम अपराह्न 3:30 बजे शुरू होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मॉक ड्रिल का आयोजन साकची स्थित रेड क्रॉस भवन में किया जाएगा, जबकि निर्मल गेस्ट हाउस, सर्किट हाउस एरिया में ब्लैक आउट (बत्ती बंद) का अभ्यास होगा। इस दौरान हवाई हमले की पूर्व चेतावनी देने के लिए सायरन बजाया जाएगा, ताकि आम नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में मिलने वाले संकेतों और सतर्कता के प्रति जागरूक किया जा सके। जिला प्रशासन ने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य संभावित खतरे की स्थिति में लोगों और संबंधित विभागों की तैयारियों को मजबूत करना है।
उल्लेखनीय है कि यह मॉक ड्रिल पहले 26 नवंबर 2026 को निर्धारित थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से इसे स्थगित कर अब 28 नवंबर की तिथि तय की गई है। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सभी संबंधित विभागों को निर्धारित समय पर आवश्यक उपकरणों, साजो-सामान और संसाधनों के साथ उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। मॉक ड्रिल के दौरान विभिन्न विभागों के बीच आपसी समन्वय, आपातकालीन प्रतिक्रिया, राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का परीक्षण किया जाएगा। इसका उद्देश्य किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों से मॉक ड्रिल में सहयोग करने तथा प्रशासन की ओर से जारी निदेर्शों का पालन करने की अपील की है।

कोयला चोरी के खिलाफ सीआईएसएफ-सीसीएल की संयुक्त कार्रवाई, 27.640 टन अवैध कोयला जब्त



बोकारो(बिभा): बेरमो कोयलांचल में कोयला चोरी और अवैध कारोबार के खिलाफ सीआईएसएफ और सीसीएल सुरक्षा विभाग ने संयुक्त अभियान चलाया। 26-27 नवंबर की मध्यरात्रि दो बजे से चार बजे तक किए गए विशेष अभियान में रानीबाग क्षेत्र और पांच नंबर पीपल धोरा बस्ती स्थित काली मंदिर के पास विभिन्न स्थानों से 27.640 टन अवैध कच्चा कोयला बरामद कर जब्त किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर सीआईएसएफ अपराध शाखा ने इसकी पुष्टि की और संबंधित महाप्रबंधक राजीव कुमार सिंह से समन्वय के बाद कमांडेंट के निर्देश पर खोज अभियान चलाया गया। जब्त कोयला आगे की कार्रवाई के लिए सीसीएल प्रबंधन को सौंपा गया है। अभियान के दौरान मकोली में एसबीआई एटीएम के पास संचालित एक अवैध रैट होल को भी बंद कराया गया। संयुक्त कार्रवाई में सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट के.वी. श्रीधर, रवि रंजन, संतोष तिवारी, अमित कुमार, क्रिस्टोफर प्रसाद, एच.के. सिंह, अतुल व अन्य जवानों के साथ सीसीएल के सुरेश सिंह, शिलचंद, अनाम हेराइस, मानिक दिगार, चौधरी रजक समेत अन्य सुरक्षाकर्मी शामिल थे। सीआईएसएफ ने अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में 80 विद्यार्थियों को दिया गया सीपीआर का प्रशिक्षण



बिभा संवाददाता

बेड़ो। डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, बेड़ो में गुरुवार को विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों की जान बचाने का हुनर सिखाने के उद्देश्य से सीपीआर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। एमवर्सिटी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में कक्षा 11वीं और 12वीं के 80 विद्यार्थियों सहित 10 शिक्षकों ने भाग लिया।
कार्यशाला में एमवर्सिटी की विशेषज्ञ टीम के प्रबंधक आकाश गुप्ता, ओटी प्रशिक्षक सुरभि चक्रवर्ती, ज्योत्सना और दिवाकर कुमार ने विद्यार्थियों को हार्ट अटैक एवं कार्डियक अरेस्ट के शुरूआती लक्षणों की जानकारी दी। साथ ही आपातकालीन स्थिति में तुरंत सहायता पहुंचाने और सीपीआर देने की सही तकनीक समझाई। प्रशिक्षकों ने डेमो के माध्यम से सीपीआर की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया और विद्यार्थियों से इसका अभ्यास भी कराया।
इस दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट जैसी गंभीर स्थिति में समय पर दी गई प्राथमिक सहायता और सही तरीके से किया गया सीपीआर किसी व्यक्ति की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और विशेषज्ञों से सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया।
विद्यालय के प्राचार्य कैलाश कुमार ने विशेषज्ञ टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन की वास्तविक परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार करना भी है। सीपीआर जैसी जीवनरक्षक तकनीक की जानकारी प्रत्येक विद्यार्थी और नागरिक के लिए जरूरी है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास के साथ सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है।
कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने इस पहल की सराहना की और भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

जिला प्रशासन, लातेहार की अपील - बाल विवाह को कहें ना, खुशहाल भविष्य को कहें हां

बिभा संवाददाता



लातेहारः जिला प्रशासन (जिला समाज कल्याण) के तत्वावधान में आज लातेहार प्रखंड कार्यालय के सभागार में बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता हेतु शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करना और ₹बाल विवाह मुक्त झारखंड₹ के सपने को साकार करना है।इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, लेडी सुपरवाइजर एवं लाभार्थियों ने बाल विवाह मुक्त लातेहार करने की शपथ ली।जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने कहा कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है बल्कि यह बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य के लिए भी हानिकारक है। सभी से अपील की गई कि वे अपने गांव-पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने में सहयोग करें। सभी से आग्रह किया गया कि किसी भी वैवाहिक कार्यक्रम जिसमें बाल विवाह किया जा रहा हो उसमें शामिल ना हो।
प्रखंड विकास पदाधिकारी लातेहार द्वारा इसमें किस किस सजा का प्रावधान है इस पर विस्तार से चर्चा की गई।
वैदिक सोसाइटी द्वारा बाल विवाह के पीड़ित को बुलाकर सम्मानित किया गया। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी द्वारा सभी योजना की जानकारी जो बच्चियों/किशोरी से संबंधित है उस पर चर्चा की गई ।कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी लातेहार मनोज तिवारी ,बाल विकास परियोजना पदाधिकारी वैदिक सोसाइटी के सचिव,सीडब्ल्यूसी सदस्य,जिला बाल संरक्षण इकाई के सभी कर्मी,महिला पर्यवेक्षक,सेविका और विभिन्न प्रखंडों से पीड़ित और किशोरी उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

फ्लैट की रजिस्ट्री के बाद भी बिल्डर जिम्मेदार, धोखाधड़ी पर 9% ब्याज समेत लौटानी होगी रकम: हाईकोर्ट

एजेंसी

पटना। पटना हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि फ्लैट की रजिस्ट्री होने के बाद भी बिल्डर की उपभोक्ता के प्रति जिम्मेदारी खत्म नहीं होती। एक ही फ्लैट दो लोगों को बेचने और निर्विवाद कब्जा नहीं देने के मामले में अदालत ने बिल्डर को पूरी रकम नौ प्रतिशत सालाना ब्याज के साथ तीन महीने में लौटाने का आदेश दिया है। फ्लैट की रजिस्ट्री करा देने मात्र से बिल्डर और खरीदार के बीच उपभोक्ता संबंध समाप्त नहीं हो जाता। यदि बिल्डर खरीदार को संपत्ति का शांतिपूर्ण और निर्विवाद कब्जा देने में विफल रहता है तो इसे सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा। पटना हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में यह टिप्पणी करते हुए बिल्डर को खरीदारों की पूरी रकम नौ प्रतिशत सालाना ब्याज के साथ तीन महीने के भीतर लौटाने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति आलोक कुमार की एकलपीठ ने डॉ. अभय कुमार और डॉ. अमृता प्रवी की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। अदालत ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के 31 जनवरी 2024 के आदेश को रद्द कर दिया। आयोग ने पहले खरीदारों की शिकायत और अपील को सुनवाई योग्य नहीं मानते हुए खारिज कर दिया था। मामले के अनुसार, याचिकाकताओं ने 3 अक्टूबर 2012 को पटना के कंकड़बाग स्थित वृंदावन अपार्टमेंट में फ्लैट नंबर 501-ए खरीदा था। इसके लिए उन्होंने बैंक से 28.40 लाख रुपये का ऋण लेकर बिल्डर को भुगतान किया था। बाद में उन्हें पता चला कि बिल्डर इस फ्लैट के संबंध में 5 मार्च 2011 को ही अंजनी कुमार सिन्हा के साथ बिक्री का एकरारनामा कर चुका था। बिल्डर ने पहले हुए इस समझौते की जानकारी छिपाकर वही फ्लैट दूसरे खरीदारों को बेच दिया। इसके कारण याचिकाकताओं को आज तक संपत्ति का शांतिपूर्ण और निर्विवाद कब्जा नहीं मिल सका। हाईकोर्ट ने माना कि एक ही फ्लैट के संबंध में पहले किसी अन्य व्यक्ति से एकरारनामा करना और फिर तथ्य छिपाकर दूसरे खरीदार के नाम बिक्री विलेख निष्पादित करना सेवा में गंभीर कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार है। रजिस्ट्री के बाद भी मुआवजा मांगने का अधिकार बरकरार हाईकोर्ट ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के आरिफुर रहमान खान और टीकेए पद्मनाभन मामलों में दिए गए निर्णयों का भी उल्लेख किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि फ्लैट की रजिस्ट्री हो जाने या बाद में कब्जा मिल जाने से भी खरीदार का मुआवजा मांगने का अधिकार समाप्त नहीं होता। खरीदारों को अपने कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए अनिश्चितकाल तक रजिस्ट्री टालने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। समय पर संपत्ति का निर्विवाद कब्जा नहीं देना भी अनुचित व्यापार व्यवहार के दायरे में आता है। अदालत ने बिल्डर को पूरी बिक्री राशि नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ तीन महीने के भीतर लौटाने का निर्देश दिया है। खरीदारों को इस राशि से संबंधित बैंक का बकाया ऋण चुकाना होगा। रकम वापस मिलने के बाद फ्लैट पर खरीदारों का अधिकार समाप्त हो जाएगा। इसके बाद बिल्डर कानून के अनुसार सक्षम न्यायालय में बिक्री विलेख रद्द कराने की कार्रवाई कर सकेगा।

प्रशांत किशोर समेत आठ लोगों को हाईकोर्ट से झटका, अंतरिम राहत देने से इन्कार; केस डायरी तलब

एजेंसी

पटना। पटना हाईकोर्ट ने जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर समेत आठ लोगों को कथित दंगा, सरकारी कार्य में बाधा और निषेधाज्ञा उल्लंघन के मामले में अंतरिम राहत देने से इन्कार कर दिया है। अदालत ने निचली अदालत के संज्ञान आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर केस डायरी तलब की है। जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर समेत आठ लोगों को पटना हाईकोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है। कथित दंगा, गैरकानूनी तरीके से भीड़ जुटाने, सरकारी कार्य में बाधा डालने और निषेधाज्ञा के उल्लंघन के मामले में न्यायालय ने अंतरिम राहत देने से इन्कार कर दिया है। न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार की एकलपीठ ने निचली अदालत के संज्ञान आदेश को निरस्त करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले की केस डायरी तलब की है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता एसडी संजय ने पक्ष रखा। उन्होंने याचिकाकताओं के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सही ठहराते हुए अदालत से किसी भी तरह की अंतरिम राहत नहीं देने का अनुरोध किया। वहीं, याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वाईवी गिरि ने दलील दी कि मामला बिना समुचित विचार किए यांत्रिक तरीके से दर्ज किया गया है। उन्होंने पूरी कार्रवाई को झूठा और निराधार बताते हुए निचली अदालत के संज्ञान आदेश को रद्द करने की मांग की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अंतरिम राहत देने से इन्कार कर दिया और केस डायरी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करने वालों में प्रशांत किशोर के अलावा मनोज कुमार भारती, विवेक कुमार, नरेंद्र प्रसाद मंडल, किशोर कुमार, अरविंद कुमार सिंह, ललन यादव और त्रिपुरारी कुमार तिवारी शामिल हैं। सभी ने पटना के एसीजेएम-द्वितीय की अदालत की ओर से उनके खिलाफ लिए गए संज्ञान के आदेश को निरस्त करने की मांग की है। यह मामला पटना के सचिवालय थाने से जुड़ा है। मामले में 23 जुलाई 2025 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद एसीजेएम-द्वितीय की अदालत ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 191(2), 190, 132 और 223 के तहत संज्ञान लिया था। इसी आदेश को चुनौती देते हुए प्रशांत किशोर समेत आठ लोगों ने हाईकोर्ट का रुख किया है। फिलहाल हाईकोर्ट ने केस डायरी तलब करते हुए मामले की आगे की सुनवाई के लिए प्रक्रिया जारी रखी है।

मोतिहारी जहरीली शराब कांड में चार दोषियों को आजीवन कारावास की सजा, पांच-पांच लाख रुपये का जुमार्ना भी

एजेंसी

पटना। बिहार के पूर्वी चंपारण में 2023 के जहरीली शराब कांड में मोतिहारी की अदालत ने चार दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। हरसिद्धि थाना क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई 12 लोगों की मौत के मामले में स्पीडी ट्रायल के बाद यह फैसला आया है। पूर्वी चंपारण के प्रथम विशेष न्यायाधीश (उत्पाद न्यायालय) ने हरसिद्धि थाना क्षेत्र के चर्चित जहरीली शराब कांड में चार आरोपितों को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय ने लगभग तीन साल तक चली लंबी न्यायिक प्रक्रिया और सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। पुलिस के अनुसार, 11 से 15 अप्रैल, 2023 के बीच जहरीली शराब पीने से जिले के हरसिद्धि, तुर्कौलिया, पहाड़पुर और सुगौली थाना क्षेत्रों में कुल 44 लोगों की जान गई थी। यह फैसला हरसिद्धि थाना क्षेत्र में हुई 12 मौत से जुड़ा है। अदालत ने इस मामले में दोषी पाए गए अजय कुमार यादव, राजेश सहनी, नवल किशोर यादव उर्फ गब्बर यादव और ललन यादव पर पांच-पांच लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ने की राशि जमा न करने की सूरत में दोषियों को एक-एक साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। विशेष उत्पाद न्यायालय ने चारों आरोपितों को बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2018 की विभिन्न धाराओं तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 304/34 के तहत दोषी ठहराया। विशेष उत्पाद अदालत ने चारों दोषियों को अलग-अलग कानूनी धाराओं के तहत सजा सुनाई। न्यायालय ने बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2018 की धारा 34 के तहत चारों दोषियों को सश्रम आजीवन कारावास की सजा देने के साथ पांच-पांच लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। इसके साथ ही अदालत ने अधिनियम की धारा 33, धारा 36 और भारतीय दंड संहिता की धारा 304/34 के अंतर्गत दोषियों को 10-10 वर्ष के कारावास की सजा दी। न्यायालय ने धारा 30(ए) के तहत भी सभी चार दोषियों को पांच-पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत के आदेश के अनुसार, यदि दोषी जुमार्ने की राशि का भुगतान नहीं करते हैं, तो उन्हें एक-एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष ने अदालत के सामने सभी कानूनी साक्ष्यों को प्रस्तुत करके दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की थी। यह दर्दनाक घटना 15 अप्रैल 2023 को घटी थी, जब पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र स्थित धवही गांव में जहरीली शराब पीने के कारण 12 लोगों की मौत हो गई थी। शराब के इस भयानक जहर के कारण एक महिला की आंखों की रोशनी भी हमेशा के लिए चली गई थी। इस हादसे के बाद धवही गांव सहित आसपास के समूचे इलाके में कोहराम मच गया था।

सुबह कोहरे की चादर, दोपहर में खिलेगी धूप; सात दिन बारिश नहीं होगी, पटना समेत कहां का मौसम कैसा रहेगा

एजेंसी



पटना। बिहार में ठंड बढ़ने के साथ मौसम का मिजाज बदलने लगा है। सुबह कोहरा, रात में सर्दी और दोपहर में धूप का सिलसिला जारी रहेगा। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों के लिए क्या अनुमान जताया है? पटना में कब गिरेगा पारा और किन इलाकों में अधिक ठंड महसूस होगी? जानिए अगले पांच दिनों के मौसम का पूरा हाल... बिहार में मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदल रहा है। सुबह और रात में ठंड का एहसास बढ़ने लगा है, जबकि दोपहर में धूप निकलने से लोगों को राहत मिल रही है। इस बीच सुबह के समय कोहरा और धुंध लोगों की परेशानी बढ़ा सकते हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राज्य के कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाए रहने की संभावना है। हालांकि, अगले सात दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं और पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले पांच दिनों तक सुबह के समय राज्य के कुछ इलाकों में कोहरा छा सकता है। अगले सात दिनों तक बिहार में मौसम शुष्क बना रहेगा। बारिश की संभावना नहीं है। अगले दो दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में सुबह हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छा सकता है। इसके बाद दिन में आसमान साफ रहने और धूप निकलने का अनुमान है। अगले तीन से चार दिनों के दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। पटना में 26 डिग्री तक रहेगा अधिकतम तापमान राजधानी पटना में सुबह हल्की धुंध के बाद दिन में आसमान साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, यहां अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 से 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। सुबह और देर रात ठंड का असर अधिक महसूस होगा, जबकि दोपहर में धूप निकलने से मौसम सामान्य रहेगा। पटना में 2 दिसंबर तक न्यूनतम तापमान धीरे-धीरे गिरकर करीब 14 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। उत्तर और दक्षिण बिहार में ऐसा रहेगा तापमान तापमान के पूवार्नुमान के अनुसार, उत्तर-पश्चिम हार में न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। उत्तर-मध्य और उत्तर-पूर्व बिहार में न्यूनतम तापमान 16 से 18 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। वहीं, दक्षिण-पश्चिम बिहार में भी न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। ऐसे में सुबह और रात के समय ठंड का असर बना रहेगा। अरवल सबसे ठंडा, भभुआ में सबसे अधिक तापमान राज्य में दर्ज तापमान के आंकड़ों के अनुसार, अरवल सबसे ठंडा जिला रहा। यहां न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दूसरी ओर, भभुआ में अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे अधिक रहा। राज्य के विभिन्न जिलों में न्यूनतम तापमान 11.2 से 16.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया। फिलहाल बिहार में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। सुबह कोहरा और रात में ठंड लोगों को सर्दी का एहसास करा रही है, वहीं दोपहर की धूप राहत दे रही है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना है। 30 नवंबर और एक दिसंबर को कैसा रहेगा मौसम? राजधानी पटना में ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। सुबह और शाम के समय मौसम में ठंडक महसूस की जा रही है, जबकि दोपहर में धूप निकलने से लोगों को राहत मिल रही है। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना की ओर से जारी पांच दिवसीय पूवार्नुमान के अनुसार, 27 नवंबर से एक दिसंबर तक सुबह के समय कोहरा या धुंध छाई रह सकती है। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ आसमान साफ होने और धूप निकलने की संभावना है। 27 नवंबर को पटना का अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 28 नवंबर को अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम 17 डिग्री रह सकता है। वहीं, 29 नवंबर को दिन का तापमान बढ़कर 27 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। इस दिन न्यूनतम तापमान भी 17 डिग्री रहने का पूवार्नुमान है। 30 नवंबर को पटना में अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

जदयू की 137 सदस्यीय नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित, नीतीश-ललन-संजय झा समेत कई दिग्गजों को मिली जगह



एजेंसी

पटना। बिहार में जदयू ने अपनी नई राज्य कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा की ओर से जारी सूची में कुल 137 नेताओं को जगह मिली है। बिहार प्रदेश जनता दल (यूनाइटेड) ने अपनी नई राज्य कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। राज्य कार्यकारिणी की सूची-2026 में कुल 137 सदस्यों को स्थान दिया गया है। इस जंबो कार्यकारिणी में पार्टी के राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के शीर्ष पदाधिकारियों, केंद्रीय और राज्य मंत्रियों, सांसदों, विधानमंडल के वरिष्ठ सदस्यों, पूर्व जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न जिलों के सक्रिय नेताओं को शामिल किया गया है। कार्यकारिणी में सबसे ऊपर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम है। उनके साथ राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, भारत सरकार के मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, पूर्व सांसद वशिष्ठ नारायण सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और उप मुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव को प्रमुख स्थान मिला है। प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा स्वयं भी इस सूची में शामिल हैं, जबकि मंत्री सह नेता विधायक दल श्रवण कुमार, मंत्री निशांत तथा पूर्व सांसद सह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को भी कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया है।

शिक्षिका रहस्यमय तरीके से लापता, पिता का आरोप- बेटी की हत्या कर शव गायब किया; ससुराल वाले फरार

एजेंसी



पटना। वैशाली के मुतुर्जापुर गांव में शिक्षिका शिवानी कुमारी 25 नवंबर से लापता हैं। पिता ने ससुराल पक्ष पर हत्या कर शव गायब करने और दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस, एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम जांच कर रही है। शिक्षिका के कमरे से संदिग्ध नमूने जुटाए गए हैं। बिहार के वैशाली जिले में एक शिक्षिका के रहस्यमय तरीके से लापता होने का मामला सामने आया है। जंदाहा प्रखंड के महिषौर थाना क्षेत्र के मुतुर्जापुर गांव में रहने वाली करीब 26 वर्षीय शिवानी कुमारी का 25 नवंबर से कोई पता नहीं चल रहा है। बेटी के लापता होने पर पिता ने ससुराल वालों पर उसकी हत्या कर शव गायब करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शिक्षिका के कमरे से खून जैसे संदिग्ध पदार्थ मिलने की भी जानकारी सामने आई है। हालांकि, इसकी पुष्टि एफएसएल की रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। पिता को फोन कर बुलाया, फिर बताया बेटी लापता है जानकारी के अनुसार, शिवानी कुमारी की शादी गौरव अभिषेक से 5 फरवरी 2026 को सोनपुर में हुई थी। उनके पति भुवनेश्वर के अंगुल में रेलवे में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। वहीं, ससुर मुतुर्जापुर गांव में जन वितरण प्रणाली की दुकान चलाते हैं। बताया जा रहा है कि 25 नवंबर को दोपहर में शिक्षिका के ससुर ने उनके पिता कुंदन राय को फोन कर ससुराल बुलाया था। जब पिता वहां पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि शिवानी घर से लापता हो गई है। परिजनों के मुताबिक, उसी दिन ससुराल पक्ष की ओर से महिषौर थाने में भी गुमशुदगी का आवेदन दिया गया था। बेटी के अचानक लापता होने पर पिता को संदेह हुआ। इसके बाद गुरुवार सुबह करीब 10 बजे वह दोबारा बेटी के ससुराल पहुंचे। कुंदन राय के अनुसार, शिवानी ने वर्ष परीक्षा पास की थी। वह ससुराल के पास ही एक स्कूल में शिक्षिका के पद पर कार्यरत थी। पिता का आरोप है कि बेटी को दबाव में रखकर 24, 25 और 26 नवंबर की छुट्टी का आवेदन भी लिखवाया गया था। उन्होंने बताया कि शादी में करीब 30 लाख रुपये नकद, स्कॉर्पियो गाड़ी और अन्य सामान दहेज में दिया था। इसके बावजूद शादी के बाद से ही बेटी को दहेज के लिए परेशान किया जा रहा था। नया मकान बनवाने के नाम पर भी पैसे की मांग की जाती थी। शिवानी फोन पर अक्सर दहेज प्रताड़ना की बात बताती थी, जबकि दामाद हमेशा सब कुछ ठीक होने की बात कहता था। एफएसएल की टीम ने शिक्षिका के कमरे की जांच कर संदिग्ध नमूने एकत्र किए। इनमें खून जैसे पदार्थ होने की बात सामने आई है। हालांकि, नमूनों की वास्तविक प्रकृति की पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। वहीं, डॉग स्क्वायड की टीम ने भी घटनास्थल और आसपास के इलाके में छानबीन की, लेकिन फिलहाल कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। मायके पक्ष की ओर से महिषौर थाने में आवेदन दिए जाने की बात सामने आई है।

दूसरी शादी रचाई, पहली पत्नी पहुंच गई सामने! होटल ले जाने के बहाने निकला पति, रास्ते में खुल गई पोल

एजेंसी



पटना। बिहार जोधपुर में चार साल से साथ रह रही पहली पत्नी ने मुजफ्फरपुर पहुंचकर युवक को दूसरी शादी के बाद पकड़ लिया। युवक उसे होटल में ठहराने के बहाने ले जा रहा था, तभी शक होने पर महिला ने डायल 112 पर पुलिस से मदद मांगी। पुलिस दोनों को थाने ले गई और बालिग होने की पुष्टि के बाद बंधपत्र बनवाकर छोड़ दिया। राजस्थान के जोधपुर में चार साल तक प्रेम संबंध में रहने के बाद शादी कर लिव-इन में रह रहे एक युवक की दूसरी शादी की तैयारी उस समय मुश्किल में पड़ गई, जब उसकी पहली पत्नी उसे खोजते हुए मुजफ्फरपुर पहुंच गई। यूपी की रहने वाली पहली पत्नी को दूसरी शादी की भनक लग गई थी। उसे देखते ही युवक घबरा गया और मामले को छिपाने की कोशिश करने लगा। वह होटल में ठहराने के बहाने महिला को अपने साथ ले गया, लेकिन रास्ते में उसकी गतिविधियों पर महिला को शक हो गया। इसके बाद उसने डायल 112 पर फोन कर पुलिस से मदद मांगी। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को नगर थाने ले आई। मामला नगर थाना क्षेत्र का है। जोधपुर में जानकारी के अनुसार, युवक बिहार के वैशाली जिले के पातेपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वह कई वर्षों से राजस्थान के जोधपुर में रेलवे की बेडशीट और चादरों की धुलाई करने वाली एक निजी ड्राईक्लीनिंग एजेंसी में सुपरवाइजर के पद पर काम कर रहा है। इसी दौरान उसकी मुलाकात बनारस की एक युवती से हुई। दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गया। इसके बाद दोनों ने मंदिर में शादी कर ली और साथ रहने लगे। करीब चार साल से दोनों जोधपुर में रह रहे थे। छठ पर घर आया तो बदल गया इरादा, 25 नवंबर को की दूसरी शादी इसी बीच युवक छठ पूजा के लिए अपने घर बिहार आया। यहां उसने दूसरी शादी की तैयारी शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि 25 नवंबर को उसने दूसरी शादी भी कर ली। इसकी जानकारी जोधपुर में रह रही पहली पत्नी को हो गई। इसके बाद वह युवक को तलाशते हुए मुजफ्फरपुर पहुंच गई। अचानक पहली पत्नी के सामने आने से युवक के होश उड़ गए। होटल में ठहराने के बहाने ले गया,

शादी का जश्न, कार का सनरूफ और अचानक ड्राइवर पर बरसी लात! अनंत सिंह का वीडियो वायरल

एजेंसी



पटना। मोकामा विधायक अनंत सिंह का बेटी की शादी के दौरान का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह रवश की सनरूफ से लोगों का अभिवादन करते हुए पहले ड्राइवर को गमछे से मारते और फिर लात मारते दिखाई दे रहे हैं। उनकी बेटी शिवांगी की शादी 25 नवंबर को ऋषिकेश कुमार उर्फ अंकित से हुई थी। मोकामा के विधायक अनंत सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो उनकी बेटी की शादी के जश्न का बताया जा रहा है। इसमें अनंत सिंह की सनरूफ से बाहर निकलकर मेहमानों और समर्थकों का अभिवादन करते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान वह पहले अपने ड्राइवर को गमछे से मारते हैं और फिर उसे लात मारते दिखाई देते हैं। वीडियो सामने आने के बाद यह घटना चर्चा में है। सनरूफ से हाथ हिलाते रहे, ड्राइवर को गमछे से मारा और फिर जड़ दी लात वायरल वीडियो में अनंत सिंह एक की सनरूफ से बाहर खड़े हैं। गाड़ी के चारों ओर बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं। वह हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन कर रहे हैं। इसी दौरान अचानक वह ड्राइविंग सीट पर बैठे अपने ड्राइवर की तरफ गमछा घुमाते हैं और फिर उसे लात मारते दिखाई देते हैं। इस घटना के बावजूद वह सनरूफ से बाहर खड़े होकर लोगों का अभिवादन करते रहते हैं। यह वीडियो अनंत सिंह की बेटी शिवांगी की शादी के समारोह का बताया जा रहा है। 25 नवंबर को शिवांगी की शादी ऋषिकेश कुमार उर्फ अंकित के साथ हुई। शादी में बड़ी संख्या में मेहमान और समर्थक शामिल हुए थे। इसी दौरान जश्न के बीच का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में ड्राइवर के साथ अनंत सिंह का व्यवहार लोगों का ध्यान खींच रहा है। हालांकि, वीडियो के सामने आने के बाद अनंत सिंह या उनके ड्राइवर की ओर से इस घटना को लेकर कोई प्रतिक्रिया सामने आने की जानकारी नहीं है।

बिहारशरीफ के 6 गांव बनेंगे ग्रोथ हब, जाम से मिलेगी मुक्ति; 588 जलाशयों को भी किया जाएगा पुनर्जीवित

एजेंसी



पटना। बिहारशरीफ के जीआईएस आधारित मास्टर प्लान-2047 में छह गांवों को ग्रोथ हब बनाने, तीन नए रिंग रोड विकसित करने और 588 जलाशयों को पुनर्जीवित करने का प्रस्ताव है। शहर में शिक्षा, पर्यटन, उद्योग और हरित क्षेत्र के विस्तार पर भी जोर दिया गया है। बिहारशरीफ को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान-2047 तैयार किया गया है। इसमें अगले दो दशकों की जरूरतों और तेजी से बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए शहर के सुनियोजित विकास की रूपरेखा बनाई गई है। योजना के तहत शहर के आसपास के छह गांवों को सैटेलाइट ग्रोथ सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा। वहीं, मल्टी-रिंग रोड नेटवर्क तैयार कर मुख्य शहर को जाम से राहत दिलाने और 588 जलाशयों को पुनर्जीवित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा बिहारशरीफ को शिक्षा, पर्यटन, उद्योग और प्रशासन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। छह गांवों में विकसित होंगे अलग-अलग ग्रोथ हब मास्टर प्लान के तहत शहर के चारों ओर स्थित छह प्रमुख गांवों को भविष्य के शहरी विस्तार के केंद्र के रूप में चुना गया है। वर्ष 1991 से 2022 के बीच इतासन भदवा, बियाबानी और मोरातालाब जैसे गांवों की आबादी में 100 से 150 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। ऐसे में बढ़ती आबादी को व्यवस्थित तरीके से बसाने के लिए इन क्षेत्रों में अलग-अलग सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उत्तर दिशा में मोरातालाब को सैटेलाइट टाउनशिप के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। उत्तर-पूर्व में स्थित इतासन भदवा को आबादी के विस्तार के अनुरूप विकसित किया जाएगा। पूर्वी क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स और हाउसिंग हब बनाने की योजना है। दक्षिण-पूर्व में बेहतर कनेक्टिविटी वाले तुंगी, दक्षिण में पचौरी और दक्षिण-पश्चिम में बियाबानी को शहरी विस्तार के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। बियाबानी में सेकेंडरी कमर्शियल हब बनाने का प्रस्ताव है। वहीं, उत्तर-पश्चिम में स्थित दोइया को स्टेट हाईवे से जुड़ाव के कारण औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना है। तीन नए रिंग रोड से शहर को मिलेगी जाम से राहत बिहारशरीफ में बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने के लिए मल्टी-रिंग रोड नेटवर्क विकसित किया जाएगा। इसमें मौजूदा रिंग रोड के अलावा तीन नए रिंग रोड प्रस्तावित हैं। इससे भारी वाहनों को मुख्य शहर में प्रवेश किए बिना बाहर से ही निकाला जा सकेगा। परिणामस्वरूप शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम होगा और जाम के साथ प्रदूषण की समस्या से भी राहत मिलने की उम्मीद है। 588 जलाशयों को पुनर्जीवित करने का लक्ष्य मास्टर प्लान में पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन पर भी जोर दिया गया है। इसके तहत पंचाने और सकरी नदियों के संरक्षण के साथ क्षेत्र के 588 जलाशयों को पुनर्जीवित करने की योजना है। नदी और जलाशयों के आसपास ब्लू-ग्रीन कॉरिडोर, वेटलैंड और इको-पार्क विकसित किए जाएंगे। शहर में हरित क्षेत्र को मौजूदा एक प्रतिशत से भी कम के स्तर से बढ़ाकर 15 प्रतिशत से अधिक करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सिटी पार्क और अर्बन फॉरेस्ट विकसित किए जाएंगे। एजुकेशन हब के साथ पर्यटन और उद्योग को भी मिलेगा बढ़ावा बिहारशरीफ को देशभर के विद्यार्थियों के लिए प्रमुख एजुकेशन हब बनाने की योजना है। इसके लिए मौजूदा कोचिंग संस्थानों का विस्तार करने के साथ नए विश्वविद्यालय, कौशल विकास केंद्र और रिसर्च एवं इनोवेशन पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पीर पहाड़ी, इब्राहिम मलिक बया का मकबरा, मणिराम अखाड़ा, बौद्ध मठ, मोरा तालाब, बड़ी दरगाह और संग्रहालय को जोड़कर हेरिटेज टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जाएगा। वहीं, आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिए मोरातालाब में लेदर इंडस्ट्री क्लस्टर और बसवन बिगहा की प्रसिद्ध बावन बूटी साड़ी के लिए हैंडलूम क्लस्टर बनाने की योजना है। इसके साथ ही लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग हब भी विकसित किए जाएंगे। इन योजनाओं के जरिए बिहारशरीफ को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप एक व्यवस्थित और बहुआयामी शहरी केंद्र बनाने का लक्ष्य है।

डेमोटांड़ बिरहोर टोला में विशेष शिविर आयोजित, डीडीसी ने लिया सुविधाओं का जायजा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: उपायुक्त हेमन्त सती के निर्देश पर शुक्रवार को डेमोटांड़ स्थित बिरहोर टोला में बिरहोर परिवारों के समग्र विकास, बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता और सरकारी योजनाओं से शत-प्रतिशत जोड़ने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की ओर से विशेष शिविर लगाया गया। शिविर में आपूर्ति, पेयजल एवं स्वच्छता, वन, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, उद्योग, मनरेगा, आवास, आधार, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा विभिन्न बैंकों व वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं का लाभ पहुंचाया।



उप विकास आयुक्त (डीडीसी) श्रीमती रिया सिंह ने शिविर, आंगनबाड़ी केंद्र और स्थानीय विद्यालय का निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी केंद्र के नियमित संचालन में लापरवाही पाए जाने पर उन्होंने सेविका को फटकार लगाई और केंद्र को नियमित चलाने का निर्देश दिया। बच्चों के बीच स्वेटर बांटे गए तथा विद्यालय के बच्चों से संवाद कर उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में समझाया और पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया।

डीडीसी ने बिरहोर परिवारों के मकानों का जायजा लेते हुए क्षतिग्रस्त आवासों की मरम्मत और प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत निमार्णाधीन आवासों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। पेयजल की गुणवत्ता जांचने और 15वें वित्त आयोग की राशि से पेयजल समस्या के समाधान तथा जंगली हाथियों से बचाव के लिए टोला के किनारे ट्रेंच निर्माण कराने को कहा गया।

शिविर के दौरान छूटे हुए सदस्यों और बच्चों के जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी की गई। स्वास्थ्य विभाग को एनीमिया और बीपी जांच के निर्देश दिए गए, वहीं परिवारों के बीच कंबल व उन्नत बीज वितरित किए गए तथा सोलर लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

उप विकास आयुक्त रिया सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन बिरहोर परिवारों को मूलभूत सुविधाएं और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देकर उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर प्रशिक्षु आईएएस पूर्वा अग्रवाल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सदर बीडीओ और अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मी मौजूद थे।

लोहरदगा पुलिस की बड़ी करवाई 41.54 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपी गिरफ्तार



बिभा संवाददाता

लोहरदगा: जिले में पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 41.54 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन, ?3,000 नकद तथा ब्राउन शुगर की तस्करी में प्रयुक्त महिंद्रा बोलेरो पिकअप वाहन भी जब्त किया है।वही पुलिस के अनुसार 26 नवंबर की रात पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी को गुप्त सूचना मिली थी कि चंदवा-चांपी मार्ग से एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप वाहन जेएच01एफएन-5898 से ब्राउन शुगर लोहरदगा लाया जा रहा है।सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए एसडीपीओ लोहरदगा श्रद्धा केरकेट्टा के नेतृत्व में छापामारी दल गठित किया गया।टीम ने शंख पिकेट रेलवे ओवरब्रिज के पास वाहन की निगरानी शुरू की।इसी दौरान चंदवा-चांपी मार्ग से लोहरदगा की ओर आ रहे उक्त बोलेरो पिकअप को रुकने का इशारा किया गया।पुलिस को देखते ही वाहन चालक और उसके साथ मौजूद व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगे,जिन्हें पुलिस बल के सहयोग से पकड़ लिया गया।पकड़े गए आरोपियों की पहचान दिलीप कुमार (32 वर्ष), पिता स्व. सुनील प्रसाद साहू,बीआईडी बसार टोली तथा गोलू वर्मा उर्फ आनंद वर्मा (30 वर्ष), पिता स्व. कन्हाई राम वर्मा जयनाथपुर थाना एवं जिला लोहरदगा के रूप में हुई है।पुलिस ने अंचलाधिकारी लोहरदगा की मौजूदगी में दोनों की तलाशी ली।तलाशी के दौरान दिलीप कुमार के पास से एक ओपो कंपनी का स्मार्टफोन,एसीई कंपनी का कीपैड मोबाइल और ?3,000 नकद बरामद हुए।वहीं बोलेरो पिकअप की चालक सीट के नीचे सफेद पॉलीथिन में रखे सात पीले पैकेट मिले।जांच एवं वजन करने पर इनमें कुल 41.54 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई।पुलिस ने ब्राउन शुगर सहित दोनों मोबाइल फोन,नकदी और बोलेरो पिकअप को विधिवत जब्त कर लिया।मामले में लोहरदगा थाना कांड संख्या 156/2026, दिनांक 27 नवंबर 2026, धारा 17(बी)/21(बी)/22(बी)/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई।इस छापामारी दल में एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा,थाना प्रभारी रत्नेश मोहन ठाकुर,पुलिस अवर निरीक्षक आदर्श कुमार,दिनेश कुमार,अजीत कुमार,सहायक अवर निरीक्षक रमेश कुमार तिवारी,अमरनाथ पांडेय सहित तकनीकी शाखा के कर्मी एवं सशस्त्र बल शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग में त्रिवेणी कांत ठाकुर साहित्य व पत्रकारिता सम्मान समारोह आयोजित

हजारीबाग(बिभा): डीवीसी सभागार में शुक्रवार को स्वर्गीय त्रिवेणीकान्त ठाकुर की पुण्यतिथि के अवसर पर साहित्य और पत्रकारिता को समर्पित सम्मान समारोह आयोजित किया गया। त्रिवेणीकान्त ठाकुर मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2016 से आयोजित इस वार्षिक कार्यक्रम की शुरूआत रेखा झा की सरस्वती वंदना से हुई। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. गजेंद्र सिंह, अध्यक्ष रतन वर्मा और विशिष्ट अतिथि डॉ. शिवगीत सिंह शिव गीत ने साहित्य व पत्रकारिता को समाज की चेतना और लोकतांत्रिक विमर्श के लिए अहम बताया। कार्यक्रम का संचालन हितनाथ झा ने किया और ट्रस्ट के सचिव राकेश ठाकुर ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए वरिष्ठ कवि-आलोचक गणेश चन्द्र राही, गीतकार व संपादक शिव कुमार झा टिल्लू उर्फ रिन्टू, वरिष्ठ पत्रकार उमेश प्रताप, बाल साहित्यकार अनंत ज्ञान और छात्र मो. अनीश राजा को सम्मानित किया गया। अंत में कोषाध्यक्ष सीता देवी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।



कार्मेल स्कूल में सोशल ऑडिट कार्यक्रम, मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए वार्ड पार्षद विकास यादव

हजारीबाग (बिभा): कार्मेल स्कूल, हजारीबाग में सोशल ऑडिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकास यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान सामाजिक जवाबदेही, पारदर्शिता और जनहित से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा के माध्यम से जवाबदेही सुनिश्चित करना और लोगों को जागरूक करना रहा। मुख्य अतिथि विकास यादव की उपस्थिति में कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया।



बिरहोर बस्ती के विद्यालय पहुंचीं डीडीसी रिया सिंह, बच्चों को पढ़ाया और शिक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

हजारीबाग(बिभा)। डेमोटांड़ स्थित बिरहोर बस्ती के विद्यालय में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) रिया सिंह पहुंचीं। विद्यालय पहुंचकर उन्होंने बच्चों से संवाद किया और उन्हें पढ़ाया। इस दौरान उन्होंने बच्चों की पढ़ाई, विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं तथा शिक्षा व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। डीडीसी ने बच्चों के साथ समय बिताते हुए उनकी पढ़ाई में रुचि बढ़ाने का प्रयास किया। उन्होंने बच्चों से सवाल पूछे और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय में शिक्षा के माहौल को बेहतर बनाने और बिरहोर समुदाय के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने को लेकर भी उन्होंने शिक्षकों से जानकारी ली।



चौपारण थाना में एसपी अमन कुमार ने की लंबित कांडों की समीक्षा, अफीम की खेती रोकने और वारंटियों की गिरफ्तारी पर जोर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अमन कुमार ने शुक्रवार, 27 नवंबर को चौपारण थाना में पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर थाना क्षेत्र में दर्ज नए एवं पुराने कांडों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बड़ी पुलिस निरीक्षक, चौपारण थाना प्रभारी तथा विभिन्न कांडों के अनुसंधानकर्ता शामिल हुए। बैठक के दौरान एसपी ने लंबित मामलों की स्थिति, अपराध नियंत्रण, गिरफ्तारी, वारंट निष्पादन और थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विस्तृत समीक्षा करते हुए कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसपी ने वर्ष 2026 से पूर्व के लंबित कांडों तथा वर्तमान वर्ष में दर्ज मामलों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए अविलंब निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी अनुसंधानकर्ताओं को मामलों की जांच में तेजी लाने, साक्ष्यों के संकलन और कानूनी प्रक्रिया को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने पर विशेष जोर दिया।



बैठक में लंबित जमानती एवं गैरजमानती वारंट, इश्तेहार तथा कुर्की-जब्ती से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की गई। एसपी ने इन मामलों के निष्पादन के लिए विशेष अभियान चलाने और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

चौपारण थाना क्षेत्र में पिछले वर्ष जिन स्थानों पर अफीम की खेती की गई थी, उन स्थानों एवं संबंधित लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। एसपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस वर्ष किसी भी परिस्थिति में अफीम की खेती नहीं होने दी जाए। अफीम की खेती से जुड़े पूर्व में दर्ज मामलों में जिन आरोपियों की गिरफ्तारी लंबित है, उन्हें गिरफ्तार कर मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया।

संगठित अपराध से जुड़े लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए एसपी ने संबंधित अनुसंधानकर्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर मामलों का निष्पादन करने तथा अपराध में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अपराध नियंत्रण और पुलिस की सक्रियता बढ़ाने को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसपी ने थाना में आने वाले आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने तथा उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, जमीन विवाद से संबंधित लंबित मामलों की थाना दिवस में समीक्षा करने और आवश्यकतानुसार संबंधित अंचलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी के साथ पत्राचार कर नियमानुसार अग्रतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान एसपी ने पुलिस पदाधिकारियों को अपने कार्यों में तत्परता, जवाबदेही और सक्रियता बनाए रखने तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शहीद सोबरन सोरेन के 69वें शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि



बिभा संवाददाता

रामगढ़: मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपने दादा एवं अमर शहीद सोबरन सोरेन के 69वें शहादत दिवस पर रामगढ़ जिले के लुकैयाटांड (नेमरा) स्थित शहीद स्थल पहुंचे। उन्होंने शहीद सोबरन सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी व गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने भी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए, जिन्होंने अमर शहीद के संघर्षों और आदर्शों को याद किया।

मंडई स्थित 200 टीपीडी क्षमता का ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रोसेसिंग प्लांट 26 जनवरी से होगा प्रारंभ

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : नगर आयुक्त ओम प्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण हेतु चयनित एजेंसी गुरुदास कंस्ट्रक्शन के प्रतिनिधि एवं नगर निगम के संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में नगर आयुक्त ने मंडई स्थित निमार्णाधीन 200 टन प्रतिदिन क्षमता वाले ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) प्रोसेसिंग प्लांट की प्रगति की समीक्षा की। इसके अतिरिक्त सैनिटरी लैंडफिल के लिए आवश्यक पर्यावरणीय स्वीकृति एवं ट्रांसफर स्टेशन के विकास की स्थिति की जानकारी ली। डीएफओ स्तर पर लंबित पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने तथा ट्रांसफर स्टेशन के विकास कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए सभी वार्डों में सोमवार से RFID लगाने का कार्य प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया। इससे कचरा संग्रहण की निगरानी एवं यूजर चार्ज कलेक्शन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाई जा सकेगी। साथ ही, एजेंसी को निर्धारित न्यूनतम मजदूरी का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा कचरा संग्रहण वाहनों की समयबद्ध मरम्मत कराने का निर्देश दिया गया।बैठक के उपरांत नगर आयुक्त ने मंडई स्थित निमार्णाधीन SWM प्रोसेसिंग प्लांट का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि प्लांट के निर्माण हेतु फाउंडेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा मशीनरी स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। आवश्यक मशीनरी भी मंगा ली गई है। नगर आयुक्त ने सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करते हुए 26 जनवरी 2027 से प्लांट का संचालन प्रारंभ करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्लांट परिसर में हरित क्षेत्र विकसित करने के लिए बाउंड्री वॉल के आसपास पौधरोपण कराने, कचरे को व्यवस्थित तरीके से रखने तथा प्लांट तक पहुंचने वाले अप्रोच रोड की नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा।इसके पश्चात नगर आयुक्त ने मंडई स्थित 64 केएलडी क्षमता वाले फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परिसर में जलजमाव की स्थिति देखी गई। इस पर नगर आयुक्त ने संबंधित बीटीएल एजेंसी के प्रबंधक एवं प्रतिनिधियों को तत्काल जलजमाव की समस्या का निराकरण करने तथा परिसर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही, पूरे परिसर का भ्रमण कर उसके सौंदर्यीकरण हेतु लैंडस्केपिंग एवं पौधरोपण कराने को कहा, ताकि परिसर को स्वच्छ एवं हरित स्वरूप प्रदान किया जा सके।



आईसीसी माइनिंग समिट का आयोजन, झारखंड माइनिंग विजन 2030 का लोकार्पण

बिभा संवाददाता

रांची। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के झारखंड स्टेट काउंसिल की ओर से शुक्रवार को रांची के होटल चाणक्य बीएनआर में 7वें आईसीसी माइनिंग समिट का आयोजन किया गया। सम्मेलन में खनन एवं खनिज क्षेत्र से जुड़े उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और विभिन्न संस्थानों के अधिकारियों ने झारखंड के खनन क्षेत्र की संभावनाओं, चुनौतियों और भविष्य की रणनीति पर चर्चा की।

सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण झारखंड माइनिंग विजन 2030 नामक शोध प्रकाशन का लोकार्पण रहा। नवंबर 2026 में प्रकाशित इस शोध पत्रिका की थीम कैटेलिस्ट्स फॉर एनहांसिंग ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, इन्वेस्टमेंट अट्रैक्शन एंड मिनरल गवर्नेंस है। इसमें झारखंड के खनन क्षेत्र में कारोबार की सुगमता बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और खनिज प्रशासन को मजबूत बनाने के लिए भविष्य की संभावनाओं और दृष्टिकोण को सामने रखा गया है।



कार्यक्रम की शुरूआत आईसीसी झारखंड स्टेट काउंसिल के चेयरमैन डॉ. अमृतांशु प्रसाद के स्वागत संबोधन से हुई। इसके बाद आईसीसी झारखंड स्टेट काउंसिल की माइंस एंड मेटल कमेटी के चेयरमैन एवं मेकॉन के डायरेक्टर (टेक्निकल) अमित राज ने थीम एड्रेस दिया। हिंदाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रेसिडेंट (माइंस) बिजेश झा ने विशेष संबोधन किया।

इस अवसर पर मेकॉन के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर संजय कुमार वर्मा तथा झारखंड सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव आबूबकर सिद्दीकी पी., आईएएस ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में वी-कैप मनी के संस्थापक एवं सीईओ तथा आईसीसी के वाइस चेयरमैन (फाइनेंस, टैक्सेशन एंड इकोनॉमिक अफेयर्स) विकास आर. सहाय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

समिट में तकनीकी चचाओं के लिए तीन प्रमुख विषय निर्धारित किए गए थे। पहले तकनीकी सत्र का विषय अनलॉकिंग इंडियाज स्ट्रैटेजिक मटेरियल सोवरेन्टी : स्ट्रेंथनिंग मिनरल इकोसिस्टम्स थ्रू पॉलिसी रिफॉर्म्स एंड ईज ऑफ डूइंग बिजनेस था। इसमें महत्वपूर्ण खनिजों की पूरी मूल्य श्रृंखला, जिसमें खोज, उत्खनन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन शामिल हैं, से जुड़ी नीतिगत एवं नियामकीय चुनौतियों पर चर्चा हुई। साथ ही निवेश आकर्षित करने, घरेलू क्षमताओं को मजबूत बनाने, आयात पर निर्भरता कम करने और कारोबार की सुगमता बढ़ाने जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। इस सत्र का संचालन मेकॉन के सीनियर कंसल्टेंट यू. के. विश्वकर्मा ने किया।

इसमें आरात्रिका मिनरल्स एंड ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक आर. एस. पांडेय, यूसीआईएल के जनरल मैनेजर (माइंस) मनोज कुमार और भारतीय खान ब्यूरो के रीजनल कंट्रोलर ऑफ माइंस संदीप सिंह ने भाग लिया।

दूसरे तकनीकी सत्र का विषय स्मार्ट माइनिंग : ड्राइविंग एआई, ऑटोमेशन, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड स्टार्टअप-लेड इनोवेशन इन झारखंड्स माइनिंग सेक्टर था। इसमें खनन क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और डिजिटल तकनीकों की भूमिका पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने खनन उत्पादकता, परिचालन दक्षता और कार्यस्थल की सुरक्षा बढ़ाने में इन तकनीकों की उपयोगिता पर विचार रखे। प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस, रियल टाइम मॉनिटरिंग, ऑटोनॉमस इक्विपमेंट और आधुनिक खनन परिचालन जैसे विषय भी चर्चा के केंद्र में रहे। इस सत्र का संचालन हिंदाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रेसिडेंट (माइंस) बिजेश झा ने किया। पैनल में मेकॉन के डीजीएम (माइनिंग) अभिनाश कुमार साहू, टाटा स्टील लिमिटेड के सीनियर एरिया मैनेजर (ऑपरेशंस) कुमार सत्यम और एमएमडी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सुभाजीत चौधरी शामिल हुए।

तीसरे तकनीकी सत्र का विषय सस्टेनेबल माइनिंग : बैलेंसिंग मिनरल प्रोडक्शन विद एनवायरनमेंटल स्टूअर्डशिप था। इसमें खनिज उत्पादन के साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के संतुलन पर चर्चा हुई। ईएसजी अनुपालन, खदानों का पुनर्वास, भूमि बहाली, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, संसाधनों के बेहतर उपयोग और स्वच्छ तकनीकों को अपनाने जैसे मुद्दों पर विचार रखे गए। इस सत्र का संचालन थ्रिवेणी सैनीक अर्थमूवर्स लिमिटेड के सीईओ (लैंड) डॉ. अमृतांशु प्रसाद ने किया। इसमें रुंगटा माइंस के सीजीएम (कोल माइंस) मनवेंद्र कुमार, हिंदाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड की एवीपी एवं हेड (सस्टेनेबिलिटी) अनूमा बसु तथा डेलॉयट की पार्टनर डॉ. अमृता गांगुली ने अपने विचार साझा किए। इनोवेट, कोलैबोरेट, सस्टेन थीम पर आयोजित इस समिट के माध्यम से झारखंड के खनन क्षेत्र को अधिक प्रतिस्पर्धी, तकनीकी रूप से सक्षम और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाने की दिशा में उद्योग जगत के विचारों को एक मंच पर लाया गया। झारखंड माइनिंग विजन 2030 का लोकार्पण भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया।

बाल विवाह के खिलाफ एनसीसी कैडेट्स ने लिखे जागरूकता के स्लोगन, समाज को दिया जागरूकता का संदेश



बिभा संवाददाता

लोहरदगा। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, नदिया हिंदू, लोहरदगा में बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न प्रेरणादायक स्लोगन लिखकर लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में कैडेट्स ने स्लोगनों के माध्यम से बाल विवाह पर रोक लगाने, बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि बाल विवाह बच्चों के बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इस सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए समाज के सभी लोगों को आगे आने की जरूरत है। कैडेट्स ने लोगों से अपील की कि बेटियों को कम उम्र में विवाह के बंधन में बांधने के बजाय उन्हें शिक्षा और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दें। साथ ही अपने आसपास बाल विवाह की जानकारी मिलने पर संबंधित अधिकारियों को सूचित करने का भी आह्वान किया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाना और बाल विवाह मुक्त भारत के संकल्प को मजबूत करना था। इस दौरान संदेश दिया गया कि बच्चों का बचपन सुरक्षित रखना, उन्हें शिक्षित करना और उनके बेहतर भविष्य का निर्माण करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

देवघर पहुंचे ईशान किशन, बाबा बैद्यनाथ के दरबार में टेका माथा, वैभव सूर्यवंशी को बताया स्पेशल टैलेंट

बिभा संवाददाता

देवघर। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर और विस्फोटक बल्लेबाज ईशान किशन शुक्रवार को बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर पहुंचे। यहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ मंदिर में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। क्रिकेट के मैदान पर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाले ईशान किशन इस दौरान पूरी तरह भक्ति के रंग में नजर आए।



बाबा मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद ईशान किशन ने अपनी धार्मिक आस्था साझा करते हुए कहा कि जब भी जीवन में कोई महत्वपूर्ण लक्ष्य हासिल करना होता है या किसी बड़े उद्देश्य की ओर कदम बढ़ाना होता है, तो वह बाबा बैद्यनाथ का आशीर्वाद लेने जरूर पहुंचते हैं। बाबा के प्रति उनकी गहरी आस्था है और यहां आकर उन्हें विशेष आध्यात्मिक अनुभूति होती है। उन्होंने बाबा भोलेनाथ से सुख-समृद्धि और सफलता की कामना की।

इस दौरान ईशान किशन ने बिहार के युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की प्रतिभा की भी जमकर सराहना की। उन्होंने वैभव को स्पेशल टैलेंट बताते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में जिस तरह वह मैदान पर उतरकर बड़े-बड़े गेंदबाजों का सामना कर रहा है, वह असाधारण है। उसकी बल्लेबाजी में बेखौफ अंदाज और जबरदस्त आत्मविश्वास नजर आता है। उन्होंने कहा कि वैभव आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट का भविष्य बन सकता है। इतनी कम उम्र में इस तरह का प्रदर्शन करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

उल्लेखनीय है कि ईशान किशन भारतीय क्रिकेट के चर्चित विकेटकीपर बल्लेबाजों में शामिल हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाने वाले ईशान ने वर्ष 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में महज 126 गेंदों पर 200 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले चुनिंदा बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए थे।

वहीं भारतीय क्रिकेटर ईशान किशन के आगमन की खबर फैलते ही मंदिर परिसर में क्रिकेट प्रेमियों और समर्थकों की भीड़ जुट गई। प्रशंसक अपने चहेते क्रिकेटर की एक झलक पाने और उनके साथ तस्वीर लेने के लिए उत्साहित दिखे। ईशान किशन का देवघर आगमन शहर में चर्चा का विषय बना रहा।

फोर्ब्स में रांची के स्टार्टअप एकोकिंटसुगी की अनूठी पहल को मिला स्थान, लेदर स्क्रैप से बना रहे जूते और हैंडबैग

बिभा संवाददाता



नई दिल्ली/रांची: नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के झारखंड पवेलियन में रांची के धुर्वा निवासी दुष्यन सिंह के स्टार्टअप एकोकिंटसुगी की अनूठी पहल को प्रतिष्ठित पत्रिका फोर्ब्स ने विशेष स्थान दिया है। उनका स्टार्टअप बेकार चमड़े (लेदर स्क्रैप) का उपयोग कर आकर्षक हस्तनिर्मित जूते और हैंडबैग तैयार कर रहा है, जो टिकाऊ फैशन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहा है।

इस स्टार्टअप के तहत विभिन्न स्थानों से अनुपयोगी चमड़े के टुकड़े एकत्र कर उन्हें अलग-अलग आकार में काटा जाता है और कलात्मक तरीके से जोड़कर हाथ से उत्पाद तैयार किए जाते हैं। स्टार्टअप द्वारा बनाए गए विंगटिप ऑक्सफोर्ड जूते रचनात्मक डिजाइन और शिल्पकला का बेहतरीन उदाहरण हैं, जो स्टाइल से समझौता किए बिना संसाधनों की बबार्दी रोकने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

विकास और विरासत की थीम पर आयोजित इस व्यापार मेले में 32 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के साथ 11 देशों के प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। झारखंड पवेलियन में एक ओर राज्य के ढोल वादक अपनी प्रस्तुति से पारंपरिक कला-संस्कृति की झलक दिखा रहे हैं, तो दूसरी ओर ऐसे स्टार्टअप नवाचार, उद्यमिता और पर्यावरण अनुकूल उत्पादन का अनोखा संगम प्रस्तुत कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड स्थापना दिवस समारोह में पीवीयूएनएल ने फ्लाई ऐश उत्पादों व सीएसआर पहलों का किया प्रदर्शन

रांची(बिभा): झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर रांची के खेलगांव में 26 से 28 नवंबर 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय समारोह में पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) पतरातू द्वारा विशेष स्टॉल लगाया गया है। इस स्टॉल के जरिए फ्लाई ऐश के उपयोग, उससे बने उत्पादों, पर्यावरण संरक्षण और कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों की जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। समारोह के दौरान ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने पीवीयूएनएल के स्टॉल का अवलोकन कर फ्लाई ऐश से निर्मित उत्पादों के प्रदर्शन और इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। स्टॉल पर महिलाओं के लिए आयोजित ऐश यूजर ट्रेनिंग कार्यक्रम पर आधारित एक लघु फिल्म के माध्यम से महिला कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की पहलों को भी दिखाया गया है। तीन दिवसीय आयोजन के दौरान ढश्वठछ के कर्मचारी आगंतुकों को फ्लाई ऐश उत्पादों के महत्व, संसाधनों के प्रभावी उपयोग, सामुदायिक विकास और जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दे रहे हैं।



स्कूल खुलने व छुट्टी के समय शैक्षणिक क्षेत्रों में पुलिस गश्ती बढ़ाई जाएः अजय राय

रांची(बिभा): झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक से राजधानी में स्कूल खुलने और छुट्टी होने के समय विशेष पुलिस गश्ती सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विभिन्न इलाकों में स्कूल आने-जाने वाली छात्राओं के साथ मनचलों और रोड रोमियो द्वारा पीछा करने, फब्तियां कसने और छेड़खानी जैसी घटनाओं की शिकायतें मिल रही हैं, जो अभिभावकों के लिए गंभीर चिंता का विषय है।



अजय राय ने मांग की कि लालपुर, डोरंडा, हरमू, अरगोड़ा, रातू रोड, बरियातू, कांके रोड, मोरहाबादी, मेन रोड, धुर्वा, हटिया और कोकर सहित सभी प्रमुख शैक्षणिक क्षेत्रों में नियमित गश्ती व विशेष निगरानी रखी जाए। इसके साथ ही स्कूलों के आसपास सादे लिबास में महिला व पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती, बाइक लेकर बेवजह खड़े रहने वाले संदिग्ध युवकों की जांच, संवेदनशील मार्गों पर सीसीटीवी निगरानी और स्कूल प्रबंधन व पुलिस के बीच बेहतर समन्वय की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार्य नहीं है और पुलिस की सक्रियता से असामाजिक तत्वों में कानून का भय पैदा होगा, जिससे बेटियां निर्भीक होकर अपनी शिक्षा जारी रख सकेंगी।

दक्षिण पूर्व रेलवे केंद्रीय अस्पताल की पैथोलॉजी लैब को एनएबीएल प्रमाणन, चक्रधरपुर में सीटी स्कैन शुरू

कोलकाता(बिभा): दक्षिण पूर्व रेलवे केंद्रीय अस्पताल की पैथोलॉजी प्रयोगशाला को नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल) से गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त हुआ है, जो 22 नवंबर 2026 से 22 नवंबर 2030 तक मान्य रहेगा। इससे जांच रिपोर्टों की सटीकता और विश्वसनीयता बढ़ने के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। चिकित्सा सेवाओं के विस्तार के तहत मंडलीय रेलवे अस्पताल, चक्रधरपुर में 36-स्लाइस सीटी स्कैन मशीन 17 नवंबर 2026 को शुरू की गई है। इससे रेलकर्मियों और उनके परिजनों के साथ-साथ चक्रधरपुर व आसपास के आदिवासी क्षेत्रों के लोगों को भी लाभ मिलेगा। इसके अलावा शालीमार रेलवे स्टेशन पर स्वच्छ मन, स्वच्छ शरीर, स्वच्छ घर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य संविदा कर्मियों और कुलियों तक स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता, तनाव प्रबंधन व जागरूकता सेवाएं पहुंचाना है। यह अभियान दक्षिण पूर्व रेलवे के सभी मंडलों में जारी है।

कारवां 2.0 के राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर के कलाकार होंगे शामिल

रांची(बिभा)। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के 16वें राष्ट्रीय अधिवेशन कारवां 2.0 को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर तैयारियां जारी हैं। 17 से 20 दिसंबर 2026 तक रांची में आयोजित होने वाले इस चार दिवसीय अधिवेशन को लेकर शुक्रवार को रांची में बैठक हुई। बैठक में बताया गया कि आयोजन में देशभर से हजारों प्रतिनिधि शामिल होंगे। चर्चित कलाकारों की प्रस्तुतियां भी आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेंगी। अधिवेशन की मेजबानी कर रही मारवाड़ी युवा मंच की रांची शाखा के पदाधिकारी और सदस्य आयोजन को भव्य बनाने में जुटे हैं। आयोजन की रूपरेखा, तैयारियों और प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी साझा की गई।

रूस में हिरासत में रखे गए झारखंड के मनीष साहू सुरक्षित भारत लौटे

बिभा संवाददाता

रांची। रूस के येकातेरिनबर्ग में हिरासत में रखे गए झारखंड के नागरिक मनीष साहू की सुरक्षित वतन वापसी हो गई है। झारखंड राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष के अनुसार, 29 वर्षीय मनीष 26 नवंबर को दिल्ली पहुंचे और शुक्रवार को ट्रेन से अपने गृह नगर जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम) लौट आए।



विभाग के अनुसार, मनीष साहू छह अक्टूबर 2026 को पर्यटक के रूप में रूस गए थे। 27 अक्टूबर के बाद परिवार से उनका संपर्क टूट गया। इसके बाद उनकी मां नीलम साहू ने राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष में शिकायत दर्ज कराई। मनीष ने स्वयं विभाग को सूचना दी थी कि स्थानीय पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया है। उन्होंने कथित दुर्व्यवहार, झूठे आरोप लगाने और दबाव बनाए जाने की शिकायत भी की थी। विभाग ने स्पष्ट किया था कि ये आरोप मनीष की ओर से दी गई जानकारी पर आधारित थे और इनका स्वतंत्र रूप से सत्यापन नहीं किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने 29 अक्टूबर को रांची स्थित प्रोटेक्टर ऑफ इमिग्रेंट्स, भारतीय दूतावास, मॉस्को और संबंधित अधिकारियों को ई-मेल भेजकर तत्काल कांसुलर एवं कानूनी सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। दो नवंबर को मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास ने सूचित किया कि मामला भारतीय महावाणिज्य दूतावास, येकातेरिनबर्ग के क्षेत्राधिकार में आता है और इसे वहां अग्रसारित कर दिया गया है।

इसके बाद तीन नवंबर को येकातेरिनबर्ग स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने विदेशी नागरिकों के अस्थायी हिरासत केंद्र में मनीष साहू से मुलाकात की और उन्हें कांसुलर सहायता उपलब्ध कराई। अधिकारियों ने उनका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य और संतोषजनक पाया। मनीष ने भी इसकी पुष्टि की। हिरासत केंद्र के प्रमुख के आदेश में उन्हें प्रशासनिक अपराध का दोषी ठहराते हुए चार हजार रूबल का जुमार्ना लगाया गया और रूस से अनिवार्य निष्कासन का आदेश दिया गया।

विभाग के अनुसार, नौ नवंबर को न्यायिक बेलीफ ने मामले की समीक्षा के बाद मनीष को 25 नवंबर को ताशकंद के रास्ते रूस से प्रस्थान करने की अनुमति दी। इसके बाद उन्होंने दिल्ली के लिए हवाई टिकट बुक कराया।

भारतीय महावाणिज्य दूतावास के समन्वय से मनीष 25 नवंबर को ताशकंद के रास्ते रूस से रवाना हुए। 26 नवंबर को दिल्ली पहुंचने के बाद 27 नवंबर को जमशेदपुर लौट आए। उनकी रूस से रवानगी से लेकर भारत पहुंचने तक भारतीय मिशन के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा गया।

राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने भारतीय महावाणिज्य दूतावास, येकातेरिनबर्ग और मामले में सहयोग करने वाले सभी अधिकारियों के प्रति आभार जताया है। विभाग ने कहा कि विदेशों में फंसे झारखंड के नागरिकों की सुरक्षा और उन्हें समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराना उसकी प्राथमिकता है। विभाग ने रूस जाने वाले श्रमिकों और पर्यटकों से अपील की है कि वे वैध वीजा, रोजगार अनुबंध और भर्ती एजेंसियों का सत्यापन अवश्य करें। साथ ही पासपोर्ट जब्ती, अवैध भर्ती और वीजा नियमों के उल्लंघन जैसी परिस्थितियों से बचने के लिए भारतीय दूतावास या महावाणिज्य दूतावास के संपर्क में रहें।

अर्पिता महिला मंडल ने रेंदो गांव में लगाया कल्याणकारी शिविर, ग्रामीणों को बांटी आवश्यक सामग्री

बिभा संवाददाता



रांचीः अर्पिता महिला मंडल की ओर से रेंदो गांव में सामाजिक कल्याण और ग्रामीण सशक्तिकरण के उद्देश्य से विशेष कल्याणकारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल की अध्यक्षा प्रीति सिंह के मार्गदर्शन और सभी उपाध्यक्षों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में सीसीएल के सभी 15 क्षेत्रीय महिला मंडलों की अध्यक्षों व सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के तहत गांव के प्रत्येक परिवार को सहायता पहुंचाने के लिए ट्रंक, कंबल, साड़ियां, सलवार सूट, गर्म कपड़े, फल, बिस्कुट और लंच पैकेट वितरित किए गए। इसके साथ ही जैविक खेती के लिए पहचाने जाने वाले रेंदो गांव के स्थानीय किसानों की आजीविका को बढ़ावा देने और उनका उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से मंडल की सदस्यों ने उनसे जैविक उत्पादों की खरीदारी भी की।

अर्पिता महिला मंडल ने समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आगे भी जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प व्यक्त किया।

झारखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ाः रांची में बोकारो के स्टॉल पर उमड़ी आगंतुकों की भीड़

रांचीः खेलगांव स्थित हॉल-बी में झारखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत आयोजित प्रदर्शनी में बोकारो जिले का स्टॉल आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्टॉल पर पहुंच रहे लोग बोकारो के स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक कारीगरी और आयरन क्लस्टर के वेंडर्स द्वारा निर्मित विभिन्न औजारों व कृषि उपयोगी उपकरणों की गुणवत्ता की जानकारी लेने के साथ खरीदारी भी कर रहे हैं। इसके साथ ही स्टॉल पर लगी एलईडी स्क्रीन पर 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन डेस्टिनेशन' के अंतर्गत बोकारो के राजकीय महोत्सव लुगुबुरु से जुड़ी वीडियो फिल्म दिखाई जा रही है, जिसके माध्यम से आगंतुक इसकी ऐतिहासिकता, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक महत्ता से रूबरू हो रहे हैं। प्रदर्शनी का उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ जिले की पर्यटन व सांस्कृतिक पहचान को राज्य स्तर पर बढ़ावा देना है।

राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने करमटोली के आदिवासी छात्रावास के छात्रों से की मुलाकात, सुविधाओं का दिया आश्वासन

बिभा संवाददाता



रांचीः राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने शुक्रवार को करमटोली स्थित आदिवासी छात्रावास के छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव के नेतृत्व में पहुंचे छात्रों ने यदुवंश आदिवासी कॉलेज छात्रावास के पुस्तकालय में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं की स्थिति, समस्याओं और आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की।

छात्रों ने कहा कि छात्रावास में बेहतर शैक्षणिक माहौल के लिए पुस्तकालय की समुचित व्यवस्था बेहद जरूरी है, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा की तैयारी में मदद मिलेगी। सांसद परिमल नाथवानी ने पहले किए गए पुस्तकालय निरीक्षण और छात्रों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए समस्याओं के समाधान व आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जल्द पहल करने का आश्वासन दिया।

मुलाकात के दौरान सुशील उरांव के साथ यदुवंश आदिवासी कॉलेज छात्रावास के छात्र प्रमुख प्रकाश भगत, बिनोद कुजूर, कार्तिक उरांव छात्रावास और प्रदीप उरांव मौजूद थे। छात्र संघ ने समस्याओं के शीघ्र निदान की उम्मीद जताई है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना में 6.59 किमी लंबी सुरंग-14 का काम पूरा, दोनों छोर जुड़े

बिहान भारत



नई दिल्ली/रुद्रप्रयागः भारतीय रेल को उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना की 6.59 किलोमीटर लंबी सुरंग-14 के निर्माण में बड़ी सफलता मिली है, जिससे खुदाई के दोनों छोर आपस में जुड़ गए हैं। इसमें सुमेरपुर की ओर से 4.7 किलोमीटर लंबे पोर्टल-1 और मारोड़ा की ओर से 1.79 किलोमीटर लंबे पोर्टल-2 की खुदाई पूरी हुई है।

पोर्टल-1 पर आबादी वाले क्षेत्र के नीचे ढीली मिट्टी से तीन ट्रैक वाली सुरंग के 110 मीटर हिस्से की खुदाई मल्टी-ड्रिफ्टिंग और अन्य विशेष तकनीकों से सुरक्षित रूप से की गई, जबकि 4.7 किलोमीटर मार्ग में हवा व तापमान नियंत्रण के लिए विशेष वेंटिलेशन प्रणाली भी लगाई गई। वहीं पोर्टल-2 पर भू-धंसाव व भूमि अधिग्रहण की चुनौतियों के समाधान के बाद माइक्रोपाइल्स, रॉक बोल्ट और कंसोलिडेशन ग्राउटिंग से ढलान को सुरक्षित कर मार्च 2024 में मुख्य खुदाई शुरू की गई थी।

आसपास की बस्तियों की सुरक्षा के लिए दोनों पोर्टलों के पास नियंत्रित विस्फोट केवल निर्धारित समय पर दिन में किए गए। इस उपलब्धि से पहाड़ी क्षेत्रों में रेल संपर्क मजबूत होगा, तीर्थयात्रियों व पर्यटकों का सफर आसान बनेगा और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।

बिशप के निधन पर विधायक ने जताया शोक

खूंटी। तोरपा विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुदीप गुड़िया ने बिशप ओके तिर्की के निधन पर शोक व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में विधायक ने कहा कि बिशप ओके तिर्की का निधन समाज और मसीही समुदाय के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका संपूर्ण जीवन प्रभु की सेवा, मानवता के कल्याण, सामाजिक सद्भाव और समाज के उत्थान के प्रति समर्पित रहा। विधायक ने कहा कि बिशप तिर्की सेवा, प्रेम, करुणा और आध्यात्मिक मार्गदर्शन के प्रतीक थे। उनके सेवा कार्य और समाज के प्रति योगदान हमेशा याद किए जाएंगे। उनके निधन से समाज ने एक महान आध्यात्मिक व्यक्तित्व को खो दिया है।

पूर्व रेलवे की यात्रियों से अग्नि सुरक्षा नियमों के पालन की अपील, धूम्रपान और ज्वलनशील वस्तुएं ले जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

बिहान भारत



कोलकाताः यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और रेल यात्रा के दौरान आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए पूर्व रेलवे ने यात्रियों से अग्नि सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि ट्रेनों में पेट्रोल, केरोसिन, गैस सिलेंडर, विस्फोटक, पटाखे जैसी ज्वलनशील वस्तुएं ले जाना और डिब्बों के भीतर धूम्रपान करना गंभीर अपराध है, जिस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 164 के तहत खतरनाक वस्तुएं ले जाने पर तीन वर्ष तक की कैद या 1,000 रुपये तक का जुमार्ना अथवा दोनों हो सकते हैं, साथ ही नुकसान की भरपाई भी करनी होगी। वहीं, धारा 167 और जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2026 के तहत ट्रेन में धूम्रपान करने पर जुमार्ना बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दिया गया है और मामला कोर्ट जाने पर 5,000 रुपये तक जुमार्ना लग सकता है।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने बताया कि महाप्रबंधक गीतिका पाण्डेय के नेतृत्व में सख्त प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में धारा 164 के तहत 105 और धारा 167 के तहत 547 मामले दर्ज किए गए। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष में 31 अक्टूबर 2026 तक धारा 164 के 50 मामलों में 50,680 रुपये और धारा 167 के 451 मामलों में 7,46,000 रुपये जुमार्ना वसूला गया है। रेलवे ने यात्रियों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध सामग्री या उल्लंघन की सूचना तुरंत रेलकर्मियों या आरपीएफ को देने का अनुरोध किया है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा डी बी कॉर्प लिमिटेड ,प्लॉट नंबर- 535 व 1272, नियर फारेस्ट ऑफिस, ललगुटवा, रांची - 835303, झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com